परमेश्वर स्वयं को साधारणता में छिपा रहा है, फिर स्वयं को उसी में प्रकट कर रहा है

धन्यवाद भाई नेविल। प्रभु आपको आशीष दे। शुभ प्रात: मित्रों। निश्चय ही मैं समझता हूं कि यह मेरे जीवन का विशिष्ट भाग है, कि इस प्रात: मैं फिर से इस अराधनालय में हूं, कि इसकी सुन्दर बनावट को देखूं और परमेश्वर के बालको को आज उसके भवन में अनुक्रम में बैठे देखूं।

2 कल जब मैं यहां आया तो मैं बहुत ही चकित था, और भवन की बनावट को देखा। मैने कभी सपने में भी नही सोचा था, कि यह इस प्रकार का होगा। जब मैने इसकी रुप रेखा देखी कि जब उन्होने इसका नीला नक्शा बनाया था, मैने एक और छोटा कमरा बैठने के लिये एक ओर देखा, परन्तु अब मै पाता हूं कि यह एक सुन्दर स्थान है। इस एक—एक सुन्दर स्थान के लिये हम सर्वसामर्थी के बहुत आभारी है। और हम...

3 और इस प्रात: मै अपनी पत्नी और बच्चों की ओर से शुभकामनाये लाया हूं, जो कि वे भी यहां इस समर्पण सभा में होना चाहते थे, और मसीह के लिये यह पवित्र सप्ताह। परन्तु बालक स्कूल में है और वहां से निकलना कठिन है। और वे घर कि यादगार भावनाओं से लगभग थक से गये है, परन्तु हम लोग आप लोगों याद करते हुये कभी नही थकेंगे। आपको ऐसा नही होता। यह मित्रों के जैसा होना है। और मैं—मैं मित्रों की सराहना करता हूं, हर कही, परन्तु पुराने मित्रों कि कुछ और बात है। कोई मतलब नही आप नये मित्र बनाते है, यह फिर भी पुराने जैसे नही होते है।

4 कोई मतलब नही मैं कहीं भी घुमू, यह स्थान सदा पवित्र रहेगा। लगभग तीस वर्ष पहले कीचड भरा तलाब, मैंने जमीन के इस टुकडे को यीशु मसीह को समर्पित किया था, तब यह एक—एक कीचड के स्थान को छोड और कुछ नही था। यह सारा का सारा तलाब था। यही कारण था, कि यह सडक उधर से थी, यह सडक वहां से घूम कर गयी, कि इस तलाब से बचकर

जो यहाँ से जाये। और यहाँ पर कुमदुनियां हुआ करती थी, तालाब वाली कुमुदनियां उग आयी।

5 और वो—वो कुमुदनी बहुत ही विचित्र फूल है। यद्यपि यह कीचड में पैदा होता, इसे कीचड में से होकर अपना मार्ग बनाना होता है, और फिर पानी और गंदगी में होकर अपने को ऊपर सतह पर लाती है कि अपनी सुन्दरता को दिखाये।

6 और मै—मैं सोचता हूं, कि इस प्रात: यह कुल मिलाकर यहां यही घटित हुआ है। उस समय से एक छोटे तालाब की कुमदुनी ने स्वयं में जोर लगाया; और जब यह जल कि सतह पर ऊपर आ गयी, इसने अपने पंख फैला दिये, इसकी छोटी पंखडिया निकल आयी, और इसने घाटी की कुमदुनी को परवर्तित किया। होने पाये यह सदा स्थिर रहे। होने पाये, यह घर पूरी रीति से परमेश्वर को समर्पित रहे!

7 यह आराधनालय अपने में 1933 में समर्पित हो चुका है। परन्तु इस प्रात: यह सोचते हुये, यह बहुत ही एक—एक अच्छी बात होगी कि फिर से समर्पण कि एक—एक छोटी सभा की जाये, विशेष उन लोगों के लिये जिनका प्रेम और भक्ती मसीह के लिये है जिससे यह सब सम्भव हुआ। और मै चाहता हूं कि आप में से प्रत्येक को आपकी भेंटे और आदि के लिये धन्यवाद दू, जिसे आपने इस आराधनालय के लिये दिया कि इसे मसीह को समर्पित करे।

8 और मै बहुत ही आभारी और धन्यवाद करता हूं, इस सभा का जो शब्द उन्होने हमारे भाईयों के पक्ष में बोले जिन्होने अपनी सेवायें इसके लिये समर्पित करी। भाई बैक्स वुड हमारे कुलीन भाई; भाई रोय रोबरसन हमारे कुलीन भाई और बहुत से जिन्होने निस्वार्थ और ह्रदय की सच्चाई से इसके निर्माण में महीनों ऐसे ही लगाये, इस स्थान के लिये कि ऐसा हो टिके रहे, कि देखे कि इसका सही निर्माण हो सके।

9 और जब मैं इस पुलपिट को देखने अन्दर आया, तो फिर जिस प्रकार का मै सदा से चाहता रहा, अपने सारे जीवन भर! मैं... भाई बुड को मालूम था कि मुझे क्या पसन्द है। उसने कभी नही कहा कि वह इसे बनायेंगे, परन्तु उन्होने इसे बना दिया।

10 और ध्यान दिया यह भवन और कैसे इसे बनाया है, यह ओह, यह सर्वोत्तम है। और इसे कहने के लिये कि मैं अपनी भावनाये प्रकट करूं शब्द

नही हैं, देखिये। इसे करने का कोई तरीका नही है। और परन्तु परमेश्वर समझता है। और होने पाये आपके योगदानों के लिए आप में से प्रत्येक को पुरुस्कृत किया जाये, और वह सब जो आपने इस स्थान को बनाने के लिये किया है जो यह है, जिस प्रकार से यह भवन है, प्रभु का एक घर। और अब मैं—मैं इन शब्दों को कहना चाहूँगा। अब यह भवन जैसे कि यह अन्दर और बाहर से सुन्दर है...

11 मेरा साला जूनियर वेबर जिसने ईटों की चिनाई की है। मैं नही जानता कि इस से अच्छा कुछ और हो सकता है, जो यह है, एक सिध्द कार्य।

12 दूसरा भाई जो यहां पर है, मैं उस से कभी नही मिला हूँ, जिसने माईक का सिस्टम लगाया है। परन्तु देखते हुये कि इस प्रकार की सपाट इमारत में आवाज कि कोई गूंज नही है, मैं बस... यह यहां छत में अलग तरीके से लगे है। कोई मतलब नही, मैं कही भी खडा हो जाऊँ यह एक सी आवाज है। और हर कमरा जो बनाया गया है—है, उनमें स्पीकर लगे है और आप सुनने के लिये चाहे जैसा कर ले। मैं विश्वास करता हूं, यह सामर्थी परमेश्वर का ही हाथ है, जिसने इन चीजो को किया है। अब यदि...

13 हमारे प्रभु ने हमें यह भवन दिया ताकि हम इसमे उसकी आराधना कर सके, उससे भी अच्छा जो हमने तीस वर्षो में किया। हमने कच्चे फर्श, और लकडी का बरुदा, और यहां पुराना स्टोव जला कर आरम्भ किया था। और वह ठेकेदार, भाई वुड्स उनमे से एक और भाई रोबरसन मुझे बता रहे थे, जहां वे दीवार से निकला खम्बा और वे पुराने स्टोव जो वहां रखे जाते थे, जिन पर आर–पार कड़ी टिकी थी, उसमें आग लग गयी थी और वे जल गये थे सम्भवत: दो या तीन फिट, यह सारा का सारा क्यों नही जल गया, केवल परमेश्वर ने इसे बचाये रखा। और फिर जल जाने के बाद और भवन का सारा वजन उस पर था, यह क्यों नही गिर गया, केवल परमेश्वर का ही हाथ था। अब यह सरियो के साथ है और जमीन पर टिका है, मजबूत बना है।

14 अब मैं सोचता हूं कि यह हमारा कर्तव्य है कि हम इसे अन्दर से सुन्दर बनाये, परमेश्वर के अनुग्रह से, कि हम अपने परमेश्वर के आभारी है कि हमारा... यह केवल एक सुन्दर ना हो कि जिसमे हम आयेगे, परन्तु होने पाये हर एक जो यहां आता है, यीशु मसीह के सुन्दर चरित्र को देखे, जो अन्दर आता है। यह हमारे प्रभु का पवित्र स्थान हो, एक पवित्र लोगो का। क्योंकि कोई मतलब नही यह कितनी सुन्दर बनावट है, जिसकी हम निश्चय

ही सराहना करते है, कलीसिया की सुन्दरता उसके लोगों का चरित्र है। मैं विश्वास करता हूं, यह सब परमेश्वर के घर की सुन्दरता बना रहेगा।

15 अब इसके मूल कोने के पत्थर को रखते समय कि समर्पित सभा के समय, एक महान दर्शन आया। उस सुबह जब मैने इसे समर्पित किया, तो कोने के पत्थर पर यह लिखा।

16 आपको आश्चर्य हो सकता है, कि कुछ ही मिनटो पहले, जब मैं यहां बाहर आने कि प्रतिक्षा में था। मेरा पहला कर्तव्य, जैसा कि मैं नये आराधनालय में आता हूं, मैने एक युवा पुरुष और स्त्री का जो मेरे कार्यालय में खडे थे, विवाह सम्पन्न किया। सम्भवत: यह एक प्रतीक हो, कि, मैं मसीह का ईमानदार सेवक होऊंगा कि उस दुल्हन को उस समारोह के दिन के लिये तैयार करूं।

17 और अब हम वैसा ही करे, जैसा हमने आरम्भ में किया। जब हमने अराधनालय का पहला समर्पण आरम्भ किया था, मैं एक युवा लडका था और मैं हो सकता है 21 या 22 वर्ष का था, जब हमने कोने का पत्थर रखा। यह मेरे विवाह से भी पहले की बात थी। और मैं सदा यह चाहता था कि स्थान ठीक और व्यवस्थित हो परमेश्वर की... परमेश्वर की आराधना के लिये, उसके लोगों के साथ। और हम यह केवल सुन्दर भवन से ही नही कर सकते, परन्तु पवित्र जीवन ही केवल एक मार्ग है, जिससे हम यह कर सकते है।

18 और अब इसके पहले कि हम समर्पण की सभा करे, एक समर्पण की प्रार्थना, कुछ वचनों को पढते है और आराधनालय को वापस परमेश्वर को समर्पित करते है। और फिर मुझे कुछ... सुसमाचार फैलाने पर, मेरे पास एक सन्देश है, इस सुबह जिससे मेरे आने वाले संदेश को बनाये।

19 और आज रात्रि मैं प्रकाशितवाक्य का पांचवा अध्याय लेना चाहता हूं, जो कि सात कलीसिया कालों से मिश्रित होकर, सात मोहरों में है। कि मैं... तब हम लेंगे...

20 सोमवार रात्रि सफेद घोड़े का सवार होगा। मंगलवार रात्रि... काला घोड़े का सवार, और फिर आगे, चार घुडसवार। और फिर छठवी मोहर खोली गई है।

21 और फिर रविवार प्रात: अगले रविवार प्रात: यदि प्रभु ने चाहा तो... हम इसे बाद में देखेंगे और बाद में घोषणा करेगे, सम्भव है अगले रविवार प्रात: बीमारों के लिये प्रार्थना सभा होगी, भवन में।

22 और फिर रविवार रात्रि समाप्ती के साथ... प्रभु हमारी सातवी मोहर खोलने में सहायता करे, जहां पर बस एक छोटा सा पद है। और यह ये कहता है, "वहां स्वर्ग में आधे घंटे का सन्नाटा था," उस सन्नाटे के द्वारा।

23 अब मैं नही जानता कि इन मोहरों का क्या अर्थ है। मै जितना सम्भव है अपनी समझ के अन्त पर हूं, उनके लिये, जैसा कि हो सकता है आप में से कुछ इस सुबह है। हमारे पास पुरोहितो वाले विचार है, जो मनुष्य के द्वारा लाये हुये है, परन्तु यह उसे कभी नही छू पायेगे। और यदि आप देखेंगे इसे तो प्रेरणा से आना है। इसे तो स्वयं परमेश्वर से ही होना चाहिये, केवल वही है जो यह कर सकता है, वह मेम्ना।

और आज रात्रि वह छुटकारे की पुस्तक।

24 अब इसी कारण से मैं बीमारो आदि के लिये प्रार्थना सभायें घोषित नही कर रहा हूं, और क्योंकि मैं... मैं अपने कुछ मित्रों के साथ रुका हुआ हूं, और मैं अपना एक–एक मिनट, अपने समय का अध्यन और प्रार्थना में दे रहा हूं। और आप जानते है, कि इसके पहले मैं छोड कर पश्चिम की ओर जाता, वह दर्शन जो मुझे उन सात स्वर्ग दूतों का मिला था जो उडते हुये आये। इसलिये आप थोडा बाद में समझेगे।

25 इसलिये अब, अब इस भवन में, हमारे पास यह होना चाहिये, यदि यह समर्पित किया गया है, या कुछ मिनटो में समर्पित होने वाला है परमेश्वर की आराधना करे, हमें इसे इसी प्रकार रखना चाहिये। हमे भवन में कभी भी खरीदना या बेचना नही चाहिये। हमें इस सभागार में कभी भी व्यपार नही करना चाहिये। इसे यहां पर कभी नही किया जाना चाहिये, जैसे की किन्ही सेवको को आकर पुस्तके आदि बेचने की अनुमति दे। कोई मतलब नही यह क्या है, इसे करने के लिये दुसरी जगहे है। इसलिये हमें—हमें प्रभु के भवन में खरीदना और बेचना नही चाहिये, यह आराधना का—का स्थान होना चाहिये; पवित्र अर्पित किया हुआ इस उद्देश्य के लिये। समझे? अब उसने हमें अच्छा स्थान दिया है, हम इसे उसे समर्पित करे, और स्वयं को इसके साथ उसको समर्पित करे।

26 अब यह थोडा सा कठोर लग सकता है, परन्तु यह मिलने कि जगह नही है। यह आराधना का स्थान है, आराधना को छोड हमें यहां अन्दर धीरे भी बात नही करनी है, जब तक कि यह बहुत ही आवश्यक ना हो। समझे? हमें कभी भी आसपास जमघट नही लगाना चाहिये, भवन में हो कर कभी ना दौडे या अपने बच्चों को भवन में दौडने दे और यह करते हुये, अधिक समय नही हुआ यह अनुभव करते हुये कि यह कर रहे है, हमने इसे इस प्रकार बनाया है कि हम इस सारे की चिन्ता करे। अब हमने यहां यह तय कर लिया है। नि:सन्देह बहुत से लोग अपरिचित है। अराधनालय के लोग यह जानते है, कि भवन सर्वसामर्थी कि सेवा के लिये समर्पित किया जाने वाला है। इसलिये अपने आपको समर्पित करते हुये, हम यह याद रखे, कि जब हम इस पवित्रस्थान में प्रवेश करते है, तो एक दूसरे के प्रति शांत रहे, और परमेश्वर की आराधना करे।

27 यदि हम एक दूसरे से मिलना चाहते है, तो जगहे है जिससे हम इस प्रकार से लोगों से मिले। परन्तु, कभी–भी यहाँ–वहां ना घूमे, जिससे आप अपने को सोचते हुये नही सुन सके और कोई व्यक्ति अन्दर आये और ना जान पाये कि क्या करना है, कि यहां इतना शोर और चींजे है। यह तो मानवता है, मैने यह कलीसियाओं में देखा है जब तक मुझे बुरा अनुभव नही हुआ। क्योंकि हम यहां प्रभु के इस पवित्र स्थान में लोगों से मिलने नही आते है। हम यहां परमेश्वर की आराधना करने आते है, और फिर अपने घरों को चले जाते है। यह पवित्र स्थान आराधना के लिये समर्पित किया गया है। जब... बाहर खडे हो कर जो चाहे बात करे, जब तक कि यह ठीक और पवित्र है। एक दूसरे के घर जाये। एक दूसरे के स्थानों पर जा कर मिले। परन्तु जब इस दरवाजे में आये तो शांत रहे।

28 आप यहां उससे बात करने आते है, देखिये, और उसे वापस आप से बात करने दे। परेशानी यह है कि हम बहुत सारी बातें करते है और प्रयाप्त सुनते नही। तब जब हम यहां पर आते है, उसकी प्रतिक्षा करे।

29 अब उस पुराने अराधनालय में से कोई एक भी व्यक्ति यहां पर इस सुबह उपस्थित नही होगा, जो उस दिन अराधनालय के समर्पण पर था, जब मेजर अलरिच ने संगीत दिया। और मैं तीन क्रूसो के पीछे खडा था, यहाँ तक कि स्थान को समर्पित करूं। मै किसी को भी अनुमति नही दुंगा... प्रवेशक (ushers) खडे है, यह देखने के लिए कि कोई बात ना करे। जब आप अपनी बातें बाहर कर ले, तब अन्दर आये, यदि आपकी इच्छा हो

जाये, आप शांती से वेदी पर आकर प्रार्थना करे। आप वापस जा कर अपने स्थान पर बैठ जाये, बाइबल खोले, आपका पडौसी क्या कर रहा है, यह उस पर छोड दे। आपको कुछ नही कहना है, यदि आपको उससे बात करनी है, कहे, "मैं उसे बाहर मिलुंगा, मैं यहां प्रभु की आराधना के लिये हूं।" आप उसके वचन को पढे, या शांत बैठे।

30 और तब संगीत, बहन ग्रेटी। मुझे नही मालूम कि आप सुबह आप यहां पर है या नही है, बहन गिब्स। वह पुराना पियानो, मैं विश्वास करता हूं, वहां इस कोने में है, जहां तक मुझे अच्छी तरह याद है। और वह इसे धीमे–धीमे बजायेगी, "क्रूस पर जहां मेरा बचानेवाला मरा," कुछ वास्तव में मीठा कोमल संगीत और—और फिर जब तक आराधना का समय ना हो जाये। और गाने वाला उठ कर मण्डली के गानों में अगुवाई करे। और फिर यदि किसी को विशेष व्यक्तिगत गाना है, उन्होंने इसे गाया, परन्तु बहुत सारा ऐसे ही ना चलाये। और फिर संगीत निरन्तर बजता रहे। और फिर जब मैं इसे सुनता हूं, मुझे मालूम पद जाये कि यह मेरा समय बाहर आने का है।

31 जब एक सेवक लोगो की मण्डली में आये, प्रार्थना करते हुये और आत्मा के अभिषेक में, आप स्वर्ग से सुनने के लिये बाध्य है। यही सब है, इससे बचने का कोई मार्ग नही है। यदि आप घबराहट में आते है तब आप—आप... आप—आप इतने घबराये हुये है और आत्मा शोकित होती है, और हम यह नही चाहते, नही। हम यहां आराधना के लिये आना चाहते है। हमारे पास अच्छे घर है, जिस विषय में मैं बोलने जा रहा हूं एक आधे मिनट में, और इस प्रकार से घर पर हम अपने मित्रों से मिलते है, और जहाँ उन्हे ले जाते है। यह प्रभु का भवन है।

32 अब, यहां छोटे बच्चे है, अब छोटे गोद के बच्चे। अब वे कोई अन्तर नही समझते। उनके पास एक ही तरीका है, जिस से जो वे चाहते है पा सकते है कि उस चीज के लिये रोये। और कभी–कभी यह पानी पीना और कभी उन्हे जरुरत होती है, कि उन पर ध्यान दिया जाये। और इसलिये हमारे पास परमेश्वर के अनुग्रह से एक समर्पित कमरा है, सूची में इसे, "रोने का कमरा," कहा गया है, परन्तु यह ठीक मेरे सामने की ओर है। यह दूसरे शब्दों में, जहां माताये अपने बालको को ले जा सकती है।

33 अब हो सकता है यह आपको कभी परेशान नही करेगा, मुझे यहां प्रचार मंच पर हो सकता है, मैं ध्यान भी ना दू अभिषेक में होते हुये। परन्तु वहां

कुछ लोग आसपास बैठे है, और यह उन्हे परेशान न करे, देखिये, वे सभा में सुनने के लिये आये है। इसलिये मातायें... आपके छोटे बच्चे पिनपिनाना शुरू करते है; आप कुछ नही कर सकते। क्योंकि, निश्चय ही यह एक... आपको चाहिये, आपको बच्चो को लाना ही है। एक सच्ची मां अपने बच्चे को अराधनालय ले जाना चाहती है, और यही चीज आपको करना चाहिये।

34 हमारे पास एक कमरा है, जहां से आप भवन का हर कोना देख सकते है, पूरा समाचार; और वहां पर स्पीकर हैं जहां आप उसकी आवाज को जैसा चाहे नियंत्रित कर सकते है; आखिर में एक—एक शौचालय और पानी की चिलमची (बेसिन) है, हर चीज माताओं की सुविधानुसार है। कुर्सी आदि के साथ आप बैठ सकती है; बच्चों के बदलने के लिये जगह यदि आवश्यक है, और हर चीज वहां पर है। यह सब लगा है।

35 और तब बहुत सी बार नवयुवक बालक और कभी–कभी बडे इस पर होगे... आप जानते है, युवक लोग कागज की पर्चीयां एक दुसरे को पहुंचाते, या कहते, या कभी–कभी कलीसिया में। अब आप इतने बडे हो गए है, कि इस से अच्छा जानते है। समझे? आपको इसे से अच्छा जानना चाहिये। समझे? आपको यहां नही आना चाहिये... यदि आप एक किसी दिन एक वास्तविक मनुष्य बनने की आशा करते है, और परमेश्वर के राज्य के लिये एक परिवार को बडा करना चाहते है, बजाये कि आरम्भ में ही समाप्त कर दे, आप देखिये, और—और सही व्यवहार करे और सही करे, और अब।

36 प्रवेशक (ushers) भवन के कोनों पर खडे है और आदि। और यदि कोई बढता जा रहा है, तो वे—तो वे अपने कर्तव्य के लिये ठहराये हुये है, और ट्रस्टी यहां सामने बैठे है, कि यदि किसी मामले में कोई दुर्व्यवहार कर रहा है, उन्हे अधिकार है, कि उस व्यक्ति से शांत रहने के लिये कहे।

37 तब यदि वे ऐसा आदर नही रखते है, तो यह अच्छा होगा कि कोई और उस बैठने के स्थान को ले क्योंकि कोई है जो सुनना चाहता है, यहां कोई इसी उदेश्य से आया है कि सुने, और इसी के लिये हम यहां पर है, कि प्रभु का वचन सुने। और इसलिये हर कोई इसे सुनना चाहता है, और चाहता है कि जितना शांत रह सकता है, रहे, उतना शांत वे रह सकते है; यह बात करने वालों का झुण्ड नही है और चल रहा है।

38 नि:संदेह कोई प्रभु की आराधना कर रहा है, जिसकी आशा की है। यही जो ऐसा ही होना चाहिये, इसी के लिये आप यहां है कि प्रभु की

आराधना करें। यदि आप को लगता है कि परमेश्वर की महिमा करूं, या चिल्लाऊँ तो करे; देखिये क्योंकि आप इसी के लिये यहां पर है, परन्तु अपने ही तरीके से प्रभु की आराधना करे। परन्तु यदि आप बात कर रहे है, पर्चीयां पास कर रहे है, ऐसे में कोई प्रभु की आराधना नही करता है, आप किसी को प्रभु कि आराधना से दूर कर रहे है, देखिये, इसलिये हम यह अनुभव करते है, कि यह गलत है। और इस से हम अपनी कलीसिया में नियम बनाते है कि हमारी सभा में इस भवन को, इस कलीसिया को परमेश्वर के राज्य के लिये समर्पित करेंगे, और उसके शब्द को प्रचार करने के लिये। प्रार्थना! आराधना! इसी कारण से आपको यहां आना चाहिये, कि आराधना करे।

39 और फिर दूसरी बात, जब सभा समाप्त हो जाती है, अक्सर लोग कलीसियों में... मैं नही—मैं नही सोचता कि यह यहां पर है, क्योंकि... मैं हमेशा ही चला जाता हूं, क्योंकि मैं निकल जाता हूं।

40 अक्सर, यहां तक की दूसरी सेवाओं में अभिषेक आता है, और दर्शन मिलते है, और मैं थक जाता हूं, और कमरे में चला जाता हूं। और हो सकता है बिली या कोई व्यक्ति वहां मुझे घर ले जाता है, कि मै थोडी देर विश्राम करूँ, जब तक कि उसमे से बहार ना आ जाऊँ, क्योंकि इससे बहुत ही जोर पडता है।

41 और फिर मैंने कलीसियायों में देखा है, बालको को सारे आराधनालय में भागने दिया जाता है, और—और बडे खडे हुये शोर करते है, एक दूसरे के साथ। यह उस रात्रि की सभा खराब करने का अच्छा तरीका है, या जो भी समय है। समझे?

42 जैसे ही सभा समाप्त होती है, सभागार को छोड दे, जब आपने आराधना कर ली है। तब बाहर निकल कर एक दूसरे से बात करते है और जो भी, आप करना चाहते है। यदि आपके पास किसी से बात करने के लिये कुछ है कि—कि उनसे मिले, तो आप उनके साथ जाये या उनके घर या यह जो भी है, परन्तु सभागार में यह ना करे। आईये इसे हम परमेश्वर को समर्पित करे। समझे? यह उसके मिलने का स्थान है, जहां हम उससे मिलते है। समझे? नि:संदेह नियम पवित्र स्थान से ही आते है, और मैं—मैं विश्वास करता हूं कि यह हमारे स्वर्गीय पिता को प्रसन्न करेगा।

43 और जब आते है तो आप पाते है, वरदान आप लोगों के मध्य में उतरने आरम्भ हो रहे है... अब अक्सर यह... मैं भरोसा करूंगा यह कभी यहां नही होगा; परन्तु जब लोगों के पास नया अराधनालय होता है, पहली बात आप जानते है, भक्त मण्डली घमण्डी सी हो जाती है। आप ऐसा कभी नही चाहे। कुल मिलाकर यह आराधना का स्थल है, यह प्रभु का घर है। और यदि आत्मिक वरदान उतरना आपके बीच में आरम्भ होते है...

44 जब से मैं गया हूँ, मैं यह समझता हूँ, लोग देश के विभिन्न भागों से यहां आये है कि इसे अपना घर बनाये। मैं परमेश्वर का धन्यवादित, आभारी हूं, मैं यह विश्वास करता हूं कि...

45 जिस सुबह मैने समर्पित किया और कोने का पत्थर रखा, एक युवक के समान, मैने प्रार्थना की यह यीशु मसीह के आगमन को देखने को खडा रहे। और जब मैने किया तो हजारों डॉलर का कर्ज, और वे... आप इतनी बडी भक्त मण्डली से भेट ले सकते थे, और तीस या चालीस सेंट मिलते और हमारी बध्यता कुछ एक सौ पच्चास डॉलर, और दो सौ सेंट एक महीने की थी। मै इसको कभी कैसे कर सकता था? मुझे मालूम था कि मैं काम कर रहा था, और मैं इसका भुगतान कर दुंगा, मैं... पास्टर पद के सत्रह वर्ष बिना एक सेन्ट लिये हूँ, परन्तु जो भी मेरे पास था सब दे रहा था अपने खर्च निकाल कर; और पीछे जो कुछ भी उस छोटे बॉक्स में परमेश्वर के राज्य के लिये आता था।

46 लोग भविष्यवाणी और अनुमान लगा रहे थे कि एक वर्ष में यह कार खडी करने के स्थान में बदल जायेगा। एक गलती में, शैतान ने इसे हम से छीनने की पूरी कोशिश की, एक झूठे केस में। किसी व्यक्ति ने दावा कर दिया कि उसके पैर में चोट लग गयी, जब वह काम कर रहा था और फिर... इसे चलने दिया और फिर और मुकदमा कर दिया, और इस अराधनालय को लेना चाहता था। और हफ्तों मैं यहां पर खडा रहा, परन्तु सारी गलत फहमीयों और अनुमानों के साथ जो उन्होने कहा, यह आज भी सुन्दरतम सभागार के रुप में खड़ा है, और संयुक्त राज्य के अच्छे आराधनालयों में से एक। यह ठीक बात है।

47 यहां से सारे संसार में जीवित परमेश्वर का वचन जाता है सारे संसार में; और इस सारे ग्लोब में निरन्तर घेरा बना रहा है, आकाश के नीचे हर राष्ट्र में जहां तक मैं जानता हूं, समस्त संसार में। इसके लिये हम धन्यवादित हो। इसके लिये हम आभारी हो।

48 और अब हमारे पास रहने के लिये स्थान है, हमारे सिर के लिये छत, एक साफ बैठने के लिये अच्छा अराधनालय, आईये हम स्वयं को नये तौर से कार्य करने के लिये समर्पित करे, और अपने आप को मसीह के लिये समर्पित करे।

49 और भाई नेविल हमारे अच्छे भाई, वास्तविक पास्टर जीवते परमेश्वर के सेवक, जहां तक मनुष्य सन्देश को जानता है इसको पकडे रहता, जो उसके पास है। यह ठीक बात है। वो एक सज्जन पुरुष है। यह थोडा सा डरते है... या डरते नही; मेरा यह अर्थ नही। परन्तु वे इतने अधिक सज्जन है, वह आप जानते है कि कहते नहीं जो कि बातों को धार के साथ कहते हुए या, "बैठ जाओ," और "शांत रहो!" मैने—मैंने यह ध्यान दिया है, इसके बाद टेप को सुना है।

50 परन्तु ऐसा हुआ कि मैं वह कर सकता हूं। इसलिये मैं—मैं... और मैं—मैं चाहता हूं कि आप मेरे शब्दों को याद रखे, आप समझे। और यह सारा टेप किया जा रहा है हर चीज टेप है। और कृपया हर डीकन अपने कर्तव्य के स्थान पर खडा हो और याद रखे कि आपको परमेश्वर की ओर से अधिकार है, कि इस पद को पवित्रताई से थामे रहे। समझे? हर ट्रस्टी भी वैसे ही है। पास्टर को लाना है...

51 यह पास्टर का स्थान नही है कि ये कहना पडे। यह ट्रस्टी है... या, मेरा मतलब डीकनों का, क्योंकि वे कलीसिया के पुलिस है। यह है, यदि युवा लोग बाहर आकर हार्न बजाते है, और आप जानते है कि वे अक्सर कैसे करते है या कुछ इस प्रकार का सभा में या वहां बाहर जाते है। और मातायें अपनी लडकियों को वहां भेजती है, और वह किसी आवारा लडके के साथ जाती है, और वहां कार से भागे फिरते है, और उसकी मां सोच रही है, कि वह अराधनालय में है। डीकन को यह देखना चाहिये। "या तो आप यहां आकर बैठे या फिर मैं तुम्हे अपनी कार में ले जाकर आपके घर आपकी मां के पास ले जाता हूं।" समझे? आप, आपको यह करना चाहिये।

52 याद रखे प्रेम, देखिये, सदा सुधारने वाला होता है। वास्तविक प्रेम सुधारने वाला होता है, इसलिये आपको योग्य होना चाहिये कि सुधार में स्थिर रहे। और मातायें, अब जानती है वहां उनके बालकों के लिये स्थान है। आप युवा बच्चे अन्तर समझते है, कि भवन में इधर–उधर दौडते फिरे। समझे? और आप बडे भी अन्तर जानते है बजाये कि बातें और अपनी

बातचीत सभागार में करते रहे। समझे? वह ना करे। यह गलत है। यह परमेश्वर को प्रसन्न नही करता।

53 यीशु ने कहा, "यह लिखा है, मेरा घर आराधना और प्रार्थना का घर बनेगा। कैसे सारे राष्ट्रों के द्वारा यह प्रार्थना का घर कहलायेगा!" और खरीदना और बेचना कर रहे थे और उसने रस्सी का कोडा बनाया और लोगों को अराधनालय से बाहर भगा दिया। और हम निश्चय ही यह नही चाहते, कि इस पवित्रस्थान में यह हो। इसलिये अपने जीवनों को समर्पित करे, अपनी कलीसिया, अपने काम, अपनी सेवायें और हर चीज जो हमारी है, परमेश्वर के राज्य के लिये।

54 अब, अब मैं वचन में से कुछ पढना चाहता हूं इसके पहले कि हम समर्पण कि प्रार्थना करे। और—और फिर यह बस एक दुबारा समर्पण है, क्योंकि वास्तविक समर्पण तीस वर्ष पहले हो चुका है। अब इस में... फिर जैसा कि हम—हम इस वचन को पढते और कुछ मिनटों के लिये इस पर बात करते है, मैं विश्वास करता हूं, परमेश्वर इस पर अपनी आशीषो को देगा।

55 अब वहां दूसरी बात थी, जो मैं कहने जा रहा था। जी हां। जहां हमारे पास अभिलेख हुआ करते थे, और आदि, हमारे पास एक स्थाई कमरा है, जहां से वे जो चाहे रिकॉर्डींग्स ले सकते है। वहां एक विशेष जोड है, और हर चीज वहां है जो कि सीधे मूल माईक से वहां आता है।

वहां पर कमरे और सब कुछ है, जो बपतिस्मे की सेवा के लिये कमरे में है।

56 और फिर एक बात, बहुत से लोग मेरे लिये बुरा अनुभव करते है, बहुत से लोग जो वास्तव में पवित्र वचन को नही जान पाये, क्रूस का अराधनालय में होना। मुझे याद है एक बार यहां इस विषय में कुछ हुआ था, मेरे पास तीन सलीबे थी और एक भाई को झटका लगा, क्योंकि उसने दूसरे नामधारी में कहते सुना था कि सलीब का अर्थ केथोलिक है।

57 मैं चाहता हूं कोई विद्यार्थी, या कोई नया जन्म पाया मसीह यह कहता है केथोलिको के पास सलीब का विकल्प है। मसीह की सलीब केथोलिक को नही दर्शाती, यह परमेश्वर के राज्य को दर्शाती है। अब संत केथोलिक को दर्शाते है, हम विश्वास करते है कि, "मनुष्य और परमेश्वर के बीच केवल एक ही मध्यस्थ है और वह मसीह है।" परन्तु वे बहुत तरह के मध्यस्थो

में विश्वास करते है, हजारों स्त्रियां और पुरुष और सारी चीजे; कोई भी भला केथोलिक अधिकांश जो मरता है मध्यस्थ बन जाता है। अब मसीह की सलीब यीशु मसीह को दिखाती है।

58 क्या आप आरम्भ के मसीहों को जानते है, उन—उन प्राचीन इतिहास की आरम्भिक कलीसिया के अनुसार, वे सलीब को अपनी पीठ पर लिये फिरते थे, जहां भी वे गये, अपने आप को एक मसीही बताने और प्रमाणित करने को? अब, केथोलिक यह दावा करते है कि यह वे लोग थे, नि:संदेह वे दावा करते है वे ही पहले है, परन्तु उस समय कैथोलिक यहां तक कि संगठित भी नही थे। देखा? परन्तु मसीही सलीब को साथ रखते थे... आपने लोगों को कहते सुना होगा, "पीठ पर सलीब।" आप यह केथोलिक के संदर्भ में कहते है?

59 यह एक वास्तविक केथोलिक, विश्वव्यापी पवित्र आत्मा कलीसिया इस संसार की सही है। हम केथोलिक है। हम मूल केथोलिक है। बाइबल पर विश्वास करने वाले केथोलिक। समझे? वे अराधनालय वाले केथोलिक, संस्था, हम इस से स्वंतत्र है। हम प्रेरितों के शिक्षा में निरन्तर बने हुये है। हम पवित्र आत्मा के बपतिस्मे की निरन्तरता में बने हुये है, और वे सारी चीजे इनके पक्ष में आरम्भिक कलीसिया खडी हुई, और केथोलिक कलीसिया में यह सब कुछ नही है। समझे?

60 इसलिये उन्होने सलीब को यहां लगाया है, यह उस जैतून के वृक्ष में से खोद कर निकाली गयी है, जिसके नीचे यीशु ने प्रार्थना की थी। इस सलीब ने वर्षो लिये है, और मुझे आरगेन ब्राईट ने दी है। और मैं इसे अराधनालय के साथ समर्पित करना चाहता हूं।

61 जिस किसी ने इसे टांगा है, बिल्कुल अनुकूल लग रही है। मैं नही जानता कि यह कौन था जिसने इसे मेरे बाये ओर—ओर टांगा है। उसने अपने सीधे हाथ वाले चोर को क्षमा किया; वह मैं हूं।

62 और दूसरी चीज जो यह दर्शाता है, जैसे कि उसका हृदय झुका हुआ है, जैसा कि आप देखते है, वह कष्ट उठा रहा है। कोई लोग भी जो... जो वेदी कि ओर देख रहा है और वह आपको यहां वेदी पर देख रहा है, और वह यहां आपके होने कि आशा कर रहा है, पापी और वह आप पर दृष्टी डालेगा। बाद में वे यहां एक बत्ती लगायेगे, जब वेदी कि बुलाहट

की जायेगी, इस पर उजियाला डाला जायेगा, कि जब लोग यहां उसके लिये होगे...

63 आप कहते है, "आपको इसकी आवश्यकता क्यों है? आपके पास तो मूरत नही होनी चाहिये।"

64 भाई जब उसी परमेश्वर ने कहा, "अपने लिये खोद कर मूर्ती ना बनाना," उसी परमेश्वर ने कहा, "दो साराप बनाना और उनके पंखों को सिरे पास हो, और उन्हे अनुग्रह सिंहासन के साथ रखना, जहां लोग प्रार्थना करते है।"

आप देखिये यह—यह बिना समझदारी के है। देखा?

65 इसलिये यह प्रेरणा से है और सीधे ही सही स्थान पर टंगी है। और मैं बहुत धन्यवादित हूं, कि एक जो सीधे हाथ पर हुआ। मैं विश्वास करता हूं कि उसने मुझे क्षमा कर दिया, क्योंकि मैं वास्तव में मैं जानता हूं कि मैने अपने जीवन में कभी चोरी नही की; परन्तु मैने उसके समय का दुरुपयोग किया है, मैने ऐसे चोरी की है। और मैने बहुत सी बातें की है जो मुझे नही करनी चाहिये। और मैं परमेश्वर के लिये आभारी हूं, इस प्रात: कि उसने मेरे पापों को क्षमा कर दिया है।

66 और अब, मैं पहला इतिहास की पुस्तक 17 वे अध्याय से पढना चाहता हूं, समर्पित सभा के लिये लगभग पांच मिनट बोलूँगा, प्रार्थना और फिर हम सन्देश में जा रहे है। अब पहला इतिहास का—का सत्रवा अध्याय।

जब दाऊद अपने भवन में रहने लगा, तब दाऊद ने नातान नबी से कहा, देख मैं तो देवदारु के बने हुये घर में रहता हूं परन्तु यहोवा की वाचा का सन्दूक तम्बू में रहता है।

नातान ने दाऊद से कहा, जो कुछ तेरे मन मे हो उसे कर, क्योंकि परमेश्वर तेरे संग है।

उसी रात परमेश्वर का वचन नातान के पास पहुंचा।

जाकर मेरे दास दाऊद... (बल्की) *जा कर मेरे दास दाऊद से कह। यहोवा यू कहता है! मेरे निवास के लिये तू घर बनवाने ना पायेगा।*

क्योंकि जिस दिन से मैं इस्त्राएलियों को मिस्त्र से ले आया, आज के दिन तक मैं कभी घर में नही रहा; परन्तुएक तम्बू से

दूसरे तम्बू को और एक निवास से दूसरे निवास को आया जाया करता हूं। जहां–जहां मैने सब इस्त्राएलियों के बीच आना–जाना किया।

क्या मैंने इस्त्राएल के न्यायियों में से जिनको मैने अपनी प्रजा की चरवाही करने को ठहराया था। किसी से ऐसी बात कभी नही कही कि तुम लोगों ने मेरे लिये देवदारु का घर क्यों नहीं बनवाया?

अत: अब तू मेरे दास... दाऊद से ऐसा कह कि सेनाओ का यहोवा यो कहता है, कि मैने तो मुझ को भेडशाला से और भेड–बकरियों के पीछे फिरने से इस मनसा से बुला लिया कि तू मेरी प्रजा इस्त्राएल का प्रधान हो जाये:

और जहां कहीं तू आया और गया, वहां मैं तेरे संग रहा और तेरे सब शत्रुओं को तेरे सामने से नष्ट किया है, अब मैं तेरे नाम को पृथ्वी के बडे लोगों के नामों के समान बडा कर दूंगा।

67 मैं इस जगह में यह कहना चाहूँगा, कि—कि दाऊद ने वही चीज देखी, जो हमने देखा। दाऊद ने कहा कि, "यह ठीक नहीं है कि तुम लोगों ने मेरे लिये देवदारो का घर बनाया और मेरे परमेश्वर का वाचा का सन्दूक अब भी तम्बू में है।" यह खाले थी जो मिला कर सिली गयी थी भेड और जानवरों की। उसने कहा, "यह ठीक नही है कि मेरे लिये अच्छा घर हो और मेरे परमेश्वर का वाचा का सन्दूक तम्बू में रहें।" इसलिये परमेश्वर ने उसके हृदय में डाला कि एक अराधनालय बनाये।

68 परन्तु दाऊद परमेश्वर का एक—एक प्रेमी—प्रेमी और पवित्रताई में मनुष्य होने के नाते, फिर भी उसने बहुत सारा लहू बहाया। इसलिये उसने कहा... दाऊद यह बात उस युग के भविष्यद्वक्ता की उपस्थिति में कह रहा है जो कि नातान था और नातान को यह मालूम था कि परमेश्वर को दाऊद से प्रेम है, उसने कहा, "दाऊद जो तेरे हृदय में है, वह कर क्योंकि परमेश्वर तेरे साथ है।" क्या ही वक्तव्य है! "वह सब कर जो हृदय में है, क्योंकि परमेश्वर तेरे साथ है।" और उसी रात... परमेश्वर के पवित्र प्रेम के प्रति दाऊद के समर्पण को दर्शाते हुये।

69 और फिर यह देखते हुये उसी रात्रि, जानते हुये कि वह गलती में था, उसे करने कि अनुमति नही दी गयी थी, परमेश्वर इतना अनुग्रहकारी था

कि नीचे उतर कर नातान से बोला। और मैंने हमेशा ही इन वचनों को पसन्द किया, "जा कर नातान कहो... जा जाकर मेरे दास दाऊद से कहो, कि, 'मैने तुझे भेडों के बाडे में से लिया।'" वह तो कुछ भी नही था।

70 एक मिनट के लिये मै—मै इसे यहां लागू करना चाहता हूं। "मैने तुझे लिया तू कुछ भी नही था, और मै—मै—मैने तुझे एक नाम दिया। इस पृथ्वी पर तेरा नाम एक महान पुरुष जैसा हो गया।" मै इस एक—एक गोपनियता में लागू करना चाहुंगा, फिर भी इस तरह से एक—एक लक्ष्य को बनाते हुये। मैं यह सोच रहा था कि...

71 एक कुछ वर्षो पहले, मैं वहां नगर में खडा था और किसी ने मेरी चिन्ता नहीं, कि किसी ने मुझ से प्रेम नही किया। और मैने लोगों से प्रेम किया, परन्तु किसी ने मुझसे प्रेम नहीं किया, मेरे परिवार की पृष्ठभूमी के कारण। मैं अपने मूल्यवान माता और पिता का अपमान नही कर रहा हूं।

72 मेरी कितनी इच्छा थी कि मां जीवित होती और इस सुबह इस पवित्र स्थान में चलती। बहुत से पुराने लोग, जिन्होने इसे बनाने कि सहायता में अपने पैसे लगाये, परमेश्वर करे, इस प्रात: वे उस जंगले से देखने पाये।

73 परन्तु ब्रन्हम परिवार का यहां आस–पास में अच्छा नाम नही रहा, पीने के कारण, किसी को मुझ से कोई मतलब नही था। और अधिक समय नही हुआ। मुझे याद है मैं अपनी पत्नी को बता रहा था, बस याद है, मुझे कोई बात करने को नही मिल सका। किसी ने मरी परवाह नही की। और अब तो मुझे थोडे से विश्राम के लिये छिपना पडता है।

74 और अब प्रभु ने हमें यह बडा स्थान दिया है और यह बडी चीजे, जो उसने की है। और उसने मुझे दिया... उस एक—एक बुरे नाम को छोड, उसने मुझे किसी महान मनुष्यों जैसा नाम दिया है। और जहां कही मैं गया उसने मेरे शत्रुओं को गिरा दिया। इसके समक्ष कभी–भी कोई खडा नही हो पाया, जहां कही से गया, परन्तु और मैं इसके लिये कितना आभारी हूं।

75 और मैं इसको कभी कैसे जान पाता; एक छोटे फटीचर बालक के समान, यहां पर, यजहां से दो या तीन ब्लॉक दूरी पर इन्ग्रामविले स्कूल में, जब मैं स्कूल में बहुत ही फटीचर होने की वजह से उपहास का पात्र था, और पुराने तालाब में फिसलता था? मैंने कैसे कभी जाना कि नीचे इस तालाब में कुमदनी के बीज पडे है, जो कि इस प्रकार से खिल सके? और कैसे मुझे कभी मालूम हुआ कि कोई मुझ से बात नही कर रहा है,

और फिर भी वह मुझे देगा एक—एक नाम को देगा, जो उसके लोगों के बीच सम्मान पायेगा?

76 और, अब, दाऊद को मन्दिर बनाने की अनुमति नहीं मिली। वह इसे नही कर सका।, परन्तु उसने कहा, "मैं तेरे वंश में से उठाऊंगा और वह मन्दिर को बनायेगा और वह मन्दिर सदा का मन्दिर होगा और तेरे पुत्र पर, दाऊद के पुत्र पर सदा काल का राज्य होगा; वह नियंत्रित करेगा।" सुलेमान, दाऊद का पुत्र स्वभाविक में उसकी शारीरिक सामर्थ से, उसने प्रभु के लिये मन्दिर बनाया।

77 परन्तु जब दाऊद का वास्तविक वंश आता है, दाऊद का पुत्र, उसने बताया कि ऐसा समय आयेगा, कि इसमें पत्थर पर पत्थर भी बाकी ना छुटेगा इस मन्दिर का। परन्तु उसने दूसरे मन्दिर की ओर इशारा करने का यत्न किया।

78 यहुन्ना, प्रकाशन वाला, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में, उसने इस मन्दिर को देखा प्रकाशितवाक्य 21, उसने देखा, "एक नया मन्दिर ऊपर स्वर्ग से नीचे उतर रहा है, जैसे दुल्हन अपने दूल्हे के लिये सजती है। और मन्दिर से आवाज आती है, कहा, 'देखो परमेश्वर का मन्दिर मनुष्यों के साथ है, और परमेश्वर उनके संग होगा, और उनकी आखों से सारे आंसू पोछ दिये जायेगें। फिर कोई भूख ना होगी ना ही और कोई दुख, ना ही कोई कष्ट या मृत्यु क्योंकि पहली बातें बीत गयी है।'"

79 तब दाऊद का सच्चा पुत्र जैसा कि हम आने वाले सप्ताह के पाठ में देखने जा रहे है। तब वह उसके मन्दिर में आयेगा, परमेश्वर के मन्दिर में वह वास्तविक मन्दिर जिसको बनाने के लिये अब वह गया हुआ है। क्योंकि उसने यहुन्ना 14 में कहा, "मेरे पिता के घर में बहुत से बडे भवन है, और मैं जाऊंगा... " उसका इस से क्या अर्थ था? यह पहले ही ठहराया हुआ है। "और मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने को जाता हूं, और वापस आऊंगा कि तुम्हे अपने साथ ले जाऊं।" और नि:सन्देह, हम जानते है, कि यह आने वाले महान युग में होगा और दाऊद का सच्चा वंश सिंहासन पर विराजेगा, जो कि यीशु मसीह है, और तब कलीसिया पर राज्य करेगा, उसकी दुल्हन के समान, उसके साथ घर में, और इस्राएल 12 गोत्रों के ऊपर उस सारी अनन्तता में।

80 और यह छोटे स्थान; जैसे कि दाऊद परमेश्वर को सच्चा मन्दिर नहीं बना सका, क्योंकि वह उसे बनाने के लिये तैयार नही था। वहां कुछ नहीं था कि वह कर सका। वह एक मरनहार था और लहू बहाया। ऐसा ही यह आज है, हमारे लिये, हम परमेश्वर का सच्चा भवन बनाने के लिये तैयार नहीं है। केवल एक ही जो यह कर सकता है, और इसका इस समय निर्माण हो रहा है।

81 परन्तु यह छोटे अराधनालय और इसके साथ वह मन्दिर जो सुलेमान ने उसके लिये बनाया, और इसके ये दूसरे ये आराधना के अस्थाई स्थान है, जब तक वह समय नही आता, जब वास्तविक मन्दिर इस पृथ्वी पर स्थापित किया जायेगा। "और धर्मी आकाश के एक छोर से दूसरे छोर तक राज्य करेगें। और फिर कोई और दुख नही होगा।" उस अराधनालय में किसी भी अन्तेष्टी का प्रचार नही होगा। और विवाह ना होंगे, क्योंकि एक ही महान विवाह उस अनन्तता के लिये होगा। वह क्या ही समय होगा!

82 परन्तु हम अपने हृदयों में आज यह उद्देश्य रखे कि उस आने वाले मन्दिर के लिये यादगार उत्सव और प्रतिक्षा करे, कि हम उसके आत्मा के द्वारा चरित्र में ऐसे चित्रित हो जाये, कि हम इस स्थान में ऐसे आराधना करे, जैसे कि हम उस दूसरे स्थान में, जिस स्थान की हम आने कि प्रतीक्षा कर रहे हैं।

83 अब, आईये हम अपने पैरो पर खडे हो जाये। और जैसा कि मैं पवित्र वचन पढता हूं।

फिर मैनें नये आकाश और नयी पृथ्वी को देखा, क्योंकि पहला आकाश और पहली पृथ्वी जाती रही थी और समुद्र भी न रहा।

... फिर मुझ युहन्ना ने पवित्र नगर येरुशलम को स्वर्ग से परमेश्वर के पास से उतरते देखा, वह उस दुल्हन के समान थी जो अपने पति के लिये सिंगार किये हो।

और फिर मैंने... सिंहासन में से किसी को ऊंचे शब्द से यह कहते हुये सुना, "देख परमेश्वर का डेरा मनुष्यों के बीच में है, वह उनके साथ डेरा करेगा, और वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर आप उनके साथ रहेगा और उनका परमेश्वर होगा।"

आईये अब हम अपने सिरों को झुकाये।

84 हमारे स्वर्गीय पिता हम आदर युक्त भय में खडे है। हम आदर और पवित्र श्रध्दा में खडे है। और हम आपसे प्रार्थना करते है, प्रभु, कि हमारे उपहार को आप स्वीकार करे कि आपने हमें अनुग्रह, पैसा दिया कि इस आराधना के स्थान को आपके लिये तैयार करे। हम पृथ्वी पर तैयार कर सके, जो—जो परमेश्वर के आत्मा के निवास के लिये योग्य होगा, परन्तु हम इसे एक प्रेम की निशानी और आपके प्रति भावना के रुप में आपको प्रस्तुत करते है, प्रभु। और हम सारी चीजों के लिये आपको धन्यवाद देते है, जो कि आपने हमारे लिये किया।

85 और अब, भवन और जमीन बहुत पहले ही सेवा के लिये समर्पित हो चुके है और हम आपको उन यादों के लिये जो रही धन्यवाद देते है। और अब, प्रभु परमेश्वर, जैसा कि वर्षो पहले दर्शन मिला, ये व्यक्त कर रहा था, कि मैने एक पुराना देखा, जिसमे लोग एक समय बैठे थे, और उन्होने मरम्मत कर दी और नया बना दिया, और मुझे फिर से नदी के उस पार भेज दिया गया था।

86 अब, प्रभु परमेश्वर, स्वर्ग और पृथ्वी के सृष्टीकर्ता, यहां हम तेरे झुण्ड के लोगों के सामान खडे है। हम तेरे राज्य के—के—के—के लोगों के समान खडे है। मै खुद और पास्टर और कलीसिया, लोग, हम इस भवन को सर्वसामर्थी परमेश्वर की सेवा के लिये समर्पित करते है, यीशु मसीह उसके पुत्र के नाम में होते हुये, परमेश्वर की सेवा के लिये और परमेश्वर आदर और सम्मान के लिये। और होने पाये सुसमाचार इस स्थान से ऐसा प्रवाह हो, जब तक कि संसार के चारों कोनों से यहां ना आ जाये, कि परमेश्वर की महिमा को यहां से निकलते हुये देखे। जैसा कि आपने बीते समय में किया, होने पाये भविष्य में कई गुना अधिक हो।

87 पिता, हम अब अपने आपको आपकी सेवा के लिये वचन में होते हुये समर्पित करते है, उस सब के साथ जो हम में है। प्रभु, भक्तमण्डली और लोग वे अपने आप को इस प्रात: वचन के सुनने के लिये समर्पित करते है। और हम अपने को सेवको के समान समर्पित करते है, "वचन के प्रचार के लिये समय; और असमयों; डांट–फटकार सारे संकट झेलने के साथ।" जैसा की यह कोने के पत्थर में लिखा हुआ है, तीस वर्षो पहले। आपने कहा, "ऐसा समय आयेगा, जब लोग खरा उपदेश ना सह सकेंगे, परन्तु अपने लिये ऐसे शिक्षक ढूंढ लेंगे, जिन्हे कानों की खुजली है और सच्चाई से कथा कहानियो की ओर फिर जाये।" प्रभु जैसा की हम वचन को, लोगो

के लिये थामे रहे, ऐसा यत्न कर रहे है, हम प्रेरणा से भर जाये अपने दुगनी प्रयास से बलवन्त हो जाये। प्रभु, जैसे एक आत्मा का दुगना भाग इस स्थान पर प्रहार आये, होने पाये पवित्र आत्मा...

88 जैसा की यह मन्दिर के समर्पण के दिन था, जब सुलेमान ने प्रार्थना की; पवित्र आत्मा, अग्नी के स्तम्भ और बादल के रुप में सामने के द्वार पर आया सारापो के चारों ओर घूमता हुआ, पवित्र स्थान में चला गया और उसने अपना विश्राम स्थान लिया। ओ परमेश्वर! सुलेमान ने कहा, "यदि तेरे लोग कही भी परेशानी में हो इस स्थान की ओर देख कर प्रार्थना करे, तो स्वर्ग से सुन लेना।"

89 प्रभु होने पाये इस सुबह हर ह्रदय के अन्दर, हर पवित्र किये प्राण जो यहां है, आये। और बाइबल यह कहती है, कि, "परमेश्वर की महिमा इतनी महान थी, यहां तक कि सेवक भी सेवा का काम ना कर सके, परमेश्वर की महिमा के कारण।" ओ प्रभु परमेश्वर, इसे फिर से होने दे, जैसा कि हम अपने आपको तुझे इस अराधनालय की समर्पण सेवा के लिये देते है। और यह लिखा है, "मांगो और तुम्हे दिया जायेगा।"

90 और हम अपने आपको इस अराधनालय की भेटों के साथ इस सुबह, आपको सेवा के लिये समर्पित करते है, अन्त दिन के उजियाले के लिये, सांझ के उजियालों के लिये; ताकि हम लोगों के लिये स्वांतना और विश्वास प्रतीक्षा करने वाले लोगों के लिये, जो दूल्हे के आगमन की प्रतीक्षा कर रहे है, मसीह के सुसमाचार से दुल्हन को तैयार करे, ताकि प्रभु यीशु ग्रहण करे। यह हम, मैं अपने को भाई नेविल और भक्तमण्डली को परमेश्वर की सेवा के लिये समर्पित करते है, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

आप बैठ सकते है।

91 दाऊद ने कहा, "मैं आनन्दित हुआ, जब लोगों ने मुझ से कहा, आओ हम प्रभु के भवन को चलें।" और होने पाये यह हमारे साथ सदा हो, जब इसका उल्लेख हो, हम प्रभु के भवन में जमा होने को आनंदित होंगे। [सभा"आमीन" कहती है—सम्पा।] आमीन।

92 अब इस छोटी सी समर्पण की सेवा के पश्चात्त, अब मेरे पास एक घंटा है।

93 और अब जरा याद रखे, कि हम किस के लिये समर्पित है; श्रध्दा, पवित्रताई, प्रभु के सन्मुख शांत, प्रभु के सामने आराधना करे। उतने ही

जितने श्रध्दा में बने रह सकते है है, प्रभु के भवन में। और अब जब सेवा विसर्जित होने के तुरन्त बाद, भवन से चले जाये। समझे? और तब यह द्वारपालों को समय मिलेगा, कि अन्दर आकर अगले समय के लिये इसकी सफाई करे और इसे तैयार कर दे और फिर यह प्रभु के भवन में कोई गडबड नहीं है। और... ? ... मै सोचता हूं, आप... सभा के विसर्जित होने के पश्चात लगभग पन्द्रह मिनट में स्थान साफ हो जायेगा, निश्चित रहे, मित्र भाव में बने रहें। हर एक से हाथ मिलाये, हर एक को वापस आने का निमन्त्रण दे।

94 और—और इस आने वाले सप्ताह में बहुत ही पवित्र सेवाये यहां हो, हम ऐसी आशा करते है, जो कभी इस अराधनालय हुयी हो। हम इसकी प्रतिक्षा कर रहे है। अब मैने—मैंने... अपने आप से कभी किसी चीज को आरम्भ नही किया... अब तक, पिछली रात्रि छोटी बड़ी, प्रार्थना में, मैने कुछ देखना आरम्भ किया। इसलिये, मैं विश्वास करता हूं, यह होगा, यह एक महान समय होगा, जो कि मैं विश्वास करता हूं, यदि प्रभु हमारी सहायता करेगा। अब, अब, जब मैंने कहा, "महान समय," अब, मैं इस सुबह किसी चीज पर बोलने जा रहा हूं। आप जानते है जिसे मनुष्य "महान," कहता है, कभी यह महान नही होता। परन्तु जिसे परमेश्वर "महान," कहता है, मनुष्य उसे मूर्ख कहता है; और जिसे परमेश्वर मूर्खता कहता है, उसे मनुष्य महान कहता है। इसलिये, इसे अपने ध्यान में रखे, हर वचन को तौले।

95 अब सभायें लम्बी है। वे थक जायेंगे, क्योंकि एक कठोर सभायें है, बहुत सारी शिक्षा, पवित्री करण। और मैं केवल...

96 वह स्थान जहां मैं ठहरा हुआ हूं लोग कोशिश करते है, मुझे हर चीज खिलाना चाहते है, परन्तु मैं... कहा, "भाई आपने अपने वजन को बहुत कम कर लिया है, भाई ब्रन्हम, और आदि।" परन्तु मैं निरन्तर सेवा में हूं। मुझे अगले रविवार रात्रि में जाना है, ताकि जल्दी से जा कर मेक्सिको में लू, इसलिये यह कठिन बात है। इसलिये, परन्तु मैं कोशिश कर रहा हूं, बहुत अधिक ना खाऊं, और—और अपने आप को तैयार करूं।

97 और इस प्रात: मैं भाई ज्यूनियर जैक्सन को देख कर आनन्दित हूं, और—और भाई रुडेल, और अलग–अलग सेवकों को आसपास। परमेश्वर आप सब को आशीष दे।

98 अब मैं—मैं इस प्रात: आप से एक विषय पर बात करना चाहता हूं, जो यहां मैंने कुछ टिप्पणियां लिखी हुयी है। और मैं पहले यशायाह के 53 वे अध्याय से पढना चाहता हूं। अब, जबकि आप निकाल रहे है, तो मैं एक या दो उद्घघोषणायें करना चाहता हूं।

99 कि, आज रात्रि, मैं *इस* पुस्तक पर बोलना चाहता हूं, जो कि अन्तिम कलीसिया काल को मोहर खुलने से जोडती है। अब, इसमें एक बडा खाली स्थान है।

100 और, इसके पहले जब मैंने कलीसिया कालो को समाप्त किया, मैंने तुरन्त बाद, दानिय्येल के सत्तर सप्ताहों पर बोला, क्योंकि यह इसमें बंधा हुआ है। और मैंने कहा, "अब यदि मैंने कभी सात मोहरे ली, तो मुझे इन दानिय्येल के सत्तर सप्ताहों को पूरा करना होगा, मोहरों के जोडने के क्रम में।" एक चीज को खुला छोडते हुये और वह सात मोहर की पुस्तक का पांचवा अध्याय था। और आज रात्रि हम उसे लेंगे।

101 हम आज रात्रि इसे जल्दी आरम्भ करना चाहते है। मेरे विषय में क्या है... आपने पहले ही इसका उल्लेख किया है, क्या आपने बताया, जल्द ही आरम्भ करेंगे? [भाई नेविल कहते है, "जी हां।"—सम्पा।] इस बारे में क्या है, क्या हर कोई यहां सात बजे आ सकेगा? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] ठीक है। तो हम अपनी नियमित सभा साढे छ: बजे आरम्भ करेगे, गानों की सभा और मैं यहां सात बजे होऊंगा। और फिर इस सारे सप्ताह हम जल्द ही आरम्भ करेंगे। और—और हम अब, हम आ जायेंगे...

102 कोई भी मसीहों की तरह गीत गाना पसन्द नही करता। हम गीत गाना पसन्द करते है। हम उन चीजों से प्रेम करते है।

103 परन्तु अब हम लोग किसी और चीज में है। हम—हम वचन में है, इसलिये, आईये हम ठीक इसी के साथ बने रहे। हम बढ रहे है। हम—हम शिक्षा में है। और आप अनुभव कर सकते है कि मुझ पर कितना तनाव है, देखिये, क्योंकि यदि मैं कुछ गलत सिखाता हूं, तो मुझे इसका उत्तर देना होगा। समझे? इसलिये कोई क्या कहता है, मुझे वह नही लेना है। मुझे चाहिये... मुझे प्रेरणा में होना चाहिये और मैं विश्वास करता हूं कि वे सात स्वर्गदूत, जिनके पास सात गर्जन है, इसे प्रदान करेगे। समझे?

104 और अब यशायाह में, यशायाह का 53 वां अध्याय पहला या दो पद। मैं यह प्रश्न पूछना चाहता हूं।

105 अब इसका सात मोहरों से बिल्कुल संबंध है नही। यह केवल एक सन्देश है। क्योंकि जानता था, मुझे सम्पर्ण करना ही है, और मैं इसमें नही जा सकूँगा क्योंकि मैं और इसमें नही जा सकूँगा, क्योंकि मेरे पास समय नही होगा। परन्तु मैने सोचा, बस एक छोटी सी समर्पण सभा क्र लिए, इस आराधनालय के लिये यादगार सभा के लिए, या छोटी सी समर्पण सभा, बल्कि, तब उनके—उनके पास... समय नही होगा, जो मैं बोलना चाहता हूं, देखिये, मैं इस पुस्तक को खोलते हुये, आज रात्रि मैं बोलूँगा। और अब यह छोटी सी सभा है, जो, मगर ये—ये ठीक इसमें इसके साथ जुड़ जाता है।

106 इसलिये अब हर वचन को सुने। इसे पकडे। और—और यदि आप इसे टेप कर रहे है या कुछ तो फिर आप टेप की शिक्षा के ही ऊपर बने रहे। कुछ भी नही कहे परन्तु वह जो टेप कहता है, ठीक वही, वही जो टेप कहता है। समझे? अब क्योंकि उन में से कुछ बातें, हम उस सारे भाग को समझने जा रहे है, इस विषय में, क्यों इसे गलत समझा गया। समझे? और आप निश्चित रहे, वही कहे जो टेप कहता है, और कुछ भी ना कहें। समझे? क्योंकि यह मैं अपना कुछ भी नही कहता हूं। यह वह है जो यह कहता है, आप समझे। और बहुत सी बार भ्रम में लोग उठते है और कहते है, "भाई, *अमूक–अमूक* ने कहा इसका *अमूक–अमूक* अर्थ है।" इसे उसी तरह ही छोड दे, जैसा यह है।

107 देखो, हम बाइबल को इसी प्रकार से चाहते है। ठीक जैसा बाइबल इसे कहती है हम इसी प्रकार से चाहते है, बिल्कुल वैसे ही। इसमें अपना अनुवाद ना डाले, यह पहले ही अनुवादित है, आप देखिये।

जो सुसमाचार हमें दिया गया, उसका किसने विश्वास किया?
और यहोवा का भुजबल किस पर प्रकट हुआ?

108 मुझे अब यह फिर से पढने दे, ध्यान से।

जो समाचार हमे दिया गया उसका किसने विश्वास किया?
(प्रश्न है!) *और यहोवा का भुजबल किस पर प्रकट हुआ?*

109 दुसरे शब्दों में, "यदि आपने हमारे समाचार का विश्वास किया, तब प्रभु का भुजबल प्रकट हुआ।" समझे?

किसने समाचार का विश्वास किया? और किस पर प्रभु का भुजबल प्रकट हुआ?

110 अब मैं संत मत्ती के सुसमाचार में से भी पढना चाहता हूं, संत मत्ती का 11 वा अध्याय। और अब आप लोग अपने कागज और चीजे लेते आये, क्योंकि अब लगातार... यदि आपके पास रिकार्डर नही है, आप—आप लेते आये... आप अपने कागज लेते आये ताकि हम ले सके। मत्ती का 11 वा अध्याय 25 वा और 26 वा पद, 11 वे का 26 और 27। ठीक है, यीशु प्रार्थना में बोल रहा है। मैं इसे थोडा पीछे से आरम्भ करना चाहता हूं । हम इसे 25 वे और 26 वे पद तक लेंगे। मैं विश्वास करता हूं, कि जहां मैंने घोषणा की, यद्यपि, मैंने यहां अपनी बाइबल में निशान लगा रखे है।

उसी समय यीशु ने कहा, हे पिता, स्वर्ग और पृथ्वी के प्रभु, मैं तेरा धन्यवाद करता हूं कि तू ने इन बातों को ज्ञानियों और समझदारों से छिपा रखा और बालकों पर प्रकट किया है।

हां, हे पिता: क्योंकि तुझे यही अच्छा लगा।

111 इन दो वचनों को पकडे। "किसने हमारे समाचार का विश्वास किया? और किस पर प्रभु का भुजबल प्रकट हुआ? " "फिर भी यीशु ने परमेश्वर को धन्यवाद किया क्योंकि उसने भेदों को ज्ञानियों और समझदारों से छिपा रखा है और बालको पर प्रकट करेगा, जैसा कि सीखेंगे, ऐसा करना परमेश्वर को अच्छा लगा।" अब, इस विषय वाक्य से या विषय से...

112 इस वचन को पढते हुये, मैं यह विषय को लेता हूं: *परमेश्वर स्वयं को साधारणता में छिपा रहा है, फिर उसी में स्वंय को प्रगट कर रहा है*। अब, टेप के लिये मैं इसे दोहराता रहूँगा, आप देखिये, टेपों के लिये, क्योंकि वे—वे इसे टेप कर रहे है। समझे? *परमेश्वर स्वयं को साधारणता में छिपा रहा है, फिर उसी में स्वयं को प्रकट कर रहा है*।

113 सोच कर यह विचित्र लगता है, कि कैसे परमेश्वर यह चीज करता है, कि परमेश्वर अपने आपको किसी साद चीज में छिपा लेगा, इसी कारण से ज्ञानी इसे लाखो मील से चूक जायेंगे; और फिर वापस उसी में पलटता है, सादगी में साधारण सी बात में अपने कार्य करने की विधी में और फिर से अपने आप को प्रकट करता है। मैंने सोचा यह एक—एक पाठ बनता है, कि इसमें जाने से पहले हम इसका अध्ययन करे, सात मोहरों की उस

महान शिक्षा में। जिस मार्ग के द्वारा वह स्वयं को प्रकट करता है, बहुत से चूक जायेंगे।

114 अब मनुष्यों के अपने विचार होते है, कि परमेश्वर को कैसा होना चाहिये और परमेश्वर क्या करने जा रहा है। और जैसा कि मैने अपना पुराना वक्तव्य दिया है, बहुत सी बार कि मनुष्य, मनुष्य ही बना रहता है। मनुष्य सदा परमेश्वर की महिमा करता है कि उसने क्या किया है और सदा सामने की ओर देखता है कि वह क्या करेगा, और जो वह कर रहा है, उस से अनजान रहता है। समझे? समझे? इस प्रकार से वे इससे चूक जाते है। वे मुड कर देखते है, और देखते है कि उसने कितनी महान चीजे की है, परन्तु देखने में असफल रहते है कि उसने करने के लिये कितनी साधरण चीज का प्रयोग किया है। समझे? और फिर सामने देखते है और महान चीज को आते देखते है, कि यह होने जा रहा है, दस में से एक बार यह उनके आसपास पहले ही हो रहा होता है। और यह इतना साधारण होता है कि वे नही जानते। समझे?

115 एक दिन एक—एक व्यक्ति यहां यूटिका में... और यदि उसके कुछ लोग यहां है, मैं यह किसी—किसी मनुष्य के सुधार को दर्शाने के लिये नही कह रहा हूं। वह तो युद्ध का अनुभवी है। और मै विश्वास करता हूं, कि वह था... मुझे नही मालूम कि वह किसी ओर था। परन्तु मैं विश्वास करता हूं वह एक विरोधी था। परन्तु वो—वो एक नास्तिक था और उसने दावा किया कि परमेश्वर जैसी कोई चीज नही है। वह यूटीका में रहा था। उसका नाम जिम डोरसे था। आप में से बहुत से लोग उसे जानते होगे।

116 जब मै छोटा था तो उसने मुझे एक तरबूज दिया था, वह नदी किनारे तरबूज उगाता था। वह मेरे पिता का एक अच्छा मित्र था। परन्तु एक दिन उससे एक बडी विशेष महान बात जो उसने कभी कही, तुलना में कही गयी। उन दिनों में, मै एक छोटा लडका था। परन्तु उसके विश्वास की तुलना में जिस कारण वह चला गया और सिर झुका कर और रोया। और इसके द्वारा मैं समझ गया, कि वह मनुष्य शानदार रीति से मसीह में मत परिर्वतन हो गया, लगभग 85 वर्ष की आयू में।

117 एक दिन उसने छोटी लडकी से पूछा, जो कि सण्डे स्कूल से आ रही थी, क्यों वह अपना समय ऐसी चीजो में नष्ट करती है? उसने कहा क्योंकि उसका विश्वास है की एक परमेश्वर है। और श्रीमान डोरसे ने कहा, "बालक तुम ऐसी चीज का विश्वास करके बहुत गलत हो।"

118 और कहा, कि वह छोटी लडकी नीचे झुकी, और जमीन पर से एक—एक छोटा सा फूल जमीन से—से तोडा। और उसकी पंखुडीयों से उसे खीचा और कहा, "श्रीमान डोरसे क्या आप मुझे बता सकते है कि यह कैसे जीता है? "

119 यह वहां था। जब उसने पीछे ढूंढना शुरू किया, वह बालक से कह सकता था, "भाई यह जमीन में उग रहा है।" और फिर प्रश्न घूम सकता था, कि "पृथ्वी कहाँ से आ गयी? वह बीज वहां कहाँ से आया? यह कैसे हुआ? " फिर और पीछे, और, और, और वापस चलता रहा, जब तक उसने देख नही लिया। समझे?

120 कोई चौकानेवाली बात नही, जो इस विषय में हम सोचते है, परन्तु यह वास्तव बहुत ही साधारण बात है, कि प्रगट। परमेश्वर को भाया कि अपने आप को प्रकट करे और फिर अपने आप को छिपाये रखे; फिर अपने को छिपा रखे, और अपने आप को सादगी में छोटी चीजों में प्रकट करे। यह—यह मनुष्य के सिर पर रखे।

क्योंकि, यदि आप कहेंगे, "न्यायी परमेश्वर ऐसा क्यो करेगा? "

121 क्योंकि मनुष्य आरम्भ में बनाया गया था, कि अपने आप को बदलने का यत्न ना करे। एक मनुष्य को पूरी रीति से परमेश्वर पर निर्भर रहने के लिये बनाया गया। यही कारण है कि हमे मेम्ने और भेड से जोडा गया। भेड अपनी अगुवाई स्वयं नही कर सकती; उसे अगुवा चाहिये ही। और पवित्र आत्मा को हमारी अगुवाई करनी है। इसलिये, मनुष्य को इसी प्रकार बनाया गया है।

122 और परमेश्वर ने अपने सारे काम सादगी में किये, कि सादगी में ही इसे समझा जा सके। और परमेश्वर ने अपने को साधारणता में बनाये रखा, सादगी के साथ ताकि साधारणता में समझा जाये। इसके अलावा मेरा विश्वास है, उसने यशायाह 35 में। कहा, "मूर्ख भी गलती नही करेगा।" यह इतना साधारण है!

123 और हम जानते है कि परमेश्वर इतना महान है, जहां तक कि हम किसी महान चीज की आशा करते है। और हम साधारण चीज पर चूक जाते है। हम सादगी पर ठोकर खाते है, और इसी प्रकार से हम सादगी पर ठोकर खाने के द्वारा परमेश्वर पर चूक जाते है। परमेश्वर इतना सादगी में है, इतना तक कि आज के दिन के और सब दिनों के ज्ञानी ना चूक

जाये, वह उसे लाखो मील से चूक जाते है। क्योंकि वे अपने ज्ञान में वे जानते है कि उस जैसा कुछ नही है इतना महान; परन्तु उसके प्रकाश में, वह इतना साधारण है कि उनके सिर के ऊपर से निकल जाता है और वे चूक जाते है।

124 अब, इसका अध्ययन करे। सब का अध्ययन करे और आप लोग जो यहां पर आये है जब आप अपने होटल के कमरे में जाये, तो इन बातों को ले कर, इस पर ध्यान करे। हमारे पास समय नही हैं कि इसका और व्याख्या करे जैसा कि इसकी व्याख्या करनी चाहिये, परन्तु मैं चाहता हूं जब आप मोटल या होटल में पहुंचे, या आप जहां कही भी रुके हुये है या घर में। एक साथ जमा होते हो और इस पर अध्ययन करे।

125 उस मार्ग से चूक जाते है जिसमे वह अपने को प्रकट कर रहा है; वह बहुत ही महान है, फिर भी, अपने आप को सादगी में छिपाता है कि स्वयं को छोटे से छोटे पर प्रकट करे। समझे? बडा होने का यत्न ना करे, क्योंकि यह ऊपर से निकल जाता है। परमेश्वर की साधारणता को सुने, और तब आप परमेश्वर को ठीक वही साधारण से मार्ग में पायेंगे।

126 बहुत ही दिखावा, संसारिक बुध्दिमान से, शिक्षित, हमेशा ही उसको चूक जाते है। अब, मैं यहां नही हूं... और मैं जानता हूं कि यहां पर दो या तीन विद्यालय के शिक्षक है, मै जानता हूं, वे यहां बैठे हुए है। और मैं यहां विद्यालय और शिक्षा के विरोध में नही हूं, और अशिक्षित होने का पक्ष नही ले रहा हूं। मैं इसके लिये यहां पर नही हूं। परन्तु यह क्या है, कि लोगों ने इसे इस प्रकार से रखा है, और इस पर निर्भर करते है कि जब तक कि वे धर्मविद्यालय आदि में नही जाते है, वे यहां तक कि उसमे चूक जाते है, जो परमेश्वर ने उनके सामने रखा है।

127 इसलिये मैं भाईयों के विरोध में नही हूं जो नामधारीयों में है, परन्तु मैं नामधारी की व्यवस्था के विरोध में हूं, क्योंकि यह स्वंय को बड़ा करती है, और—और—और सेवको को उस *अमूक-अमूक* स्थान में शिक्षित करते है, जब तक कि उनको सही रुप से शिक्षित ना कर दे और शिक्षा ना दे दे, वे बाहरी रहते है। और उन्हे मनोविज्ञान और इत्यादि की परिक्षा में से निकलना होता है। मैं ऐसा कभी नही सोचता हूं कि यह परमेश्वर की इच्छा है कि सेवक की मनोविज्ञान परख की, परन्तु उसे वचन से परखना चाहिये। समझे? उसे परखने का परमेश्वर का मार्ग यही—यही—यही होगा कि उसके जन को भेजा जाये, कि वचन को ले।

128 "वचन प्रचार करो!" आज हम धारणा प्रचार करते है, हम मतसार और संम्प्रदायकता का प्रचार करते है और बहुत सारी चीजों को और वचन को छोड देते है, क्योंकि वे कहते है यह समझा नही जा सकता। इसे समझा जा सकता है। उसने यह करने की प्रतिज्ञा की है। अब उस से यह मांग रहे है कि वो इसे करे।

129 अब हम यहां कुछ चरित्र लेने जा रहे है, कुछ मिनटो के लिये।

130 अब नूह के दिनों पर ध्यान करे, नूह के दिन, परमेश्वर ने संसारिकता की बुध्दि को देखा, इतनी बड़ी रुकावट और सम्मानित हो गयी, उसने एक साधारण सन्देश साधारण व्यक्ति के द्वारा भेजा और उन्हे अपनी महानता दर्शायी।

131 अब हम जानते है कि नूह के—के—के दिन में, उन्होने दावा किया कि सभ्यता इतनी सामर्थी थी, कि जिस स्थान पर हम अपनी इस आधुनिक सभ्यता में अब तक नही पहुंचे है। और मैं विश्वास करता हूं कि अन्त में यह पहुंच जायेगी, क्योंकि हमारे प्रभु ने कहा है, कि, "जैसा यह नूह के दिनों में हुआ था ऐसा ही यह मनुष्य के पुत्र के आने में होगा।" उसने कुछ उदाहरण दिये है।

132 और उन्होने पिरामिड और सिफिन्कस वहां मिस्त्र में बनाये और उन्होने बडी विशाल चीजे बनाई, ऐसा कुछ बनाने के लिए आज हम में सामर्थ नही है। उनके पास शव संलेपन था, जिससे कि शरीर का संलेपन किया जा सकता था, जिससे कि वह इतना स्वभाविक दिखता रहे, जो आज तक टिका हुआ है। हम नही सकते। आज हम मम्मी नही बना सकते है। हमारे पास वो चीजे नही है कि इसे बनाये। उनके पास रंग थे जो—जो इतने पक्के है कि चार पांच हजार वर्ष पहले के है, यह अब भी वैसे बने हुये वही रंग है, जो थे। समझे? हमारे पास आज ऐसा कुछ नही है।

133 और सभ्यता की बहुत सी महान चीजे उनकी श्रेष्ठता को हमारी आधूनिक सभ्यता के ऊपर बोलती है। और इसलिये आप कल्पना कर सकते है कि कैसे शिक्षा और विज्ञान इस प्रकार के महान चिन्ह है, जो हमारे पास बचे है कि वहां एक ऐसी सभ्यता थी, वह क्या ही महान सभ्यता होनी चाहिये, वो स्मृति चिन्ह, कैसे वह विज्ञान और—और आधुनिक सभ्यता और शिक्षा लोगो के पास होनी चाहिये थी—थी, "उन्हें होना ही

है, उनके पास होनी थी।" मेरा अनुमान है कि वहां कठनाई से कोई उनके बीच मेरा अनुमान है, कोई अज्ञानता नही रही होगी।

134 और इसलिये परमेश्वर उस दिन की महान व्यवस्था में होते हुये ढूंढ रहा था, उनकी व्यवस्था में सम्भवत: नही ढूंढ सका कि सही प्रकार के मनुष्य को ढूंढे, कि जब तक वह किसी अशिक्षित को ढूंढ सम्भवत: वो किसान, जिसका नाम नूह, जो एक भेड चराने वाला था। और उसने उसे लोगों के लिये एक सन्देश दिया, जो कि इतना साधारण था, उस दिन कि उनकी—उनकी छात्रवृत्तियां, जब तक कि लोगो ने सन्देश की सादगी से ठोकर ना खाई। और फिर भी सन्देश विज्ञान के सामने, "मूल विषय था! आकाश से वर्षा कैसे हो सकती है, जबकी वहां पर कोई वर्षा नही है?" और नाव बनाने का—का साधारण सन्देश ने कुछ ऐसा निर्माण किया कि जिसमें प्रवेश कर जाये, उसे तैराने के लिये कोई पानी नही है। क्यों, वह धर्मान्ध बन गया और वह हो गया। और वो एक—एक—एक—एक... हम उसे क्या कहेंगे, यदि आप आज के इस भाव को क्षमा करे तो एक "विचित्र प्राणी।"

135 और लगभग परमेश्वर के सारे लोग, "विचित्र प्राणी" होते है। देखिये वे हैं, मुझे ख़ुशी है कि मैं उन में से एक हूं। इसलिये आप जानते है, वे लोग इस आधुनिक सभ्यता के चलन से मित्र होते है, इसलिये वे विचित्र अनोखे हो जाते है। उसने कहा, उसके लोग, "एक अजीब लोग, विचित्र अनोखे थे; परन्तु एक आत्मिक याजकपद, एक राजकिय राष्ट्र परमेश्वर को आत्मिक भेट चढा रहे है, उनके होठो के फल है, उसके नाम को महिमा दे रहे है।" क्या—क्या ही लोग है! उसने उन्हें लिया।

136 और ध्यान दे, अब उन दिनों में यह क्या ही महान बात रही होगी, क्योंकि कोई हठधर्मी कलीसिया में आगे आता है; एक हठधर्मी और लगता है, लीक से हटकर सुसमाचार को प्रचार कर रहा है, कि जिस प्रकार से वे विश्वास करते है। और वैज्ञानिक लोग, "क्यों, यह बस एक पागल है।" वे कैसे इस बात को सिध्द कर सकते थे कि वहां कोई वर्षा नहीं है!

137 परन्तु इस साधारण से चरवाहे ने इसका विश्वास किया, "यदि परमेश्वर ने कहा कि वर्षा होगी, तो यह वर्षा होगी।" समझे?

138 और इसलिये आज से इसकी तुलना करे, कोई चंगा हुआ। उसके विषय में, वे कहते है कि, "यह तो केवल भावना है, मैं वैज्ञानिक रुप से

आपको सिध्द कर सकता हूं, कि कैन्सर या चीज या—या—या चीज अब भी वही पर है।" परन्तु साधारण विश्वासी के लिये वह चला गया। समझे? क्योंकि वह वस्तु की ओर नही देख रहा है, वह प्रतिज्ञा की ओर देख रहा है।

139 बिल्कुल वैसा हो जैसा नूह ने किया, इसलिये क्या आप नही देखते, "जैसे ये नूह के दिनों में था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने पर होगा? "

140 वैज्ञानिक रुप से, कोई भी... डॉक्टर कह सकता है, "इधर देखिये आपकी गांठ अब भी वहीं है, आपका कैन्सर वही पर है, आपका हाथ वैसे ही अपाहिज है, जैसा ये पहले था। आप पागल है।"

141 और याद रखे, नूह के दिनों से यह वही आत्मा है, जिसने कहा, "वहां कोई वर्षा नही है। हम उपकरण से चाँद पर मार सकते है और वहां कोई वर्षा नहीं है।" परन्तु यदि परमेश्वर ने कहा कि वहां पर वर्षा होगी, वहां!

142 "क्योंकि विश्वास आशा की हुई वस्तू का अनदेखी चीजो का प्रमाण है।" और विश्वास परमेश्वर के वचन पर टिकने का स्थान है। यही जहां उसके विश्राम स्थान को पाता है। आप समझे? [सभा "आमीन"कहती है—सम्पा।] इसका विश्राम स्थल परमेश्वर का वचन है।

143 यही है जहां नूह ने इसे टिकाया, "परमेश्वर ने ऐसा कहा है।" यह तय हो गया है। अब यदि आप फिर ध्यान दे, तब, अब, नूह इस हठ धार्मिकता विश्वास करता था।

144 और आज के लोग जो पवित्र आत्मा के बपतिस्मे का विश्वास करते है। अब कलीसिया कहती है, "ये लोग हठ धर्मी है, अब कलीसियायें कहती है, ये लोग कुछ नही बल्कि ये लोग उत्तेजित भावुक हडबडाहट से भरे लोगों का झुण्ड है।" परन्तु यह बहुत थोडा जानते है, कि परमेश्वर का वचन यह सिखाता है। यह एक प्रतिज्ञा है।

145 और नूह को इस से कोई मतलब नही कि उन्होने क्या कुछ कहा, "बूढे मनुष्य का दिमाग ठीक नही है; यह वैज्ञानिक रीति से गलत है और—और दिमागी रुप से वह गलत था।" परन्तु नूह के लिये, यह प्रभु का वचन था और नूह इसी के साथ टिका रहा। और बुध्दिमान और समझदारों ने इसी साधारणता में ठोकर खाई और अपने जीवन को खो दिया। अब ये क्या ही झिडकी है, इस पीढी के लिये!

146 बहुत से लोग कहते है, "यदि मैं उस समय में वहां पर होता!" नही, अब भी उसी मनोस्थिति में होते। क्योंकि आज वही चीज फिर से उत्पन्न हो रही है, केवल दूसरे रुप में, वे आज इस पर ठोकर खाते है, जैसे उन्होने तब खाई।

147 कोई सन्देह नही उन दिनों में उनके पास बहुत सारे प्रचारक थे, परन्तु नूह परमेश्वर से प्रेरणा प्राप्त था। और नूह देख सकता था और देखा कि क्या घटित होने के लिये तय था और जानता था, व्यभिचारी और दुष्ट पीढी जो इस प्रकार की है, परमेश्वर इसे स्थिर नही रहने देगा। इसलिये हम आज क्या सकते है, आज परन्तु उसी चीज को देखते हैं! एक आधुनिक सदोम और अमोरा, देखिये, दुष्ट, व्यभिचारी लोग अपनी छात्रवृत्ती में शानदार है, वे परमेश्वर के प्रकटीकरण के साधारणता में, उसके जीवन और उसके वचन पर ठोकर खा गये है, वह अपने वचन को दिखा रहा है।

148 संसार में कोई एक व्यक्ति नही है, रोसेला कि... या और—और यह कह सके कि—कि हम अपने साथ परमेश्वर के उसी वचन को प्रकट होते हुये नहीं देखते है। अन्त के दिनों की वही प्रतिज्ञा, वही सांझ का उजियाला, जो चमकने थे, इसे देखते हुये हम सौभाग्यशाली लोग है। और जहां की ऊँचा शानदार संसार, यह उन से छिपा हुआ है। यीशु ने परमेश्वर से कहा, पिता, उसने कहा, "तुझे यह अच्छा लगा कि उन से छिपाये रखे, ऐसे ही, पिता ने अपने छिपा दिया है।" उन्हे अपनी बुध्दि के साथ ही रहने दो...

149 आप देखिये, यह बुध्दि ही थी, जिसने पाप की गन्दगी में गेंद को लुढकाना आरम्भ किया; आरंभ में क्योंकि जब शैतान हवा से मिला, हवा बुध्दि की खोज में थी, और शैतान ने उसे यह दिया। और बुध्दि वचन के विरोध में है, और हम बुध्दि नही मांगते। हम विश्वास को मांगते है, जिसके लिये हमें पहले से ही कहा गया है। इसलिये, समझे? परन्तु, आज, ज्ञानियों ने इसे इस प्रकार से चमका कर रखा है और वहां पर रख रखा है, इसमें अपना अनुवाद डाल रखा है। उन्होंने सदा वही किया, वे आज ऐसा ही करते है; यह उसी नाप में है। अब ये लोग, परन्तु...

150 या, फिर लोग इसमें चूक गये, जैसा कि ये आज इसमें चूकते है। और यह करते है, वही चीज। वे उन्हीं चींजो को करते है। क्योंकि, वे... यही कारण है कि वे चूक गये, क्योंकि इस पर विश्वास करने के लिये वे बहुत बुध्दिमान थे। समझे? अब सन्देश बहुत ही साधारण था कि बुध्दिमान

विश्वास करने के लिये अधिक बुध्दिमान थे कि इस साधारण सन्देश का विश्वास करे। ओह! परमेश्वर ने इसे सच्चाई में साधारण बनाया, तेज और बुध्दिमान इसे देखने में चूक गये, क्योंकि यह बहुत ही साधारण था। भई, इसी ने परमेश्वर की महानता को महान बनाया, क्योंकि महान होने के नाते, वह स्वयं को सादगी में बना सकता था।

151 आज मनुष्य, ये दिखा रहे है कि वे परमेश्वर के नही है, वे महान है और अधिक महान होने का यत्न कर रहे है, स्वयं को महान दिखाते है और, "बडे बिशप, डॉक्टर, पवित्र पोप," हर चीज अपने को कुछ बनाते है जो कि वे वास्तव में नही है। और परमेश्वर महान होने के नाते अपने आप को नीचा कर के साधारणता में आ गया, सादगी महानता है।

152 हम जेट विमान बना सकते है, हम राकेट दाग सकते है... कि... या मिसाईल को एक—एक—एक कक्षा में डाल सकते है। और हम ये सारी चीजे कर सकते है, फिर भी हम घास की एक पत्ती नही बना सकते है। ओह। आमीन। इस विषय में क्या है? परन्तु बजाये इसके कि वापस आने का यत्न करे और देखते कि घास को किसने बनाया, और उस परमेश्वर को स्वीकार करते जिसने घास बनाई, हम मिसाईल बनाने का यत्न कर रहे है, वहां फिर से जायेगी भी जल्दी पहुंच जायेगी जो इसे बना सकता है। समझे?

153 हम इतने तेज और बुध्दिमान है, हमारी कलीसियाओं में जब तक की हम करोडो डालर की इमारत बना सकते है, या दस करोड डॉलर की इमारत को, परन्तु, फिर भी मैथोडिस्ट से अच्छी इमारत बनाने की कोशिश करते है, या बैपटिस्ट, प्रेसपिटेरियन से अच्छी बनाने की और पेंटीकोस्टल दौड में शामिल है। परन्तु बात यह है; हम, अब भी इतने तेज और अपने मार्ग पर इतने सधे हुये कि हम अपने आपको नम्र नही बना लेते कि परमेश्वर का अनुभव करे जो कि एक ओर अपने उद्देश्य पर है। समझे? यह ठीक बात है। यहीं हम सादगी से ठोकर खाते है। उन्होंने सब यही किया है।

154 अब वे, वे थे, इस साधारण से सन्देश का विश्वास करने के लिये बहुत ही बुध्दिमान थे। ये उनकी वैज्ञानिक खोज के लिये उतना चमकाता हुआ नही था, जो उनके पास था। यह नही था, ये प्रतिभाशाली नही था, सन्देश उनकी शिक्षा योजना के लिये प्रयाप्त नही था, जो उनके पास उस दिन में था। समझे? उन्होने यह जानने के लिये अध्ययन किया कि परमेश्वर था,

या उन्होंने यह जानने के लिये अध्ययन किया कि वह बहुत महान था, और उन्होने अपने आपको उसके साथ महान होने का यत्न किया। जब कि ऊपर का मार्ग सदा नीचे को होता है।

155 अब कौन जानता है उत्तरी ध्रुव उत्तर है या दक्षिणी ध्रुव उत्तर है या; उतरी ध्रुव दक्षिण है, दक्षिण ध्रुव उत्तर है? कौन सा ऊपर है कौन सा नीचे को है? हम तो अन्तरिक्ष में लटके है। हम कहते है कि "उत्तरी ध्रुव ऊपर है।" आप कैसे जानते है? दक्षिणी ध्रुव उत्तरी हो सकता है। देखिये, आप नही जानते। इसलिये, याद रखे और यह वचन...

156 कहा, "तो फिर आप कैसे कहोगे, भाई ब्रन्हम कि 'ऊपर नीचे है'? "

157 यीशु मसीह के वचन के आधार पर! उसने कहा, "वह जो स्वयं को नम्र करता है ऊंचा उठाया जायेगा, परन्तु वह जो स्वयं को ऊंचा करता है नीचा किया जायेगा, नीचे लाया जायेगा।" इसलिये, तब सही में ऊपर नीचे है, और नीचे ऊपर है।

158 जैसा कि पुराने संत ने शिकागो में कहा कि... एक मनुष्य, एक सेवक, किसी निश्चित नामधारी से, पेंटीकोस्टलो के सामने खड़ा हुआ। वह पूरी तरह से सारी चींजे साथ थी। वह उठ खड़ा हुआ और ऐसे–ऐसे शब्दों का प्रयोग किया, जिसके विषय में पेंटीकोस्टल को मालूम नही था और वह वहां उठ खडा हुआ और देखा कि यह पेंटीकोस्टलो के साथ ठीक नही चल रहा था। और वह सीना तान कर बाहर चला गया, और वह एक "पवित्र डॉक्टर *अमुक–अमुक,*" आप जानते है कि *विशेष–विशेष* बडे विद्यालय से, वहां शिकागो में। और उसने चारों तरफ देखा और वे पेंटीकोस्टल एक दूसरे को देख रहे थे। वे यह भी नही जान पाये कि किस विषय में बात हो रही है; वह इतना पढा लिखा, इतना तेज प्रतिभाशाली था। उन्हे नही मालूम था।

159 यह कुछ किसी एक सिनेटर के समान था, या एक व्यक्ति जो हाल ही में राष्ट्रपति का चुनाव लड़ के हार हो। टक कूटस ने मुझे बताया, जब मैं मामा फोर्ड की अन्तेष्टी पर प्रचार कर रहा था और पुनरुत्थान के विषय में बता रहा था, पुनरुत्थान की गारन्टी, "ठीक वैसे ही निश्चित जैसे सूर्य उदय होता है, वैसे ही मैं उठुंगा ठीक जैसे की घास बर्फ पडने पर मर जाती है, और पत्तियां पेड से गिर जाती है और यह फिर वापस आती है।

जब पृथ्वी अपने आप को कक्ष में ठीक कर लेती है, इसे फिर से उठना आना है।"

160 टक ने कहा, "बिली, मैं सन्देश की सराहना करता हूं।" भाई नेविल और मैं एक साथ कार में बैठे थे। और मैने कहा, "टक... " उसने कहा, "मैं आपके सन्देश की सराहना करता हूं।"

मैने कहा, "टक मेरे पास कोई शिक्षा नही है, " मैने कहा।

उसने कहा, "इस बारे में ये अच्छी बात है।" समझे?

161 और अब, उसने कहा, वह देखने को गया... भई, मेरा अनुमान है वह मनुष्य मुझे क्षमा कर देगा, मेरा यह अर्थ नहीं है... अदलई स्टेव्हनसन, आप जानते है। और उसने कहा, उसने उसे पन्द्रह मिनट सुना। और मिस्टर स्टेव्हनसन एक ऐसा प्रतिभाशाली व्यक्ता है, आप जानते है, होना ही है, जब तक टक ने नही कह दिया... मै समझता हूं उसके पास कालेज की शिक्षा है। उसने कहा वह वहां बैठा था और सो गया था। और उसने कहा पन्द्रह मिनट सुनते हुये वह सो गया था। परन्तु कहा, "उसकी कॉलेज की शिक्षा के साथ मैं नही समझ पाया सिवाये थोडे से शब्दों के जो उसने कहे; वे इतने अधिक परिष्कृत थे।" उसने कहा, "आपने मुझे आपकी सेवाओं में कभी सोते हुये नही देखा होगा, भाई ब्रन्हम क्या आपने देखा? "

162 इसलिये, देखिये, यह इसकी सादगी है, बस साधारण है, यही है जहां परमेश्वर ने रखा है।

163 अब वे—वे बहुत ही तेज थे, उस दिन के कार्य करने के साधारण मार्ग के अर्थ को समझने में। यह उनके लिये चमकाया हुआ नही था। इसे तो चमकाता हुआ होना चाहिये था। इसे बहुत क्रोम चढ़ा हुआ होना था, या वे इसमे चूक जाते है। अब, परन्तु वह महान यहोवा अपने वचन में छिपा हुआ था और उसने अपने को उन लोगो पर प्रकट किया, जिन्होने उसके वचन का विश्वास किया, उन्हे बचाने के द्वारा। और उस साधारण सन्देश के घटित होने के द्वारा, नूह का साधारण सन्देश, परमेश्वर ने इसे घटित किया। अब इस पर ध्यान दे।

164 और फिर मूसा के दिन में, दूसरी बार के छुटकारे पर ध्यान दे।

165 जब परमेश्वर अपने लोगों को छुड़ाने के लिये कुछ करने को होता है, परमेश्वर लोगों के पास सन्देश भेजता है। यह इतना साधारणता में होता है, जैसा कि हम इसे इन मोहरों के तोडने में समझेंगे। इसे मेरा पहले

लाने का यही उदेश्य है। जैसा हम पाते है कि मोहरों का तोडना बहुत साधारण है कि वो—वो—वो बुध्दिमान इसे लाखों मील से चूक जाता है। समझे? मै आशा करता हूं कि परमेश्वर इसके लिये मेरा अभिषेक करता है। समझे? समझे? यह बस ऊपर से निकल जाता है। और यही कारण है कि मैने सोचा यह सन्देश इस प्रात: सही रहेगा कि परमेश्वर की सादगी पर इसकी नीव को रखू, देखिये, कैसे परमेश्वर अपने आप को सादगी में छिपा लेता है।

166 जरा सोचे, वे परमाणु को तोड सकते है और सब कुछ कर सकते है; जब यह जीवन के छूने की बात आती है, वे यह भी नही बता सकते है कि यह कहां से आ रहा है। घास की एक साधारण सी पत्ती और परमेश्वर उसमें छिपा है। वे चांद पर रोकेट दाग सकते है, और—और उस पर राडर (यन्त्र) से दृष्टी कर सकते है या और जो भी है और फिर भी घास की पत्ती में जीवन की व्याख्या नही कर सकते है। यह इतना साधारण है, वे इसे अनदेखा कर देते है।

167 अब मूसा पर ध्यान दे, उस दिन जब परमेश्वर अपने वचन के अनुसार इस्त्राईल के बालकों को छुडाने वाला था। वहाँ उसने क्या किया, उसने साधारण से परिवार को चुना। हमारे पास उनका कोई लेखा जोखा नही है। देखिये, बस "एक लेवी पुत्र" बस यही जानते है। समझे? और इसलिये हम... और उसकी पत्नी। केवल एक साधारण से, शायद एक गारा बनाने वाले, जैसा कि संसार सोचेगा, वहां शत्रुओ के लिये ईटे बना रहे है। वे इस्त्राईल में एक साधारण से गुलाम थे, परन्तु परमेश्वर ने उस परिवार को चुना, उससे छुडाने वाले को लाये; जो एक साधारण यहूदी परिवार। उसने कभी भी जा कर राजसी या प्रसिध्दी या कुछ और या किसी याजक को भी ले। उसने आम साधारण परिवार लिया। समझे? सादगी! ध्यान दे, तब उसने क्या किया, उसने एक बालक को जन्म दिया, एक साधारण मनुष्य। उसने कभी नही...

168 वह कर सकता था, वह सूरज को ठहरा सकता था, यदि वह उन्हे छुडाना चाहता था। वह उन्हे छुडाने के लिये वायू को ठहरा सकता था। वह एक स्वर्गदूत को ठहरा सकता था कि उन्हे छुडा ले। ओह, हाल्लेलुयाह! परमेश्वर जो भी चाहे वह वह कर सकता है।

"अच्छा, भाई ब्रन्हम आप कैसे जानते है? "

169 परमेश्वर अपनी योजना को नही छोडेगा। यही कारण है कि हम यह जानते है, इस दिन में उसे साधारणता में होना है। समझे? अब वह सदा साधारणता में कार्य करता है। परन्तु परमेश्वर ने आरम्भ में, वह सूर्य को ऐसा बना सकता था कि सुसमाचार प्रचार करे या हवा सुसमाचार प्रचार करे या स्वर्गदूत सुसमाचार प्रचार करे, परन्तु उसने इस उदेश्य के लिये मनुष्यों को ही ठहराया और उसने यह कभी नही बदला है। उसने कभी अभिषिक्त नही किया... उसने नामधारी संस्थाओं को कभी नही ठहराया। उसने मनुष्यों के झुण्डों को नही ठहराया, उसने मनुष्यों को सुसमाचार प्रचार के लिये ठहराया; ना कि मशीन, तकनीकी तंत्रों को या किसी स्वर्गदूत को। यह मनुष्य ही था!

170 और जब वह छुटकारे को उन लोगों के लिये लाया उसने साधारण सा मनुष्य भेजा, साधारण परिवार में जन्मा गुलामों के झुण्ड में। ओह, प्रभु! वह क्या ही परमेश्वर है, जो अपने आपको साधारणता में प्रगट करता है!

171 अब ध्यान दे। और उसने उसे संसारिक बुध्दि में प्रशिक्षित किया था ताकि वह असफल हो सके और दिखाये कि यह वह बुध्दि नही है, जिसके द्वारा हमने कभी छुटकारा पाया है। यह विश्वास के द्वारा हमारा छुटकारा हुआ है। उसने उसे जाने दिया और इस प्रकार की शिक्षा ले, जब तक कि वह मिस्त्रियों को बुध्दि ना सिखा सके; वह बहुत ही तेज था। परमेश्वर उस साधारण परिवार के साथ था, जो कि सम्भवत: हो सकता है, अपना नाम ना लिख पाते हो। और मूसा को उच्च शिक्षा के लिये ले लिया गया था, ऐसी महान शिक्षा के साथ, यहां तक कि वह शिक्षको को बुध्दि सिखा सकता था। वह प्रतिभाशाली को सिखा सकता था। जी हां, और परमेश्वर ने उसे उस प्रकार होने दिया ताकि वह अपने आप को साधारणता में दर्शा सके, ये दिखाने के लिये कि बुध्दि का इस से कोई लेना देना नही है। और मूसा अपनी प्रतिभा में असफल हो गया। उसने अपने उदेश्य के लिये उसे उस प्रकार होने दिया, ताकि वह असफल हो जाये। और वह असफल हो गया, और वह गिर पडा।

172 ताकि दिखाये, "ना तो बल के द्वारा, ना शक्ति के द्वारा," बल्की ना ही मिस्त्र की बुध्दि के द्वारा ना ही हमारे विद्यालय की बुध्दि के द्वारा, ना ही हमारे धर्मविज्ञान के बल के द्वारा, ना ही हमारे संस्था के झुण्ड के द्वारा, ना ही हमारी विद्वान वाली शिक्षा के बल के द्वारा, "परन्तु मेरे आत्मा के द्वारा, परमेश्वर ने कहा।" उसकी बुध्दि समाप्त हो गयी थी और अन्त में

जब वह परमेश्वर से जलती झाडी पर मिला। उसने अपने जूते उतार दिये और मानवता में स्वयं को नम्र कर लिया और अपनी सारी बुध्दिमानी को भूल गया।

173 परमेश्वर छुटकारा ला रहा था, उसे बुध्दिमानी में शिक्षित होने दिया की वह असफल हो जाये, यह दर्शाने के लिये कि आप अपनी समझ का सहारा नही ले सकते है या किसी और की समझ। उसे गिरने दिया, जिस से वह अपनी सामर्थ दिखाये। क्या आप यह देख सकते है? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] ऐसा करने में परमेश्वर का उदेश्य था, जिससे वो अपने आप को नम्रता में प्रकट करे और उसने मूसा को सबसे ऊंचा होने दिया, जब तक की वह—वह फिरौन से अगले स्थान पर ना आ गया। वह ताकतवर सेना नायक था। इतिहास के अनुसार, मूसा ने स्वयं ही आसपास के देशो को जीता और जब वह अपनी सारी योग्यता के साथ प्रभु के कार्य के लिये मुडा, परमेश्वर ने उसे सिर के बल गिरने दिया, ताकि वह उसे बाहर रेगिस्तान में ले जा सके, और उसमें से सब कुछ बाहर निकाल दे; और फिर उस पर विनम्रता के साथ प्रकट हुआ, और उसे हाथ में लाठी लिये हुये, लोगों को छुडाने के लिये भेजा।

174 जब, वह इसे सेना के प्रशिक्षिण के साथ नही कर सका था, शिक्षा के द्वारा, वैज्ञानिक शिक्षा के द्वारा। और सेना की सामर्थ के द्वारा, वह इसे नही कर सका। और उसने उसे रेगिस्तान में पुरानी मुड़ी हुई लाठी दी और उसने उसके साथ यह किया। परमेश्वर विनम्रता में, सादगी में! परमेश्वर उस लाठी में और मूसा में था, और जब तक लाठी मूसा के हाथ में थी, तो यह परमेश्वर के पास थी क्योंकि परमेश्वर मूसा में था। निश्चय ही।

175 ध्यान दे, "ना तो बल से, ना ही शक्ति के द्वारा, परन्तु मेरे आत्मा के द्वारा—द्वारा।" परन्तु साधारण विश्वास के द्वारा!

176 मूसा को यह समझ थी कि वह एक छुडानेवाला था, उसकी मां की शिक्षा से। और उसने अपने आप को सेना की शक्ति में प्रशिक्षित किया था कि ऐसा करे परन्तु वह असफल हो गया। समझे? उसे यह समझ थी कि उसके पास शिक्षा थी, परन्तु उससे काम नही चला, इसलिये उसे यह सब भूलना पडा और साधारण सी बात पर आना पडा कि परमेश्वर को उसके वचन पर ले और तब उसने लोगों को छुडाया। जी हां, श्रीमान।

177 परमेश्वर उसके वचन पर (क्या?) विश्वास के द्वारा छुडाता है। सदा ही ऐसा रहा है, यदि हमारे पास समय होता था तो इस पर हम दृष्टी डालते। हमारे पास अब भी कुछ बीस मिनट है। हम...

178 हम कैन और हाबिल पर एक—एक दृष्टी डाल सकते है, कि—कि कैन ने परमेश्वर को कैसे कुछ सुन्दरता के द्वारा प्रसन्न करने का यत्न किया।

179 दूसरी विधी से लोग सोचते है, "भक्त मण्डली अच्छे सुन्दर कपडों के साथ सभा के लोग, एक पादरी के द्वारा—द्वारा, साथ—साथ में... सेवक लोग वस्त्र पहने हुए, गायन मण्डली वस्त्र पहने और वो—वो सब जो पहने हुए है, यह इससे परमेश्वर को प्रसन्न करते है।" क्या आप देख सकते है कि यह कहां से आता है? कैन ने ऐसे ही कोशिश की थी। और उसने उसके लिये वेदी बनायी, कोई सन्देह नही उसने इसे सुन्दर बनाया।

180 उसने इसे सुन्दर बनाया और मनुष्य निष्कपट था। उसने आराधना की। उसने सोचा, "जब तक मैं ईमानदार हूं, इससे कोई अन्तर नही पडता।" इससे अन्तर पडता है। आप ईमानदारी के साथ गलत हो सकते है।

181 ध्यान दे, उसने वेदी बनायी और वह, और जैसे फूल रखे और इसे तैयार किया और सुन्दर फल रखे और सोचा, "निश्चय ही एक महान, पवित्र, शुद्ध, सुन्दर परमेश्वर इस बलिदान को स्वीकार करेगा।" परन्तु देखिये, उसने यह अपनी बुध्दी से किया था। उसने इसे अपने विचार से किया।

182 और ऐसा ही आज है। वह... वह... वे इसे अपनी बुध्दि के द्वारा करते है उनकी शिक्षा के द्वारा, उनकी शिक्षा और नैतिकता जो उन्होने सिखी है।

183 "परन्तु हाबील ने प्रकाशन के द्वारा, विश्वास के द्वारा, परमेश्वर को और उत्तम बलिदान को चढाया।" देखने में सफाई के बारे में कुछ नही, मनुष्य की भाषा में। वह छोटा सा, उसे गर्दन से पकडा अंगूर के बेल से बांधा *इस* प्रकार से और खींचता हुआ वेदी के पास ले गया। वहां इसमें कोई भी सुन्दरता नही थी। उसे वेदी पर लिटाया और एक—एक तेज पत्थर से उसका गला काट दिया, जब तक कि लहू की धार उस पर ना आ पडी और वह चिल्ला और मर रहा था। भयानक दृश्य, इसे देखना। यद्यपि यह साधारण था।

184 सादगी में उसे मालूम था कि वह अपनी माता और पिता के लहू से जन्मा है, अपनी मां के लहू में जन्मा, अपने पिता के लहू के द्वारा; और

यह लहू था जिससे गिरावट आयी। इसलिये ये लहू ही इसे वापस लायेगा, "इसलिये उसने परमेश्वर को अति उत्तम बलिदान चढाया, क्योंकि यह उस पर प्रकट किया गया था।"

185 और आज कुछ भाई लोग, वे जो सोचते कि उन्होने सेब और आडू खाया! और उस दिन मैंने अखबार में बहुत ही अतिवादी चीज को देखा। उन्होने कहा, "अब उन्होने सिध्द कर दिया कि हवा ने जो खाया वह सेब नही था।" जो मैं—मैं सोचता हूं वे दावा करते है, "यह खुबानी थी।" इसलिये देखिये कि आत्मा कहां से आ रही है!

186 और उन्होने कहा, कि, "मूसा ने वास्तव में लाल सागर पार नही किया। यह तो वहां पर पटेरों, समुंद्री पटेरे। और वह इस्त्राईली बालकों को समुद्री पटेरों के बीच से लेकर आया, समुद्र के किनारे की तरफ से, वहां पटेरों का बड़ा झुण्ड था। मूसा ने समुद्र पार किया, परन्तु वह पटेर्रों का समुन्द्र था, जो उसने पार किया; आप जानते है, एक लम्बी घास रेशम सी कोई चीज, जिसमे हो कर वह पार हुआ।" कितना हास्यपद है!

187 जब की बाइबल ने कहा, "जल," "दाये–बाये खुल गया, और परमेश्वर ने तेज पूर्वी वायू चलायी ताकि अलग करे।" समझे? समझे?

188 वे लोग इसे अपनी तरह से दिखाने की कोशिश कर रहे है। और उस मार्ग में वे हमेशा असफल रहे, और वे लगातार असफल रहेगें। आप इन सारी चीजों को जानते है!

189 और कैन आज शारीरिक बुध्दि का प्रतिक है, जो कि बाहरी रुप से धार्मिक है, वह दिखावे के लिये कुछ करना चाहता है, परन्तु वह एक... वह अराधनालय जाता है, और—और वह बहुत सारी चीजे करता है, भवन बनाने के लिये।

केवल एक ही कलीसिया है, और आप उसके सदस्य नही बनते।

190 ये सारी सराये है। समझे? आप मैथोडिस्ट सराय के सदस्य है, बैपटिस्ट सराय, प्रेसपिटेरियन सराय, पेन्टीकोस्टल सराय।

परन्तु आप कलीसिया में जन्मे है। जी हां, श्रीमान। समझे?

191 ये सारी सराये हैं। ये कलीसियाये नही है। ये सराये हैं और ऐसी कोई चीज नही है, जैसे मैथोडिस्ट, "कलीसिया," या पेन्टीकोस्टल "कलीसिया।" नही, ऐसी कोई चीज नही है। नही, यह सब गलत है। समझे? वे... यह ठीक बात है। ये, वे सराये है, जिनके लोग सदस्य है।

192 परन्तु आपने जीवते परमेश्वर की कलीसिया में जन्म लिया है, और यह यीशु मसीह की रहस्यमय देह बनाई जा रही है।

193 अब, परन्तु परमेश्वर को अच्छा लगा की वह अपने भेद को हाबिल पर, उस साधारण विश्वास के द्वारा बहाये हुये लहू से प्रकट करे। ओह, मेरी इच्छा थी कि मेरे पास समय होता कि इस पर थोडी देर रुक सकता। देखा?

194 फिर भी कैन अपनी सारी बुध्दि के साथ तेज मनुष्य था! "ओह" आप कहते है, "अब भाई ब्रन्हम, आपने कहा वह... आप उसे शिक्षित प्रतिभावान बनाने का यत्न कर रहे है?" वह था। वह तेज था... उसका पीछा करे, उसके खिंचाव को देखे। उसके बालको को देखे। उन में से प्रत्येक वैज्ञानिक था, और डॉक्टर और योग्य मनुष्य, हर कोई।

195 परन्तु आप सेत के वंश का पीछा करे, वे नम्र थे, गवार, और किसान और काश्तकार इत्यादि, और वहां विनाश तक।

196 परन्तु कैन के बालक तेज थे, बुध्दिमानों का झुण्ड। यहां तक की उन्होने दावा किया वे तांबा निकाल कर और धातू बना सकते है; और बनाने वाले। और वे बुध्दिमान मनुष्य थे।

197 जब—जब यह दूसरे मनुष्य तम्बुओं में रहते थे और अपनी भेडे चराते थे, और परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर निर्भर रहते थे। समझे? समझे? यह क्या था, अब जरा वंशावलियो को देखे और देखे कि यह सही है या नही। समझे? उन्होने परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर भरोसा किया।

198 यही जैसे नूह चुना गया, इस प्रकार के लोगों में से, वैसे ही जैसे पौलूस उसके झुण्ड में से लिया गया था। समझे? ऐसे ही जॉन वैसली, मार्टीन लूथर और जो है। यही जैसे आप जो आज है, देखिये, वही चीज, नम्र परमेश्वर की साधारण प्रतिज्ञा का विश्वास किया।

199 अब, ध्यान दे, परमेश्वर को—को यह पसन्द आया कि प्रमाणित करे। अब, परमेश्वर सदा इस बात को प्रमाणित करेगा कि यह सत्य है कि नही। समझे? अब बहुत से लोग अपने में व्यवहार करने का यत्न करते है, कुछ ऐसी बातों में कि जिस से परमेश्वर लाखों मील दूर है। यह ठीक बात है। परन्तु जब आप परमेश्वर को देखते है कि वह पलट कर आता और कहता है... इसे रोको, कहता है, "*यह* ठीक है, *ये* ठीक है, *ये* ठीक है," तब आप जानते है कि यही सत्य है।

200 अब जब बलिदान वेदी पर है, परमेश्वर ने उसकी के बुध्दिमानी की परमेश्वर वाली अवधारणा को अस्वीकार कर दिया। परन्तु जब उसने विश्वास के द्वारा हाबील को देखा, साधारण से विश्वास के द्वारा, उसने यह विश्वास किया कि यह सेब या खेत का कोई फल नही था, परन्तु यह लहू था; विश्वास के द्वारा उसने यह विश्वास किया, परमेश्वर की ओर से प्रकाशन के द्वारा। उसके बलिदान को स्वीकार करने के द्वारा, परमेश्वर एक सत्य सिद्ध आदम हुआ। समझे?

201 यही जहां हम बीमारों के लिये प्रार्थना करने की सोचते हैं। कुछ भी यीशु ने कहा, "यदि तुम मुझ में हो और मेरा वचन तुम में, जो चाहो मुझ से मांगो और यह तुम्हारे लिये हो जायेगा।"

202 अब जैसा की हम सामप्ती की ओर आ रहे है, तेजी के साथ हमारे पास बीस मिनट और है।

203 ध्यान दे, ऐलिय्याह के दिन, परमेश्वर ने अपने आप को छिपाने के लिये साधारण से व्यक्ति को चुना। अब इस पर सोचे। परमेश्वर ने चुना। यह उसका चुनाव था, याद रखे उनके पास रब्बी, याजक थे। उन दिनों में उनके पास महान लोग थे। यहां तक कि राजा आहाब अपने में एक यहूदी था। वह राष्ट्र में उस दिन में एक महान व्यक्ति था। परन्तु परमेश्वर ने स्वयं को साधारण मनुष्य में छिपाया; ना कि एक ज्ञानी; ना ही संसार के किसी लोकप्रिय मनुष्य में, किसी महान योग्य सैनिक में नही या जो कुछ है, नही किसी बडे नाम में नही। हम यह तक नही जानते कि उसके पिता और माता कौन थे। हम उसकी वंशावली के विषय में कुछ नही जानते। बस कही एक साधारण सा किसान, कही पर जो कि एक भविष्यद्वक्ता होने के उदेश्य से बडा हुआ। परमेश्वर ने उसे अपने लिये जंगल में जीवित रखा। हम केवल यह जानते है, वह पैर खचेड़ता हुआ कही नही गया, वह सीधा गया और सारे पादरियों की व्यवस्था को दोषी ठहराया। ओह, प्रभु!

204 और आप जानते है उन्होने उसके विषय में क्या सोचा? "यह कौन से विद्यालय से आया है? ये किस नामधारी के साथ है, क्या यह फरीसी, सदूकी के साथ है," या जो उनके पास था? यह इन में से किसी के साथ नही है, परन्तु यह सारे मामले को दोषी ठहराता है। समझे? परमेश्वर ने यह करने के लिये चुना है।

205 परन्तु, एक साधारण सा मनुष्य, बिना शिक्षा के। हमारे पास ऐसा कोई स्थान नही है, जहां यह कभी विद्यालय गया हो। उसके विषय में हमारे पास कुछ नही है, बस एक साधारण सा व्यक्ति। परमेश्वर, वहां उस साधारण मनुष्य में छिपने के लिये आनंदित था, वहां पीछे उस साधारण मनुष्य में छिपा रहा है। क्या आप ये समझ सकते है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।]

206 परमेश्वर संसार के "अशिक्षित, अनपढ़," में छिपा है। क्योंकि आप यह जानते, उन्होंने—उन्होंने उस पर हर चीज के दोष लगाये, यहां तक की एल्रिया को "जादूगर।" सारे भविष्यद्वक्ताओं पर ये दोष लगाये गये, देखा।

207 इसलिये यीशु पर एक दोष को लगाया गया था, आप देखिये; "बालजबूल, सनकी होने के नाते।" कहा, "क्यों तुम पागल हो। हां, हम जानते है, तुझ में शैतान है। तेरा—तेरा दिमाग ठिकाने पर नही है।" समझे?

208 यही है जो उसने उन्हे बताया, "जब ये अन्त के दिन आयेगे कि वे... वे निन्दा करेगे, ऐसा करते है।" उसने उन्हे क्षमा कर दिया, परन्तु अन्त के दिनों में क्षमा नही किया जायेगा, इसका भुगतान करना पडेगा, उस अनंत अलगाव के साथ, "कभी भी क्षमा ना होगी, इस संसार में और आने वाले संसार में।"

209 परन्तु ऐलिय्याह को पागल मनुष्य समझा गया। क्या आप वहां खडे हुये कल्पना कर सकते है... स्त्रियों ने आज की आधुनिक दिनों के समान बाल काट रखे है, मेरा अनुमान है, वे ईजाबेल के समान रंगी हुयी है, वो राष्ट्र की पहली महिला। और—और प्रचारक संसारिक हो गये है, और सब कुछ। और तब क्या हुआ? तब यहां बूढ़े ऐलिय्याह ने आकर सब को दोषी ठहराया, सब को इजाबेल से लेकर नीचे तक।

210 "क्यों," सोचा, "हमे तेरी नही सुननी है! हमारे पास पास्टर है।"

211 निश्चय ही, उन्हे नही सुनना, परन्तु जो भी है, वह उनका पास्टर था। वह ईजाबेल का पास्टर था। वह यह पसन्द नही करती थी। वह भिन्न प्रकार की थी। परन्तु, वह परमेश्वर का–भेजा हुआ था। समझे? वह उसके लिये परमेश्वर का भेजा हुआ पास्टर था। उसने उस से घृणा की, परन्तु फिर भी वही पास्टर था। ध्यान दे।

212 और ऐलिय्याह ने अपने को नम्र किया और जो परमेश्वर ने कहा, उसी के साथ बना रहा, इस प्रकार कि इसने परमेश्वर को प्रसन्न किया कि ऐलिय्याह की आत्मा को ले, और उसे तीन बार आगे बढाने की प्रतिज्ञा दी, उस आने वाले समय। समझे? आमीन। और निश्चय ही उसने किया। आमीन। निश्चय ही, उसने किया। निश्चय ही। उसने प्रतिज्ञा की, कि वह आयेगा। और यह एलीशा के ऊपर आया, उसके बाद वाले में, फिर यहुन्ना बपतिस्मा देने वाले पर; और, मलाकी 4 के अनुसार, इसे इस अन्त के दिन में यहां फिर से होना चाहिये। समझे?

213 परमेश्वर ने उस आत्मा से प्रेम किया जो कि उस साधारण जंगल में रहने वाले अशिक्षित पर, जो वहां पीछे कही जंगल में था। और, इसलिये वह अशिक्षित जंगली उसके वचन के लिये इतना आज्ञाकारी था कि वह यह कह सका, "ऐलिय्याह *यह* कर," और ऐलिय्याह उसे करेगा। और परमेश्वर ने इस साधारणता में स्वयं को वहां छिपाया!

214 उन सब ने उसे बताया कि, "इस बूढे सनकी का उस से कुछ लेना देना नही है," और इत्यादि।

215 परन्तु एक दिन जब वह—वह बूढा हो गया और उसका सिर गंजा हो गया और उसकी सफेद दाढी नीचे लटक रही थी, और कुछ थोडे से बाल उसके कधों पर लटके हुये थे; छोटे बूढे झुर्रीदार हाथ और इस उन से मांस लटक कर झूल रहा था। चलता हुआ उस सामरिया की सडक पर और वे आंखे आकाश की ओर देख रही थी, एक टेडी छड़ी उसके हाथ में, देखने के लिये, उसमें कुछ अधिक नही था, परन्तु उस दिन के लिये "यहोवा यों कहता है" उसके पास था। वह ना ही तुतलाया। वह हकलाया नही। उसने यह नही कहा, "अब*महान* आहाब।" वह गया और बोला, "स्वर्ग से ओस तक नही गिरेगी, जब तक मैं ना कहूं।" हल्लिलुय्याह! समझे? परमेश्वर ने उसकी सादगी का सम्मान किया।

216 अब, आप देखिये जब यह साधारण तरीके से था, और हर कोई—हर कोई उसके विरोध में था, हर कोई उसकी जान को अटका हुआ था। सारे पुरोहितों की सभा, हर चीज उसके पीछे लगे थे, यह सच बात है, उससे पीछा छुडाने की कोशिश में थे, और इत्यादि। परन्तु उस सादगी में, यद्यपि उनका उसके साथ उसके अभियान में कोई सहयोग नही था और जो भी उसके पास था। हर किसी ने सोचा कि वह एक सनकी था, परमेश्वर स्वयं उसमें छिपा हुआ था।

217 परन्तु जब उस बीज के पकने का समय आया, जो लगाया गया था, परमेश्वर ने स्वयं को स्वर्ग से आग भेजने के द्वारा प्रकट किया और बलिदान को भस्म कर दिया। परमेश्वर साधारणता में छिपा हुआ है, और फिर अपने आप को प्रकट कर रहा है। समझे? निश्चय ही। इसे करने में परमेश्वर प्रसन्न है। उसने सदा इसी प्रकार से किया है। जी हां, श्रीमान। अब, हम पाते है कि उसने इन बातों की प्रतिज्ञा की है।

218 आज हम बहुत से लोगों के साथ यह परेशानी है, हम इस प्रकार चाहते है, आप जानते है, ऐसा धर्मविज्ञान और नामधारी वाला सीमित विचार, कि परमेश्वर हमे प्रयोग नही कर सकता है। परमेश्वर मनुष्य को एक शुरुवात दे सकता है ताकि कुछ करे और उसे एक सेवकाई को देता है; पहली बात आप जानते है, लोग जो कहते है, वह उनका पक्ष लेगा, और पहली बात आप जानते है, वह बहुत सारे लोगों के झुण्ड में घिर जायेगा। और फिर परमेश्वर उस से अपना समर्थन हटा लेगा, और उसे छोड देता है। समझे? समझे?

219 और तब वह दूसरा मनुष्य ढूंढने का यत्न करेगा, कोई जो इसे करेगा। समझे? वह तो कुछ ऐसा ढूंढेगा, जो उसके वचन को लेगा, दिव्य प्रकाशन को लेगा और उस से हटेगा नही, वह ठीक वचन के साथ टिका रहेगा। वह—यह इसे इसी प्रकार से करता है। उसने हमेशा इसी प्रकार किया है।

220 इसलिये जब मनुष्य बहुत ही शिक्षित और तेज हो जाता है कि वह अपना ही अनुवाद डालने का यत्न करता है। भाई, जैसा कि वे कहते है, "पवित्र आत्मा का बपतिस्मा," वे कहेंगे, "ओह, ये तो किसी और दिन के लिये था।" परन्तु, यदि वे नहीं करते, "अच्छा, यह और दिन के लिये नही था, परन्तु मैं आपको बताऊंगा, यह ठीक वैसे नही आता है, जैसा पेंटीकोस्ट के दिन में हुआ। जब हम विश्वास करते है, हम पवित्र आत्मा पाते है।" और—और इस प्रकार की और भी बातें, आपने देखा। और यीशु मसीह के बपतिस्मे के विषय में बात करते है, वे... जहाँ पर बाइबल इसी प्रकार से सिखाती है; आप कहते है, "परन्तु धर्म विद्यालय तो ये कहते है! और आप कहते है, *अमुक–अमुक* तो यह कहता है!" यह तो समझौता है। समझे? परमेश्वर इस प्रकार के व्यक्ति का प्रयोग नही करता। समझे?

221 वह उस मनुष्य को सारे देश में इस प्रकार से मारा फिरने दे सकता है, और व्यक्ति को निकाल दिया जाता है, और उसकी हंसी और उपहास उडाया जाता है, और इस प्रकार से सारी चीजे। परन्तु जब वास्तविक

परिक्षा का समय आता है, तब परमेश्वर खडे हो कर और स्वयं को उसी साधारणता में प्रमाणित करता है।

222 फूल के समान सीधे हो जाओ। बीज ऐसा लगता है, यह वो खत्म हो चुका, यह मरता और भूमी में गिर जाता है। छोटे से बीज को खोदों और यह सडा हुआ है और गंदा जैसा लगता है। परन्तु उसमे से जीवन उत्पन्न होता है, फिर से दूसरा फूल।

223 परमेश्वर सादगी में है। वो वही चीज करता है। ऊपर का मार्ग हमेशा नीचे से जाता है, अपने आप को नम्र बनाये, कभी ना कहे, "भाई मेरे पास *यह* है और *वह* है।" आपके पास कुछ नही है। केवल—केवल यह याद रखे, यदि आपके पास परमेश्वर का अनुग्रह है, तो इसके लिये बस धन्यवाद करे, और इसके लिये नम्र बने रहे। देखिये, अपने को नम्र बनाते जाये।

224 अब मै जल्दी करने जा रहा हूं, क्योंकि घडी... मैं आपको अधिक समय तक रोके नही रहना चाहता, क्योंकि मैं आपको थकाना नहीं चाहता। इस सप्ताह में हमारे पास लम्बा समय है।

225 अब, और अब हम यह पाते है, कि लोग तेज हो गये है और शिक्षित है।

226 अब मैं आपको दूसरा दिखाता हूं। वो—वो दूसरे उस ओर बहुत दूर चला जाता है, वे बहुत ही कट्टरपंथी उत्साहित हो जाते है, और धर्मी बनने का यत्न करते चले है। अब हम जानते है कि हमारे पास वो झुण्ड है। समझे? वे दूसरी ओर चले जाते है।

227 यही, जहां पर मैं उन भाईयों के झुण्ड से सहमत नही हूं, जो अधिक समय नही हुआ ज्योति के मार्ग से अलग हो गये। वे उस तथ्य को होते हुये नही देख सके, जब तक उन्होने अपने को एक झुण्ड नही बना लिया, इसलिये वे कॅनडा में इकठ्ठा हुये और—और लोगों का एक झुण्ड बना लिया, और वे करने लगे थे, और प्रेरित और भविष्यद्वक्ता अपने में से ही लगे और इत्यादि। और वे इसी में गिर गये। समझे? और यह सदा ही रहेगा। समझे? वे करते... वे अनुभव करते है क्योंकि वे करते... कि वे नहीं... इसलिये वे दूसरी बातों को दोषी ठहराते है, और बहुत सी चीजे जब तक वे दूसरी ओर चले गये। समझे?

228 एक और है कि वे बहुत ही समझदार, ठंडे और स्वस्थ है, वे हर चीज का इन्कार करते है। और दूसरे दूसरी ओर है, अतिवादी भावुक लोगो के झुण्ड और वचन का इन्कार करते है।

229 परन्तु वास्तविक सच्ची कलीसिया मार्ग के बीच में स्थिर रहती है। अब यदि आप ध्यान दे, ये—ये—ये बाइबल का ज्ञान है कि परमेश्वर ने क्या कहा है, और यह प्रयाप्त अत्मिकता है, जो ह्रदय को सरगर्म रखने के लिये है और बस यही मार्ग है। यशायाह ने कहा, यह इसी प्रकार से होगा, उसने कहा, "वहां एक राजमार्ग होगा... "

230 और नाजरीन कलीसिया के धन्य, पवित्र अनमोल मित्र, एक सामर्थी छोटा सा अभियान, जिसे परमेश्वर ने आरम्भ किया, परन्तु उन्हे क्या मिला? जब परमेश्वर ने कलीसिया में अन्य भाषा में बोलना आरम्भ किया, वे इतने धार्मिक थे, और इतने घमण्डी कि उन्होने इसे, "शैतान" कहा। और देखिये कि उनका क्या हुआ? देखा? देखा? वे, वे, "तुझ से भी अधिक पवित्र।" और—और इसलिये हम पाते है। देखा? कि वे सारी चीजें बीज में जाती है और ठीक वहां मर जाता है। देखा? और—और उस दूसरी ओर।

231 अब और धर्मान्ध हो जाते है। दूसरी ओर ठंडे और घमण्डी हो जाते है।

अब यशायाह ने कहा, "वहां एक राजमार्ग होगा... "

232 और नाजरीन और बहुत से पुराने होलीनेस वाले लोग कहा करते थे, "धन्य पुराना राजमार्ग! परमेश्वर की महिमा हो! हम पुराने राजमार्ग पर चलते है!" परन्तु, आप याद रखे, यह ठीक वह नही है, जो उसने कहा है।

233 उसने कहा, "वहां एक राजमार्ग होगा और," *और*, एक समुच्चय बांधक है, "और एक मार्ग है।" और यह पवित्रताई का राजमार्ग नही कहलायेगा, परन्तु, "पवित्रताई का मार्ग।"

234 अब एक पवित्रताई का राजमार्ग, लोग अपने आप को पवित्र बनाने का यत्न करते है। और जब आप यह करते है, ये ऐसे ही है, जैसा मैने पहले कहा था, यह इस तरह से... यह इस प्रकार से होगा, जैसे एक शिकरा अपने में पंडुकी के पंख लगाये कि वह पंडुकी हो जाये, जब की उसका स्वभाव अब भी शिकरे का ही है। समझे? वह, ये... यह एक कौवे के समान होगा, जो कबुतर के पंख लगाने का यत्न करे या एक मोर के और कह रहा है, "आप देखो, मैं एक सुन्दर पक्षी हूं।" देखिये, यह कुछ बनावटी है।

235 परन्तु एक मोर को चिन्ता करने की आवश्यकता नही है कि उसको मोर के पंख आ रहे या नही। पंडुकी को चिन्ता करने की अवश्यकता नही

कि उसके पंख उगने वाले हैं या नही। जब तक कि उसका स्वभाव पंडुकी का है, उसको पडुकी के ही पंख उगेगे।

236 और, देखिये होलीनेस वाले कहने लगते है, "स्त्रियों को लम्बे बाल रखने चाहिये और लम्बी आस्तीने और—और ये सारी चीजे और लम्बे स्कर्ट और कोई शादी की अंगूठी नही पहननी चाहिये या किसी प्रकार के गहने।" देखिये यह स्वधर्मी पवित्रताई हो जाती है। समझे? समझे? यह—यह—यह बनाई हुयी पवित्रताई है। परन्तु जीवित परमेश्वर की वास्तविक कलीसिया... और देखिये उन नामधारीयों में क्या घटित हुआ। अब उन सब ने पेंटीकोस्टलो के समान बाल कटा लिये है और—और इत्यादि। और वे लगभग सारे के सारे अंगुठिया आदि पहनने लगे, वर्षो पहले के पेंटीकोस्टलो को देखे, वे कैसे इस पर शोर मचाते थे, देखिये, और "हम कलीसिया है! हम ही कलीसिया है!"

237 कलीसिया मसीह की देह है। यह एक व्यक्तिगत है, दूसरे व्यक्तिगतों के बीच में, जो कि परमेश्वर के राज्य में जन्मा है। जो की अन्दर से बाहर की ओर आया। यह अपने आप ही जीवित हुआ।

238 आपको भेड से ऊन उगाने के लिये नही कहना पडता है... या ऊन बनाने के लिये। भेड को ऊन बनाना नही पडता। वह कहता है, "मेरा स्वामी चाहता है कि मैं इस वर्ष ऊन उगाऊं, मुझे व्यक्त करना पडेगा।" नही, उसको केवल यह करना होता है कि वह भेड बनी रहे। यह ठीक बात है। ऊन अपने ढंग से होगा... यह होगा, यह होगा वह इसे धारण करेगा क्योंकि...

239 और हम से फल बनाने को नहीं कहा जाता है। हमें फल उगाने ही चाहिये, देखिये, फल को उगाना है। समझे? हमे फल उगाने चाहिये। और जब तक परमेश्वर के फल के पेड है, परमेश्वर के वचन के साथ है, परमेश्वर का वचन स्वयं ही इसे प्रमाणित करेगा। जब तक वचन वहां पर है, यह फल उत्पन्न करेगा। यीशु ने कहा, "यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरे वचन तुम में, जो चाहो मांगो और यह हो जायेगा।" समझे? आप इसे बनाते नही है, आप इसके लिये कार्य नही करते। यह तो वास्तव में वहां पर है, और यह आगे बढता है।

240 अब आईये हम चले, अब जल्दी कर रहा हूं, कुछ ही मिनट बचे है और फिर हम बंद कर देगे।

241 अब, अब दूसरे कट्टरपंथी होने के लिए चले जाते है। अब वे दूसरी ओर चले जाते है। और वे सोचते है, केवल इसलिये क्योंकि वे ऊपर–नीचे कूदते है, या किसी प्रकार कि अनुभूति या भावुकता अन्य भाषा में बोलना या—या—या भविष्यवाणी करना, जो सही घटित हो या कुछ इस प्रकार का, वे सोचते है कि यही है, जो उनके पास है। परन्तु यह नही है।

242 यीशु ने कहा, "उस दिन बहुतेरे लोग मेरे पास आकर और कहेंगे, 'प्रभु क्या मैने तेरे नाम से भविष्यवाणी नही की? तेरे नाम से बहुत से कार्य किये और प्रेत आत्मायें निकाली?'" उसने कहा, "चले जाओ, मै तुम्हे जानता भी नही।" समझे? यह वो नही है। मित्र, यह वो नही है।

243 यही कारण है... और, क्या अन्यभाषायें प्रमाण है? मैं अन्यभाषा के बोलने में विश्वास करता हूं, परन्तु मैं इसे पवित्र आत्मा का मात्र प्रमाण नही मानता, नही श्रीमान। आत्मा का फल प्रमाण है। समझे? जी हां। अब आप देखिये, यही कारण है कि मैं पेंटीकोस्टल भाईयों के चाल से सहमत नही हूं, इस मामले में वे कहते है, "यदि एक मनुष्य अन्यभाषा में बोलता है, उसके पास पवित्र आत्मा है।" मैं असहमत हूं। यह कोई चिन्ह नही है कि उसके पास पवित्र आत्मा है। समझे?

244 मैने प्रेत आत्माओं को भाषाओं में बोलते सुना है, जितनी तेजी से वे सकते है, मनुष्य की खोपडी से लहू पीते और शैतान को बुलाते है।

245 मैने देखा है कि इंडियनस लोग सापों को लेकर अपने चारों ओर लपटते है, वहां एरीजोना में वर्षा वाले नृत्य में; अपने हाथों को *इस* प्रकार से पकडे रहते है और गोलाई में भागते है। जादू वाला डॉक्टर बाहर आता है, अपने आपको काटता है। और एक पेन्सिल को नीचे रखता है, और ये अन्यभाषा में लिखती है और इसका अनुवाद करते है। समझे?

इसलिये, मुझे यह ना बताये। इसके लिये मैं बहुत पुराना हूं, समझे?

246 इसलिये वो आत्मा का फल... यीशु ने कहा, "उनके फलों से," अन्यभाषा या भावुकता नही, "परन्तु उनके फलों से तुम उन्हे जान जाओगें।" समझे? इसलिये यह आत्मा का फल है। यह परमेश्वर स्वयं को मानवता मिठास में प्रकट कर रहा है और हर दिन एक सा है। यह कुछ इस विषय में है, एक मनुष्य जो ठीक वचन के साथ बना रहता है। हर बार वह उस वचन को देखता है, वह उस पर "आमीन" से विराम लगाता है,

इससे कोई मतलब नही दूसरे लोग क्या कहते है कि वह इसका विश्वास करता है, आपने देखा। तो ठीक है। समझे?

247 परन्तु हम बजाये काफी दूर निकल जाते है, कि एक कट्टरता पर टिके और शैतान लोगों के बीच में आ जाता है। शैतान का यही काम है और वह एक अच्छा व्यापारी है। और वह लोगों के बीच में आ जाता है और उन्हे यह सोचने देता है कि यह उनके पास है इसलिये क्योंकि वे ऊपर–नीचे कूद सकते है। और फिर अपने पडोसी से घृणा करते है? नही। समझे? ... बाते कहते और अन्य भाषाओं में बोलते है, बहुत शानदार और इस प्रकार की चीजे।

248 और याद रखे, आप वास्तविक पवित्र आत्मा की भाषाओं में बात कर सकते है और फिर भी आपके पास पवित्र आत्मा नही है। बाइबल ऐसा कहती है। "यदि मैं मनुष्यों और स्वर्गदूतों की बोलिया बोलू और प्रेम ना रखू तो मुझे कुछ लाभ नही। मै ठनठनाता हुआ पीतल और झनझनाती झांझ हो जाऊंगा।" पहला कुरन्थियों 13। समझे? इसलिये आप नही... यह वह नही करता, देखिये।

249 मैथोडिस्ट ने कहा, "जब हम चिल्लाये, हमे यह मिल गया," परन्तु यह उनके पास नही है। नाजरीन ने कहा, "जब उन्होने पवित्र जीवन बिताया तो उनके पास था," परन्तु उनके पास नही था। पेंटीकोस्टलो ने कहा, "हमने अन्यभाषा बोली, हमे मिल गया," परन्तु उनके पास नहीं था। समझे? समझे?

250 परमेश्वर स्वयं को प्रकट कर रहा है, संवेदना (एहसास होने) में नही, नही कि... संवेदनाये, फिर भी इसके साथ है। आपने स्थान को देखा? यह इतना नम्र हो जाता है, यहां तक कोई देख भी नही पाता, यदि आप—यदि आप इसमे अपने सोच डालने की कोशिश नही करे तो, देखो, अपने विचार को डालने की कोशिश न करे तो। यह परमेश्वर है।

251 अब, और फिर वे कट्टरवादो का एक झुण्ड बन जाते है। तब *यहां* ठंडे औपचारिक इस ओर है; *यहां* कट्टरवादी, दूसरी ओर है; और *यहां* दुल्हन सीधे इस सबसे होकर गुजरती चली जाती है, दोनो ओर से बुलाई जा रही है। यह ठीक बात है। जब यह साथ–साथ जाता है, तो परमेश्वर इसका समर्थन करता है, उसका वचन।

252 अब, ओह मुझे इसमे से कुछ छोडना है, क्योंकि यहां मेरे पास बहुत कुछ है। मेरे पास... मेरा समय समाप्त हो गया। और मैं जितनी जल्दी हो सके अब जल्दी–जल्दी करूंगा।

253 अदन से, अब यह अदन से आया है, भविष्यवाणी की गयी थी कि वहां मसीह आ रहा था; वहां अदन से होते हुये।

254 अब मैं यहां अपने कुछ पवित्र उल्लेखो को छोड रहा हूं, जो मैने यहां पर लिखे हुये है और टिप्पणीयां, सन्देश को समय में समाप्त करते हुये, यदि कर सकता हूँ तो, परमेश्वर दीनता में छिपा रहता है। अब मैं जल्दी–जल्दी बात करूंगा, परन्तु फिर भी मैं चाहता हूं कि आप इसे पकड ले। समझे?

255 अदन से इस बात की भविष्यवाणी की गयी है कि एक मसीह आयेगा। यह पहले ही बता दिया गया था कि वह किस प्रकार का व्यक्ति होगा। हम अधिक समय ले सकते है। आप जानते है कि बाइबल बताती है कि वह किस प्रकार का व्यक्ति होगा। मूसा ने कहा, "तुम्हारा प्रभु परमेश्वर मुझ जैसे एक भविष्यद्वक्ता को उठा खड़ा करेगा।" उन्हे मालूम था कि मसीह एक भविष्यद्वक्ता होगा, उसकी सेवकाई एक विशेष प्रकार की होगी। सारे भविष्यद्वक्ताओं ने बताया कि वह क्या करेगा। उन्होने इसे एक प्रतीक में बोला है। और यह सब सीधे उनके सिर के ऊपर से निकल गया, और बाकी सबके नीचे होता हुआ। समझे? समझे? एक के नीचे से होते हुये और दूसरों के ऊपर से होते हुये। समझे?

256 समय से, वह समय के दृश्य पर आ गया, वे लोग जिनके पास वह भेजा गया था, उनके पास उनके अपने अनुवाद थे कि उसे कैसा होना है, उनके अपने काल्पनिक अनुवाद में।

257 बाइबल कभी नही बदली। बाइबल हमेशा एक सी रही है। इसी कारण मैं कहता हूं, "पवित्र वचन ने कहा, और मैं उसके साथ टिका रहता हूं, 'बाइबल का कोई व्यक्तिगत अनुवाद नही होता है।'"

258 इसलिये, मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, पेंटीकोस्टल इस में अपना अनुवाद डालने का यत्न ना करे, कहे कि, कि, "इसका यह अर्थ नही; इसका *यह* अर्थ है।"

259 इसका ठीक वही अर्थ है, जो इसने कहा, ठीक वही। किसी ने कहा, "यह कैसे हो सकता है? " मैं नही जानता कि कैसे, यह मै नही जो कहता

हूं। ये परमेश्वर है, जो चिंता करता है। वही है, जिसने इसे कहा है, मैं नही, देखिये, वह अपनों की चिन्ता आप करता है।

260 परन्तु अब, परन्तु इस मसीह की भविष्यवाणी की गयी थी। भविष्यद्वक्ताओं ने बताया, बिल्कुल वैसे ही कि वो कैसे आयेगा, जब वह आता है तो वह क्या करेगा, परन्तु उनके अपने–अपने अनुवाद ने लोगों के बीच में! और जब वह आता है, वह इतनी साधारण रीति में, सादगी में, जिस पर कलीसिया के सारे झुण्ड ने इस पर ठोकर खाई। क्या यह ठीक बात है? [सभा कहती है "आमीन"—सम्पा।] वहां, वे लोग जिन्हे सिखाया गया था...

261 एक मनुष्य एक शिक्षक, एक याजक नही हो सकेगा, जब तक वह विशेष वंश से ना जन्मे, लेवी के बाद। और जरा सोचिये, उसके पूर्व, पूर्व, पूर्व, पूर्व, पूर्व, पूर्व दादा जी एक याजक थे ठीक उस वचन में है, मन्दिर में दिन और रात।

262 एक कैथोलिक पुरोहित या सेवक जिसे सेवकाई मिली हो, पीढी से किसी विशेष कलसियाओं से, और आदि, "मेरे बडे परदादा एक मैथोडिस्ट के बिशप थे, मेरे दादा एक बिशप थे, और आदि।" समझे?

263 वह सब जो वचन में जीया हो, परन्तु उन्होने इसे अपने ही विधी में ढाल लिया। और उनके बालकों ने इसे उसी प्रकार स्वीकार किया, जैसा पिता ने यह सिखाया था। जब तक कि पिता ने उसे सिखाते हुये वास्तविक मार्ग से ना हटा दिया, और उन्होने इससे ऐसी संस्था बनाई थी यहां तक जब पवित्र आत्मा ने सत्य को सामने रखने का यत्न किया, वे उसे स्वीकार नही कर सके।

264 और यही, वही बात आज है। मेरा अर्थ असभ्य होने से नही है, परन्तु यह ठीक बात है। आज वही बात है। वे अमूक–अमूक इतना जटिल बना देते है और—और किसी और तरह से। वे अपना सिखाते है... जैसा कि यह कहा गया, "कि परमेश्वर के पास पोते–पोतियां नही है।" आप यह जानते है? परमेश्वर के पास पुत्र और उसके पुत्रियां है, परन्तु पोते–पोतियां नही है। हर मनुष्य को वही दाम चुकाना है और उसी एक मार्ग से आना है। जैसा कि आपके पिता ने किया, इसी प्रकार आपको करना चाहिये।

265 अब, इसलिये, वह बहुत ही साधारण था, जब वह मसीहा... चार हजार वर्षो से हर भविष्यद्वक्ता ने इसके विषय में बोला; दाऊद ने इसके लिये गाया

और सब में होते हुये। और जब वह आता है, लोगो के पास अपने विचार बने हुये थे, उसे क्या करना चाहिये और वह कैसे करने जा रहा है। कैसे इसकी व्याख्या की गयी थी, चित्र पट पर रुप रेखा और इत्यादि बनाई हुयी थी, जब तक वह अपने वास्तविक साधारण मार्ग से आता है, इसने उनके धर्म विज्ञान को नष्ट कर दिया। देखा, और उन्होने इसे नही जाना।

266 वह वचन के अनुसार आया। अब क्या आप विश्वास करते है कि परमेश्वर भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बोला कि मसीहा किसी निश्चित मार्ग से हो कर आयेगा? यह बहुत ही खराब है कि हमारे पास दुसरा एक घंटे का समय नही है ताकि हम उसे लेते और इसकी व्याख्या करते कि यह कैसे था। समझे? हम सब जानते है कि यह कैसे था, यद्यपि, हम में से अधिकांश, कैसे परमेश्वर ने कहा कि वह आयेगा और कैसे वह, "यहूदा के बेतलहम, तू अपनों में छोटा नही... " और फिर आगे बढते हुये और वह कैसे करेगा और वह क्या करेगा। समझे?

267 और फिर भी, वह बहुत ही साधारण था! यहां तक कि महान विद्यवान गडबडा गये, यहां तक कि वे चूक गये। परन्तु आप जानते है, यीशु वचन से हट कर नही आया। यह वचन के अनुसार ही आया, परन्तु उनके अनुवाद से हट कर आया। समझे? उसने वह चीजे सिखाई, जो उनके पुरोहितवाद के परशिक्षण के विरुध्द थी, उसके विषय में।

268 अब उदाहरण के लिये उन्होने कहा, "जब मसीह आता है, तो निश्चय ही वह मन्दिर में आयेगा और कहे 'कैफा,' या—या जो भी महायाजक हो, 'मैं आ गया हूं।' वह एक करोड स्वर्गदूतों कि सलामी के साथ आयेगा। परमेश्वर कहेगा, 'ठीक है तुम लोग जो वहां पर हो तुम लोग वास्तव में एक—एक शक्तिशाली कलीसिया हो। तुम मेरे लोग हो। मैं चूल घुमाने पर हूं और स्वर्ग से गलीयारा नीचे आने दो। मैं मसीह को तुम्हारे पास इस प्रात: भेज रहा हूं, मैं उसको वहां आंगन में उतारूंगा और सारे लोग आस–पास आ जाये।' कहे, 'डॉक्टर *अमूक–अमूक* आप और डॉक्टर *अमूक–अमूक* आप सब आगे खडे हो हो, पहले उसका अभिनन्दन करने के लिए, आप जाओ, समझे।'"

269 अब सम्भवत: यही कुछ इस प्रकार से आज सोच रहे है। अब, आप जानते है यह छोटा... यह थोडा कठोर लगता है। परन्तु मैं नहीं... मैं एक सारांश बनाना चाहता हूं।

270 "और—और यह इसी प्रकार से होने जा रहा है। और यदि ये इस प्रकार से नही होता है तो, यह सही नही है; यह मसीह विरोधी है। समझे? यदि यह उस प्रकार से नही आता है, यह मसीह विरोधी है, आप समझे, इसलिये यह नही होगा। और इस प्रकार, तब वहां होगा... फिर अगली चीज आती है लगभग एक करोड स्वर्गदूतों की सलामी अपने झुण्ड के साथ। और वे वहां आंगन में उतरेगें, जहां सुलेमान ने मन्दिर बनाया है और ओह, वहां ऊपर–नीचे होते हुये, वो पवित्र स्थान जहां संत और–और महात्मा लोग मरे और आदि–आदि।"

271 "जी हां," यीशु ने कहा, "तुम पांखण्डियों! तुम शैतान के पुत्रों!" कहा, "तुम भविष्यद्वक्ताओं की कब्रों को संवारते हो, जिन्हे तुम्हारे बाप दादाओं ने वहां गाढा।" यह ठीक बात है। यह ठीक बात है। समझे? "कितने धर्मी मनुष्य और भविष्यद्वक्ता तुम्हारे पास भेजे गये थे और तब भी तुमने उन में से प्रत्येक को मार डाला!" देखा? तो फिर वह किस को धर्मी कहेगा? जिसे वे, "हठधर्मी और मूर्ख कहते है।" जी हां।

वहां, उन्होने सोचा कि यह उसी रीति से आयेगा।

272 परन्तु जब वह चरनी में आया, कुंवारी से जन्मा, वो आम बढई पालन–पोषण करने वाला पिता और एक—एक छोटी अपरिचित लडकी। देखिये, किसी महायाजक कि पुत्री नही या और जो हो, वह—वह आया जैसे... एक छोटी सी महिला जो वहां उस छोटे गांव में रहती थी, पुराना औसतन, जो नासरत कहलाया था। और एक साधारण विधुर से, उसकी पत्नी मर गयी थी, उसके पास कुछ बच्चे थे; युसुफ। और—और उसकी मंगनी हो गयी थी। और फिर वह आरम्भ से ही बुरे नाम के साथ आया। उन्होने कहा, उसका जन्म अवैध है। ओह, प्रभु!

273 इस से उनकी शान पर बहुत बुरा प्रभाव पडा। समझे? उनकी शैक्षणिक नीति इसे सहन नही कर सकी। उनके वचन के अनुवाद, इस विषय में कुछ नही जानते, परन्तु फिर भी यह, यहोवा यो कहता है, था। ओह, प्रभु!

274 यह सोच मुझे कंपकपा देता है और यह देखते हुये की, वही बात फिर से घटित हो रही है। परमेश्वर बदल नही सकता है।

275 यह पहले ही बारह बज गये है। क्या आप जरा... क्या मैं रोक दूँ या थोडा सा। [सभा कहती है, "नही। चलने दीजिये।"—सम्पा।] धन्यवाद। थोडा सा शांत बैठे, थोडा सा, देखिये। ["बढते रहिये।"] अब मैं इसको

आने वाले सन्देश के लिये आधार बना रहा हूं। और मैं कोशिश करुंगा कि आप लोगों को जल्द ही बाहर जाने दूं, हो सकता है, अगले दस या पंद्रह मिनटों में, यदि हम कर सके। परमेश्वर आपको आशीष दे।

276 ध्यान दे, अब, यह बहुत ही साधारण है, उनके लिये ये—ये—ये निशाने से चूक गये। परन्तु यह परमेश्वर के निशाने पर प्रहार है, यह वचन पर मार करता है। वह ठीक उसी प्रकार से आया, जैसा उसने कहा, परन्तु वे, अपने अनुवाद में गलत थे। मूसा की छुडौती के समय, यह गलत था। नूह के समय का अनुवाद गलत था, देखा, परन्तु परमेश्वर अपने वचन के अनुसार आता है।

277 और फिर यीशु आया, और उसने—उसने वह बातें सिखाई जो विरोध में थी। "यदि तू मसीहा है, *ऐसा–ऐसा* कर," आप समझे। "यदि तू क्रूस पर से उतर आये और अब हमें दिखा।" समझे? परन्तु परमेश्वर लोगों के लिये मूर्खता वाले व्यवहार नही करता। परमेश्वर केवल वही चीजे करता है जो भली और सही हो।

278 उन्होने सोचा ऐसा तो निश्चय ही स्वर्गदूतों की महान सलामी के साथ ही आयेगा। परन्तु वह चरनी से होता हुआ आया। और उनकी अपनी शानदार नैतिकता, यह साधारण व्यक्ति के लिये हास्यपद, कि यह सोचे, कि वो सामर्थी परमेश्वर, वह महान सामर्थी यहोवा, जो सारी पृथ्वी का स्वामी और जिसने सारी चीजों कि सृष्टी की, और अपने ही बालक के जन्म लेने के लिये स्थान तय नही कर सका, जो किसी गौशाला से और गोबर के ढेर से अच्छा हो। वहां कैसे हो सकता है। समझे?

279 यह क्या था? परमेश्वर सादगी में है। इसी बात ने उसे महान बना दिया, देखिये शिक्षा की नैतिकता अपने को इस प्रकार छोटा नही कर सकती; वह नही टिक सकती। परन्तु परमेश्वर इतना महान है कि वह अपने आपको इतना नीचा ले आया, यहां तक की, अपने बालक पर डालने के लिये कपडा भी नही है। इस पर सोचे! और संसार... सराय में जगह नही थी। और एक गौशाला में चला गया, एक छोटी कगार एक—एक छोटी गुफा, जैसा पहाडी के बाजू में होता है। और वहां भूसे के पलंग पर परमेश्वर का पुत्र आया। ओह, वहां पर जा कर मिलना कितना अंतर है, वहां...

280 और उसकी मां को मां होना था। पाया गया कि वह माँ बन रही है, ओह, यहां तक कि विवाह होने के लिये महीनो पहले वो सगाई किये हुये

थे... कि विवाह... या विवाहित के बराबर। समझे? वह मां बनने वाली थी। और लोगों ने यह देखा, और वे जान गये कि यह इस प्रकार से था। और मरियम अपने ह्रदय में, वह जानती थी कि क्या हो रहा था।

281 और यूसुफ समझ नही पाया। परन्तु प्रभु का स्वर्गदूत उसके पास रात में आया, कहा, "युसूफ दाऊद की सन्तान। मरियम को अपनी पत्नी करने से ना डर, क्योंकि कोई गडबड नही है, परन्तु वह तो पवित्र आत्मा से है।" यह तय हो गया। वह पुरुष, युसूफ, उसका नाता परमेश्वर से जुडा था, तब परमेश्वर उससे बोल सका।

282 परन्तु आज, हमने अपने पुरोहितवाद का लबादा अपने चारों ओर लपेट रखा है, यहां तक कि हम से कोई बात नही कर सकता, जिस से हम जुडे है, उस पुरोहितवाद के बाहर। मैं कठोर या अतिवादी नही होना चाहता, इसलिये मैं इसे यही छोड देना चाहता हूं। ध्यान दे। परन्तु आप समझते है कि मेरा क्या अर्थ है। ध्यान दे।

283 एक चरनी, उन उच्च वर्ग के लोगों के लिये हास्यपद थी। हमारे पास यहां तक कि कोई लिखित प्रमाण भी नही है कि वह कभी एक दिन के लिये भी विद्यालय गया हो; और फिर भी बारह वर्ष की आयू में, एक साधारण लडका मन्दिर में अपने शिक्षण से याजकों को चकारा देता है। ओह, प्रभु! यह क्या था? परमेश्वर स्वयं को छिपा रहा है... ? ... इस समय मुझे अच्छी धार्मिक अनुभूति हो रही है, परमेश्वर स्वयं को खलिहान में छिपा रहा है। परमेश्वर अपने आप को एक छोटे बालक में छिपा रहा है। समझे? ध्यान दे, यद्यपि यह थोडी देर में प्रकट होने जा रहा है, देखो। उसे होना ही है।

284 जब वह गली में खेलने जाता था तो कोई संदेह नही, अभिभावक लोग आपस में बातें करते है और कहते है, "उस बच्चे के साथ मत खेलो, उसके साथ कोई मतलब नही रखो। उसकी मां कुछ नही बस एक आम व्यभिचारणी है। और पिता और मां, यह बालक जन्मा... इसके पहले कि इनका वास्तव में विवाह होता, वह मां बनने वाली थी, उससे कोई मतलब ना रखो।"

285 मरियम ने क्या सोचा! परन्तु कुल मिला कर कोई मतलब नही बाहर वालो ने क्या सोचा, वह इन बातों पर विचार करती रही। उन लोगों ने यह अपने ह्रदय में छिपा रखा है। वे जानते थे। वे इसके विरोध में कुछ बुरा नही कह सकते थे।

286 परमेश्वर अपने व्यक्ति से बात करता है, कभी–कभी कहता है, "शांती बनाये रखो, इस विषय में कुछ भी मत कहो।"

287 मेरी सभा में मेरे कुछ लोग है, कहते है, "अच्छा, यदि तुम मसीह के दास हो, आप जानते है कि *यह* वहां पर चल रहा है।"

288 निश्चय ही, मैं जानता हूं कि यह वहां चल रहा था। जब वह कहता है तो तुम क्या करने जा रहे हो, "शांती बनाये रखो। इस विषय में कुछ भी मत कहो? "

289 उस दिन उस व्यक्ति को लिया और उन्हे पुस्तक में दिखाया, "कोई बात वर्षो पहले कही गयी थी।"

बोला, "भई, मैं इसे नही समझ सका? "

290 मैने कहा, "आपने वहां देखा? " यह यहां पीछे है, तारीख लिखी हुयी थी, और सब कुछ जब वहां पीछे हुआ। बहुत से लोगों ने यह यहां पुस्तक में देखा मैने कहा, "यह घटित होगा, यह *इस* प्रकार से होगा, और *वैसे* होगा।

291 कहा, "अच्छा क्यों नही आप इस विषय में कुछ कहते है? " यह तो... इसे तो इसी प्रकार ही होना था। समझे?

292 और यूसुफ अन्तर को जानता था। वह जानता था कि यह बालक कहां से है। मरियम को मालूम था, ये किस से है, यीशु जानता था कि उसका पिता कौन है। उसने क्या कहा? "मुझे अपने पिता के कामों में लगा होना चाहिये।" ना कि लकडी काटना और दरवाजा बनाना; परन्तु अपने पिता के कामों में लगा होना चाहिये। आमीन। अपनी मां से कहा, "क्या आप लोग यह नही समझ सकते, कि मैं, मेरा यह समय है कि अपने पिता के कामों में लगा रहूं? "

293 अब उन्होने सोचा, "यह छोटा सनकी बालक... " कोई भी अवैध बालक इस प्रकार विचित्र, जिज्ञासू चीज जो है। आप यही है, देखिये, परन्तु निराली सी बात परमेश्वर अपने आप को छिपा रहा है। परमेश्वर अपने आप को छिपा रहा है, जिसे संसार सोचता है, जैसे, "एक गंदगी, भ्रष्ट, अवैध।"

294 देखिये, परमेश्वर स्वयं को मरे हुये बीज की भ्रष्टता में छिपाये हुये है, ताकि जीवन को लेकर आये। समझे? क्या आप समझते हैं? [सभा "आमीन" कहती है।]

295 परमेश्वर स्वयं को एक छोटी धोने वाली महिला में छिपा लेता है। या एक साधारण मनुष्य में जिस ने खाना बगल में दबा रखा है, अपनी पत्नी को चूमता है और बालको को अलविदा और चला जाता है, और हो सकता है कुछ करने के लिए अपने आप को उस में छिपा लेता है, कुछ करता है आर्च बिशप कुछ इस विषय में भी नही जानेगा। समझे? आप उसे तुरही फूंकते नही सुनते है और उसे बाहर भेजते है। वह, परमेश्वर बस महिमा को लेता है, बस यही है। देखो साधारण लोग इसे सुनते है और आनन्दित है, देखिये।

296 अब परमेश्वर अपने आपको बालक की एक सादगी में छिपाता है, अपने आपको सादगी में छिपा रहा है, एक—एक साधारण से परिवार में। परमेश्वर! और पुरोहित और महान मनुष्य, बुद्धि, प्रतिभाशाली और—और वे सब और हरोदेस और आदि–आदि उस दिन के, और नीरो इत्यादि, और उन सब ने इसे अनदेखा किया। परमेश्वर साधारणता में छिपा है।

297 अब जल्दी से, यशायाह 40 में, यहुन्ना बपतिस्मा देने वाला। यदि आप चाहे तो हम इसे लेना चाहते है। मलाकी 3। सब, जी हां, यदि आप चाहे तो इस पर निशान लगा ले, यशायाह 40, आप सब जानते है, शांती की बातें कर रहा है... जैसा कि यह है। सम्भव है, मैं यह अच्छा हो सकता है कि मैं—मैं—मैं इसे यहाँ पढ़ूंगा, यदि आपके पास—आपके पास समय है तो। [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] आईये इसे करे, थोडी से मिनटो के लिये। हम यहां पुस्तक में यशायाह 40 निकालेंगे और—और यहां पढे और जरा देखे कि वह क्या कहता है। इस विषय में इधर देखिये, "विश्राम, तुम मेरे लोगो को विश्राम दो।" अब, याद रखे, यह सात सौ बारह वर्ष पहले था। इस पर के यहां शीर्षक देखे, उसके जन्म लेने के सात सौ बारह वर्ष पहले, यहां भविष्यद्वक्ता उसके लिये बोल रहा है।

तुम्हारा परमेश्वर यह कहता है, मेरी प्रजा को शांती दो, शांती।

यरूशलेम से शांती की बाते कहो, और उससे पुकारकर कहो कि तेरी कठिन सेवा पूरी हुयी है, तेरे अधर्म का दण्ड अंगीकार किया गया है: यहोवा के हाथ से तू अपने सब पापों का दूना... दण्ड पा चुका है।

किसी की पुकार... सुनाई देती है, जंगल में यहोवा का मार्ग सुधारों, हमारे, हमारे परमेश्वर के लिये अराबा में एक राजमार्ग चौरस करो।

हर एक तराई भर दी जाये और हर एक पहाड और पहाडी गिरा दी जाये, जो टेढा है; वह सीधा और जो ऊंचा–नीचा है, वह चौरस... किया जाये:

298 ओह, प्रभु, प्रभु! वह कैसा मनुष्य होना चाहिये! समझे! अब मलाकी मेरे साथ निकाले, अन्तिम पुस्तक... पुराने नियम में अंतिम भविष्यद्वक्ताओं में। अब मलाकी में, यहां सुनिये। मलाकी इसे लेता है, अन्त के समय में, इसलिये कि आप निश्चित रहे और भूले नही। मलाकी का तीसरा अध्याय।

देखो मैं अपने दूत को भेजता हूं और वह मार्ग को मेरे आगे सुधारेगा: और प्रभु जिसे तुम ढूढते हो, वह अचानक अपने मन्दिर मे आ जायेगा; हां वाचा का वह दूत, जिसे तुम चाहते हो, सुनो, वह आता है, सेनाओं के यहोवा का यही वचन है।

299 अब भी यहुन्ना के लिये बोल रहा है, "मेरे दूत को मेरे आगे भेजो, कि मार्ग को तैयार करे।" यीशु ने यही मत्ती 11:10 में बोला, कहा:

यदि तुम इसे ग्रहण कर सकते हो, यह वही है जिस के लिये बोला गया है, *देखो मैं अपने दूत को अपने आगे भेजता हूं...*

300 समझे? यह ठीक बात है। अब, यह सब कैसे बोला गया! जब सात सौ वर्ष थे, मसीह के आगे–आगे चलने के लिये आना था। परन्तु, जब वह दृश्य पर आया, इतनी सादगी में होते हुये कि वे उसे चूक गये। वे उसे चूक गये।

301 अब याद रखे, कि वह याजक का पुत्र था। अच्छा, कितना हास्यपद सा लगता था कि अपने पिता के कार्यक्षेत्र का अनुकरण ना करके, पीछे धर्मविद्यालय में जाता। परन्तु उसका कार्य बहुत ही विशेष था। नौ वर्ष की आयू में, वह जंगल में चला गया। और प्रचार करते हुये बाहर आया। वे उसे चूक गये। वह इतनी सादगी में था, बहुत ही सादा, उनकी उच्च वर्ग कि शिक्षा के हिसाब से कि ऐसे का विश्वास करे। उन्होने सोचा कि जब यह मनुष्य आता है...

302 कैसे है, "सारे ऊंचे स्थान नीचे कर दिये जायेंगे, सारे नीचे स्थान ऊंचे कर दिये जायेंगे, ऊंचा–नीचा चौरस कर दिया जायेगा"? दाऊद ने

यह देखा, और कहा, "वे—वे पहाडियां, मेढो की नाई उछली, पतियों ने तालियां बजाई।" [भाई ब्रन्हम कई बार ताली बजाते है—सम्पा।]

303 क्या? क्या यह हुआ? एक बुढा लम्बी दाढीवाला इस प्रकार का बिना शिक्षा के, भेड की खाल अपने चारों ओर लपेटे हुये है, यहुदा के जंगलो से लडखडाता हुआ बाहर आता है, कह रहा है, "प्रायश्चित करो, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट है। और तुम सांप के झुण्ड, अपने विचारों में यह मत कहो, 'मैं अमूक–अमुक संस्था से हूं' परमेश्वर योग्य है कि इन पत्थरों से अब्राहम के लिये सन्तान उत्पन्न करे।" प्रभु!

"अच्छा, यह वह वहां नही है। हम जानते है कि यह वो नही है।"

304 परन्तु यह वही था! देखिये, वह मार्ग को साफ कर रहा था। समझे? यही जहाँ ऊंचे–नीचे स्थान समतल किये गये। यही जहां ऊंचे स्थान नीचे किये गये। "ऐसा मत सोचो कि अब्राहम तुम्हारा पिता है, मुझे इस तरह कि बातें मत बताओ, क्योंकि परमेश्वर योग्य है कि उन पत्थरों से अब्राहम के लिये सन्तान उत्पन्न करे।" ऊंचे स्थान नीचे किये गये। ओह! यही है। जी हां। अन्तर देखिये? उसने कहा यही जो होने जा रहा है।

305 और जब वे आये, उन्होने सोचा, ओह! वे उसे ग्रहण करने के लिये तैयार थे, यदि वे उनकी अपनी संस्था में आता। परन्तु क्योंकि... वह इस प्रकार से आया, ऐसे साधारण मार्ग से। फिर भी, वचन के अनुवाद में ऊंचे स्थान नीचे किये गये। उन्होने इसे स्वीकार करना ना चाहा, परन्तु वे।

306 लडके, उसने उनको मूढ़ दिया। उसने उनको बेपर्दा कर दिया। कहा, "तुम सांप के झुण्ड! तुम घास में सांपो! मैं तुम्हे बताता हूं, कुल्हाडा पेड की जड पर रखा है। और हर पेड जो अपना फल नहीं लाता वह काट कर आग में डाला जायेगा। मैं तुम्हे पानी से बपतिस्मा दूंगा, परन्तु मेरे बाद एक आ रहा है, जो मुझ से शक्तिशाली है; वह तुम्हे पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा। और उसका सूप उसके हाथ में है। वह खलियान को अच्छी तरह साफ करेगा और वह... भूसे को जला देगा; और गेंहू को अपने खत्ते में जमा करेगा।" आमीन।

307 यह वो था कि ऊंचा–नीचा, चौरस किया जायेगा, देखिये, परन्तु लोग यह समझ नही सके। परन्तु यह ठीक वचन के अनुसार है, ठीक वैसे ही जैसा वचन ने कहा। बहुत ही साधारण कि वे इसे चूक गये। वे इसे देखने में चूक गये।

308 आप ऐसे अंधे ना हो जाये। समझे? आप ऐसे अन्धे ना बनो। इसलिये, अब, सुनिये।

309 वे इसमें चूक गये। वह बहुत ही साधारण था, उनके आम विश्वास में, इस प्रकार का व्यक्ति, कि वह चूक गया। फिर से, यह क्या था? परमेश्वर जो कि वचन है, सादगी में छिपा हुआ है; ना कि एक पुरोहित, उस घूमे हुये कोलार के साथ तेज और शिक्षित।

310 यीशु ने उनसे वही बात पूछी। उसने कहा, "तुम क्या देखने गये थे? " जब यूहन्ना के चेले आये। कहा, "तुम क्या देखने गये थे? क्या तुम उस मनुष्य को देखने गये, जो याजक के वस्त्रों को पहनता है, आप जानते है और कोमल वस्त्र को, " उसने कहा, "उस—उस—उस तरह का प्रचारक? " उसने कहा, "क्या तुम वह देखने गये थे? "

311 कहा, "नही, वे उस प्रकार के बच्चों को चूमते है, और तुम जानते हो वे मरे हुओं गाडते है। उस दो धारी तलवार के विषय में कुछ भी नही जानते है, वे लडाई में सब से आगे। वे वहां कुछ बुद्धि वाले उपदेशक के साथ होते है, किसी किवानिस क्लब या कोई चीज आप जानते। वे वही पर ठीक है। परन्तु जब यह युध्द आता है कि उसका सामना करे, तो वे इस विषय में कुछ नही जानते है। वे—वे—वे तो राज महलो में होते है। वे इस प्रकार के लोकप्रिय लोगो के साथ मुर्ख बनते फिरते है।"

312 परन्तु कहा, "तो फिर तुम क्या देखने के लिए गये? क्या तुम हवा से हिलते हुये सरकण्डे देखने गये थे? एक मनुष्य जो कह सका... किसी ने कहा, 'आप जानते है, आप जुड़े हुये है आप वननेस से है; परन्तु यदि तुम यहां एसेम्बली में आओगे, मैं आपको बताऊंगा कि मैं क्या करूँगा, हम—हम बनायेंगे... ' 'मैं विश्वास करता हूं, मैं इसे करूँगा।' ओह! एक सरकण्डा हिला? ना यूहन्ना नही। नही, नही। 'यदि आयेंगे कि सदूकी हो जाये और ना कि, कि सदूकी, फरीसी या फिर कुछ और'? आपने किसी को हवा से हिलते हुये नही देखा होगा; युहन्ना को नही।" नही, श्रीमान; भाई उसे नही।

313 उसने कहा, "तो फिर तुम क्या देखने गये थे? एक भविष्यद्वक्ता को? " इसे करने के लिये एक भविष्यद्वक्ता चाहिये, देखिये। उसने कहा... अब, यह तो भविष्यद्वक्ता का प्रमाण है, परमेश्वर का वचन उसके साथ है। वचन भविष्यद्वक्ता के पास आता है। समझे? कहा, "तो तुम क्या देखने गये

थे? एक भविष्यद्वक्ता को? " कहा, "हां यह ठीक बात है। परन्तु, मैं तुम से कहता हूं, भविष्यद्वक्ता से भी बडे को, क्योंकि वह था।"

314 क्यों वह एक भविष्यद्वक्ता से बडा है? वह वाचा का दूत था, निश्चय ही वह था, व्यवस्था और अनुग्रह को मिलाने वाला। वो वहां का पुल हो डांट के बीच का पत्थर था, जिसके लिये कहा गया था।

315 उसने कहा, "यदि तुम इसे ग्रहण कर सको, यह वही भविष्यद्वक्ता है, जिसके लिये कहा गया, 'देखो,' मलाकी 3 में, 'मैं अपने दूत को अपने आगे भेजुंगा, वह मेरे आगे मार्ग को तैयार करेगा।'" समझे? ओह, वह इतनी सादगी में था। परमेश्वर फिर अपने आप को सादगी में छिपा रहा है।

316 अब देखिये, उसने क्या किया। उसने एक ऐसे सामर्थी मसीह के आगमन का प्रचार किया, "उसका सूप उसके हाथों में है। वह... अपनी तरह से साफ करेगा। लडके, मेरा अर्थ वह पूरी रीति से अपना खलियान साफ करेगा। वह गन्दगी को लेकर और उसे उडा देगा और उसे जला भी देगा। यह ठीक बात है। वह उन दानो को इकठ्ठा करेगा और उसे खत्ते में ले जायेगा।" देखिये, वह प्रेरणा में था।

317 परन्तु जब यीशु आता है, जिसकी वे राह देख रहे थे... और आप जानते है, वे सारे चेले, वे किसी महान कुछ की आने की राह देख रहे थे, "प्रभु ओह! वह आ रहा है। वहां बस यही था। लडके, वह सामर्थी होगा, वह उन रोमियों को लात मार के इस पृथ्वी पर से खत्म कर देगा! युनानियों को *इधर* का रास्ता दिखा देगा और रोमी *उधर* चले जायेंगे, जब वह आयेगा।"

318 जब वह आता है, तो वह एक नम्र व्यक्ति है उसे इधर से उधर धक्का दिया जा रहा है। यह क्या था? परमेश्वर अपने आपको साधारणता में छिपा रहा है। ओह, प्रभु!

319 तब वह अपने सन्देश के अन्त में आता है, और उसने कहा, "कौन मुझे पाप के लिये दोषी ठहराता है? वह सब जिसके लिये बाइबल ने कहा कि मैं करूँगा... यदि मैं अपने पिता के कामो को नही करता हूं, तो मुझे दोषी ठहराओ। परन्तु जो पवित्र वचन ने कहा कि मैं करुंगा, और मैंने ना किया हो? " पाप अविश्वास है, आप जानते है। "कौन मुझ पर दोष लगा सकता है? यदि मैं परमेश्वर की उंगली से प्रेत आत्मा को निकालता हूं, तो मुझे दिखाओ इस विषय में तुम क्या कर रहे हो।" सादगी!

320 यहां तक की अपने आप को मृत्यु के लिये दे दिया! परन्तु, ओह! उस ईस्टर की सुबह, हल्लिलुय्याह, यही जहां वह अपने कार्यस्थल को शुद्ध करेगा। वह गंदगी को उडा देगा, ठीक है भाई। जी हां, निश्चय ही। और गेंहू को खत्तों में बंद करेगा। वहां नीचे जमीन पर पडा है, अनन्त जीवन के साथ विश्राम में है, उस महान दिन की प्रतिक्षा कर रहा है, जिस पर की हम बोलने जा रहे है, प्रभु का आगमन, जब यह जीवन उस जीवन के पास आ जायेगा; और हम पुनरुत्थान में जी उठेगे, और उसके साथ हवा में उठा लिये जायेंगे, और वहां पर खत्तों में एकत्र किये जायेंगे। और कूडा वहां जला दिया जायेगा; वह भूसी जो उससे लिपटी हुयी थी और इसे *इधर–उधर* खींचने का यत्न करती है, वह ना बुझने वाली आग में जला दी जायेगी। आमीन। ओह, क्या यह आश्चर्यजनक नही है? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।]

321 वे उससे चूक गये, परमेश्वर सादगी में है। क्यों? क्यों? उसने कभी पुरोहितवाद वाले शब्दों में प्रचार तक नही किया, उसने कभी नही किया, उसने प्रचारक की तरह प्रचार नही किया। समझे? उसने प्रचार किया जैसे एक... उसने परमेश्वर के सादगी वाले शब्दों का प्रयोग किया, शब्द जैसे कि "कुल्हाडा रखा है" "पेड" जैसे शब्द, "सांप" जैसे शब्द। ना कि किसी धर्मविज्ञानी शिक्षक के समान, जैसा पुरोहित वाले दिनों में जैसे कि एक दिव्य डॉक्टर, डॉक्टर *अमूक–अमुक*, उसने यह नही किया। उसने वहां के एक लकड़हारे के समान, जो कहीं हो। उसने कुल्हाडी; और पेड और सांप और इस प्रकार की चीजे और गेंहू और खत्ते और इस प्रकार की सारी चीजे। आज उसे एक साधारण प्रचारक के सामान समझा जायेगा। मै सोचता हूं, वह उस दिन में एक "एक पैर पटकने वाला" कहलाया गया था। वहां यर्दन के किनारे ठूंठ पर खडा हुआ। पर... परमेश्वर सादगी में, संसार की बुध्दि से छिप रहा है।

322 अब आईये ढूढते है, यीशु ने कहा, "पिता मैं तेरा धन्यवाद करता हूं कि तूने इन बातों को संसार के बुध्दिमानो से छिपा रखा है और उन बालकों पर प्रकट करता है जो सीखेगे।" समझे? परमेश्वर अपने आपको मसीह में छिपा रहा है परमेश्वर सादगी में यहुन्ना में छिप रहा है। समझे? जरा... देखिये, वह—वह था... जरा इस पर सोचे कि परमेश्वर साधारणता में है, अपने आप को संसार की बुध्दि से छिपा रहा है।

323 अब हम दो मिनट में बंद करेगे, क्योंकि मैं आप लोगो को देर तक रोके रखना नही चाहता।

324 अब आईये एक मिनट के लिये रुकते है, कुछ व्यक्तिगत, जिस दिन में हम रह रहे है। इस पर सोचिये, जो समाप्ती के बहुत ही समीप है। इस दिन के विषय में सोचिये, जिस में हम रह रहे है। जब परमेश्वर एक छोटे नम्र स्थान में उतर कर आया; जिसमे हम रह रहे थे, बीमार को चंगा करना। और धनी और अभिमानी और उच्च शिक्षित, "आश्चर्यकर्मो के दिन बीत गये, दिव्य चंगाई जैसी कोई चीज नही है।"

325 आपको वह सन्देश याद है, जो मैने इस भूमी के टुकडे पर से खडे होकर उस प्रात: प्रचारा था, उस प्रात: जब मैने छोड़ा दाऊद और गोलियात के विषय में बताया?

326 कहा, "कि भाई ब्रन्हम इस सब के साथ आप कैसे इस शिक्षित संसार का मुकाबला करने जा रहे है? "

327 मैंने कहा, "मैं कुछ नही कर सकता कि मै कैसे सामना करने जा रहा हूं। परमेश्वर ने कहा है, 'जाओ।'" समझे? बस यही है, देखिये। यह उसका शब्द है। उसने यह प्रतिज्ञा की है। वह घडी अब है।

328 जब वह स्वर्गदूत जिसका चित्र आप देखते है, वहां उस नदी पर, उस दिन आया आने वाले जून में तीस वर्ष या 33 वर्ष पहले, इस आने वाले जून में और कहा, "जैसे यहुन्ना बपतिस्मा देने वाला भेजा," वहां पांच हजार या उससे अधिक लोग थे, "समय आ गया है कि जब तेरा सन्देश संसार का पथ विचलन कर देगा।"

329 यदि आप में से कोई वहां था, आपको अलोचना याद होगी। मैं समझता हूं, रॉय स्लोटर या उन में से कुछ लोग यहां पर बैठे है, वो दिन याद हो सकता है; या कुछ, श्रीमति स्पेन्सर या जो उन में पुराने लोग यहां है, यह जानते होंगे, देखना; जोर्ज राईट या उनमें से कुछ, यह जानते है, यह कैसे था। परन्तु क्या यह नही हुआ? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] इसने यह किया।

330 और फिर इस सब के बीच, जब उन्होने इसे अस्वीकार कर दिया और कहा, "यह केवल विचारों की चंगाई है।" और परमेश्वर मुड़ा और एक बड़े अप्पोसम को वहां पर भेजा, और परमेश्वर की सामर्थ से चंगा किया गया।

331 लायेल वूड और बैन्क्स, जब हम वहां पर बैठे हुये थे, और परमेश्वर के प्रमाणित सत्य को जानते है। जब एक छोटी पुरानी मरी हुयी, छोटी सी मिनो मछली वहां पानी पर पडी हुयी थी और पवित्र आत्मा ने एक दिन पहले कहा था, वह उनको अपनी महिमा दिखाने जा रहा था और इस विषय में कुछ करने जा रहा था। और वहां उस सुबह, वे वहां पर खडे थे। और पवित्र आत्मा वहां नाव में नीचे उतर आया और मै खडा हुआ और उस मछली से कहा, और वह पानी पर आधे घंटे से मरी पडी थी; उसके गलफडे और अंतडिया उसके मुंह से बाहर निकले हुये थे। वह जीवित हो गयी और पानी में उतनी ही तेजी से तैरती हुयी निकल गयी थी। जैसे कोई भी मछली करती है। यह क्या है? परमेश्वर स्वयं को साधारणता में छिपा रहा है।

332 परमेश्वर योग्य है कि इन पत्थरों से अब्राहम के लिये सन्तान उत्पन्न कर दे, परमेश्वर योग्य है कि अप्पोसम को चंगा कर दे, या एक मछली या कोई भी चीज। यदि वह अपना सन्देश लायेगा और लोग इसका विश्वास नही करेगे तो परमेश्वर अप्पोसम को उठा सकता है कि इसका विश्वास करे। हल्लिलुयाह! परमेश्वर एक मरी हुयी मछली को जिला सकता है। वह मरे हुये अप्पोसम को जिला सकता है। वह कर सकता है। वह जो भी चाहे वही कर सकता है।

333 इस पीढी के लिये क्या ही ताडना है! जब वे इस पर ठोकर खाते है, और इस पर विवाद करते है, "और आपने *यह* नही किया और *वह* नही किया।" और परमेश्वर ने एक साधारण से जानवर को भेज दिया। समझे? क्या ही फटकार है! यह क्या था? परमेश्वर सादगी में अपने आप को महान दर्शा रहा है, ओह, प्रभु! इस पीढी के लोगों के लिये फटकार है, उनके अविश्वास पर।

334 अब वे लोग वैसे ही सोचते है, जैसे हमेशा सोचा करते थे यह इनके अपने रीति के अनुसार होना चाहिये था, "अब यदि दिव्य चंगाई जैसी कोई चीज है... " जैसा की एक कैथोलिक व्यक्ति ने मुझे यह बताया। एक व्यक्ति ने उस रात्रि मुझे इस विषय में बताया। आप इस विषय में जानते है। कहा... यह आयेर्स, मैं लडके के विषय में वहां होस्टोन देखने गया, उसने कहा, "अच्छा अब यदि यह परमेश्वर का दान–वरदान है तो इसे कैथोलिक कलीसिया में आना चाहिये।" आप समझे? समझे? मैथोडिस्ट सोचते है कि यह उनकी कलीसिया में होना चाहिये। पेन्टीकोस्टल सोचते

है कि यह उनकी कलीसिया में होना चाहिये। परन्तु, यह किसी में भी नही आया।

335 यह यीशु मसीह के पुनरुत्थान की सामर्थ में स्वयं को प्रकट कर रहा है। निश्चय ही, यह ठीक बात है। जी हां। वह करता है। केवल इस पर ध्यान करे। इसे अपने पास से निकलने ना दे, इसे अपने—अपने ह्रदय के अन्दर रखे और इसे याद रखे। इस पर मनन करे।

336 इसे उनके ही तरीके से आना है, उनके अपने, उनके अपने नामधारी से। "देखो, और इसके अलावा होता है, तो यह वो नही है। देखा, यह केवल मनोविज्ञान है या यह शैतान है। यह एक—यह एक... यह परमेश्वर नही है क्योंकि यदि यह परमेश्वर था," तो इसे उनके ही तरीके से आना था, आपने देखा, "जिस तरह से हमने इसे अनुवाद किया है।"

337 इसी प्रकार से यीशु को फरीसियों के पास आना था। इसे वैसा ही होना था। समझे? यदि उनका... यदि परमेश्वर मसीह को भेजने जा रहा था। उनका वह सारा अनुवाद था कि उसे कैसे होना चाहिये। और क्योंकि वह भिन्न प्रकार से आया तो फिर, "यह मसीह नही था। वह कुछ अवैध था। वह एक बालजबूल था।" परन्तु यह परमेश्वर था, जो सादगी में छिप रहा था।

338 अग्रदूत वो विशेष निश्चित मनुष्य होना चाहिये, जो कि उनके... ठीक है, एक, कोई सन्देह नही... प्रति दिन, प्रति वर्ष जब वे अपने सेवको का अभिषेक करते है और उन्हे बाहर मिशिनरी के समान भेजते है जिससे वे नये मत परिवर्तको को अन्दर लाये; प्रत्येक ने सोचा, "यह वह अग्रदूत होगा जो आना था।" परन्तु परमेश्वर ने उसे जंगल से उठा खडा किया, जहां कोई धर्म विद्यालय नही था और इस प्रकार की चीजे। समझे? परमेश्वर अपने आपको नम्रता और सादगी में छिपा रहा था।

339 परन्तु अब प्रतीक्षा करे, बन्द करते हुये हम यह कहते है। परन्तु परमेश्वर के साधारण से सन्देश को अस्वीकार करना; इसे अस्वीकार करना, परमेश्वर का साधारण सा तरीका, अनन्तता तक कर दे। अब, यह कितना... हम बात करते है, कि यह कितना साधारण है और लोग सोचते है, ठीक है, वे इस पर हंस सकते है और इससे भाग सकते है, और जैसा चाहते है, वैसा व्यवहार कर सकते है, परन्तु यह परमेश्वर से अनन्त तक अलगाव है।

340 वे जो नूह के दिनों में मर गये, उसके सन्देश को नही सुना, वे नष्ट हो गये। और यीशु गया और उन्हे अंधकार की जंजीरो में प्रचार किया, अपनी मृत्यु में, अपने जी उठने के पहले। और वह नरक में गया और उन आत्माओं को प्रचार किया, जो कैद में थी जिन्होने नूह के धेर्य के दिनों में प्रायश्चित नही किया, जब परमेश्वर का एक साधारण सन्देश, साधारण मनुष्य के द्वारा, प्रचार किया जा रहा था। वह गया। उसने कहा, "नूह ने यह प्रचार किया मैं यहां होऊंगा, और मैं यहां हूं।" यह ठीक बात है। समझे?

341 वे जो नबी का सन्देश सुनने में असफल रहे, मूसा वहां जंगल में था, जो उसने परमेश्वर से पाया अग्नी स्तभ से, सही प्रमाणित और अगुवाई करके जंगल में ले गया। और फिर उठने का यत्न किया और उसके द्वारा संस्था बनाई, और वे जंगल में नष्ट हो कर मर गये, उन में से प्रत्येक; केवल दो मनुष्य यहोशू और कालेब।

342 और वहां वे—वे फरीसी इतने अंधे थे कि वे देख ना सके, इसलिये उन्होने पीछे मुडकर देखा और कहा, "हमारे बाप दादाओं ने मन्ना खाया, जंगल मे मन्ना खाया।"

343 और यीशु ने कहा, "और वे, वे सब मर गये।" उन्होने परमेश्वर की महिमा को देखा। वे ज्योति में... वे ज्योति में चले। वे अग्नि स्तंभ के उजियाले में चले। वे उसकी सामर्थ की उपस्थिति में चले। वे उन स्थानों मे से होकर निकले, जो पवित्र आत्मा ने उनके जाने के लिये तैयार किये थे। उन्होने वह स्वर्ग से गिरा हुआ मन्ना खाया, जो परमेश्वर ने उन्हे दिया। और नष्ट होकर नरक में चले गये। "वे, उन में से प्रत्येक *मर गया*।" यदि आप इस वचन को लेते है, यह परमेश्वर की उपस्थिति से, "अनन्त अलगाव है।" "वे उन में से प्रत्येक मर गया।" समझे?

344 हर वो जिसने यीशु को अस्वीकार किया नष्ट हो गया। देखा मेरा क्या अर्थ है? परमेश्वर की सादगी का इन्कार करना! यह ऐसे ही कुछ नही हैं... आप कहते है, "भाई मैने गलती की है।" आप इसे उस प्रकार से नही करते। परमेश्वर इसे इस प्रकार से नही लेता। आप सदा के लिये नाश हो हो गये। अच्छा होगा कि हम कुछ और विषय पर सोचे। इसे तो अब परमेश्वर के द्वारा ही प्रमाणित होना है, और तब यदि यह उसका वचन है तो। समझे? ओह! उनके समान, उनके अपने दिनों में जिन्होने मूसा को अस्वीकार किया, ऐलिय्याह को अस्वीकार किया, यहुन्ना को अस्वीकार किया, यीशु को अस्वीकार किया, उसके अपने दिनों में।

345 यहां मैं आपको एक छोटी सी बात बता दूं। और फिर मैं आशा करता हूं कि मैं आपको अधिक ठेस नही पहुंचा रहा हूं। परन्तु, देखिये। उस दिन मुझे होस्टोन टेक्सास बुलाया गया, क्षमा मांगने की कोशिश की। कुछ लोगो को वहां इकट्ठा करके और क्षमा पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिये, यह नवयुवक और नवयुवतियां। आप जानते है, वे इस मुसीबत में फंस गये। मेरा अनुमान है कि आपने इस विषय में अखबार में पढा होगा। और वह श्रीमान आयरर्स का सौतेला पुत्र था।

346 और श्रीमान आयरर्स ही वह थे, जिन्होने प्रभु के स्वर्गदूत का चित्र उतारा था, जिसे आप ठीक वहां पर देखते है। एक रोमन कैथोलिक; और उसकी पत्नी जो यहूदी थी। और उसने इस यहूदी लडकी से विवाह किया था। वे एक दूसरे से धर्म के विषय में बात नही करेगें और आदि इस प्रकार से। और टेड किपरमॅन, जो कि उनके साथ इस काम में थे, उनका डॉग्लस स्टूडिओ था।

347 और जब वह वहां पर आया, जहां श्रीमान बेस्ट, डॉ बेस्ट, बेपटिस्ट चर्च के, जिन्होने अपना मुक्का भाई बोसवर्थ के नाक पर ताना और कहा, "अब रखते हुए मेरा चित्र उतारो ऐसे करते हुये।" कहा, "मैं इस बूढे आदमी के डरने का चित्र को लेकर अपने अध्ययन कक्ष में लगाऊंगा, एक दिव्य चंगाई की यादगार में।"

348 और इसके पहले मैं होस्टोन टॅक्सास जाता, प्रभु परमेश्वर ने मुझे वहां जाने को कहा। और मैं वहां प्रभु के नाम में था। और आप सब उस बहस को जानते है और बातें जो वहां उठी। आपने पुस्तको में पढा है, और आदि। और यह वहां पर था और उस रात्रि... बहुत नम्रता के साथ चलने का यत्न कर रहा था।

349 "क्यों" उन्होने कहा, "ये अनपढो का एक झुण्ड है।" डॉ बेस्ट ने कहा, "ये एक अज्ञानियों का झुण्ड के अलावा और कुछ नही है।" कहा, "ऐसे लोग नही है जो दिव्य चंगाई जैसी चीज में विश्वास करते है। इस प्रकार की चीज, पिछडों हुओ का झुण्ड," वे नही जानते कि यह परमेश्वर सादगी में हैं। "क्यों," कहा, "इस व्यक्ति के पास व्याकरण की शिक्षा तक नही है।"

350 वह सारी शिक्षा की डिग्रीयों से सुसज्जित था, जितना हो सकता था कि वह सोचने लगा कि भाई बोसवर्थ को कैसे भी दबा लेगा। परन्तु जब यह

वचन पर आया, तो वह मुकाबले में एक दस प्रतिशत भी नही था। समझे? और भाई बोसवर्थ को मालूम था कि वह कहाँ पर है, उसके बहुत सारे लोग वहां पर बैठे हुये थे, जो वहां बहस में थे। और वहां पर वह था।

351 तब वह हम को यह कहने लगा कि हम अज्ञानियों का झुण्ड है, कहा, "अच्छी समझवाले इस बात का विश्वास नही करते।"

352 भाई बोसवर्थ ने कहा, "एक क्षण।" उसने कहा, "इस नगर में कितने लोग है," उस रात्रि में लगभग तीस हजार, इस प्रकार के हमारे बीच बैठे हुये है। "इस नगर में कितने लोग यहां इन बडे अच्छे बैपटिस्ट कलीसियाओं में जाते है, डॉक्टर के बयान से यह सिध्द कर सकते है कि वे परमेश्वर की सामर्थ से चंगे हुये है, जब से भाई ब्रन्हम इस नगर में प्रचार कर रहे है, खडे हो जाये।" और तीन सौ खडे हो गये। "इस विषय में क्या है? " यह वहां पर परमेश्वर सादगी में छिप रहा है। तब उसने कहा, "भाई... "

353 उसने कहा, "उस दिव्य चंगाकर्ता को सामने लाओ, मैं उसे किसी को सम्मोहित करते हुये देखू, तब मैं आज से एक वर्ष बाद देखता हूं।" और टेड किप...

354 और आयर्स वहां जिसने चित्र उतारा बोला, "श्रीमान ब्रन्हम कुछ नही, केवल एक सम्मोहन करने वाला। मैने एक महिला को देखा, उसके गले में *इस* प्रकार से घेंघा था और," कहा, "उसने उस महिला को सम्मोहित कर दिया, अगले दिन मैने उस से बात की और उसे घेंघा नही था।" कहा, "उस व्यक्ति ने उसे सम्मोहित कर दिया।" और, ओह! उसने बस मेरा उपहास उडाया। कहा, मुझे नगर से निकल जाना चाहिये, और उसे इसे करने के लिए उनमे से एक होना चाहिये और सब इसी प्रकार से। *होस्टोन क्रोनिकल* (अख़बार) के यह बड़े सामने के पृष्ठ पर था।

355 मैने कभी एक भी शब्द नही कहा, मैं वहां अपने पिता के काम से था, बस कुल मिला कर यही था, वचन के साथ टिके रहे। उसने मुझे वहां भेजा, और यह उसका काम है।

356 उस रात्रि जब मैं वहां नीचे पहुंचा, मैने कहा, "मैं—मैं—मैं—मैं कोई दिव्य चंगाकर्ता नही हूं। मैं नही हूं। यदि कोई कहता है, तो," मैं कहता हूं, "वे लोग गलत है।" और मैने कहा, "मैं दिव्य चंगाकर्ता कहलाना नहीं चाहता।" मैने कहा, "यदि डॉ बेस्ट यहां उध्दार का प्रचार करते है तो वह अपने आप को दिव्य उध्दारकर्ता कहलवाना नही चाहेगें।" और मैने

कहा, "तो फिर मैं दिव्य चंगाई का प्रचार करता हूं, तो मैं अपने आप को दिव्य चंगाकर्ता नही कहलवाना चाहुंगा। परन्तु वह कहता है कि वह दिव्य उध्दारकर्ता नही है; निश्चय ही वह नही है। ना ही मैं दिव्य चंगाकर्ता हूं। परन्तु—परन्तु, 'उसके कोडे खाने से हम चंगे हो गये,' मैं इस ओर संकेत कर रहा हूं।" समझे?

और इसलिए, वह "निरर्थक!" आप जानते है, वह घूमा।

357 और मैंने कहा, "परन्तु यदि परमेश्वर के इस दान की उपस्थिति, प्रभु का यह दूत, यदि इस पर शक है। वह सिध्द किया जा सकता है।" लगभग उसी समय वह चक्रवात में नीचे आया। कहा, "अब बोलने की आवश्यकता नही है, वह मेरे लिये पहले ही बोल चुका।" और मैं चला गया।

358 और मैं उस बडे शहर होस्टन गया, राष्ट्र का एक सबसे अच्छा शहर था, किसी भी स्थान से। जब उस दिन मैं वहां गया, तो शहर को देख कर यह अपमान लगा था। सडके गन्दी थी, टेक्सान एंवेन्यू में जिन जगहो में काऊटर थे और मैं राईस होटल गया, जहां अक्सर फिल्मी सितारे रुकते है। और वहां मैं नीचे तहखाने में कैफेटेरिया में गया, वह कैफेटेरिया उसकी छत नीचे लटक रही थी, पलस्तर फर्श पर, गन्दगी। और धूल प्रचारको के बीच में, एक भ्रम जैसा मैने कभी नही देखा, और या मैने अपने जीवन में सुना।

359 क्यों? ज्योति में चलने को मना कर दिया कि अंधेरे में चले। वहां उनके बालक मृत्यु की पक्ती में बैठे थे। ठीक है। परमेश्वर नीचे उतरा। जहाँ सादगी प्रकट की गयी और अस्वीकार की गयी थी, तब परमेश्वर ने अपने आप को सादगी में दिखाया।

360 और वहां चित्र लिया गया जो सारे संसार में घूम गया। यहां तक कि वैज्ञानिकों ने कहा, यह केवल एक अलौकिक जीवन है, जिसका सारे संसार के इतिहास में कभी चित्र लिया गया; और वाशिंगटन डी.सी. में लटका हुआ है, धार्मिक कला के हाल में। तो वहां यह सादगी प्रकट हो रही है। समझे? समझे? परमेश्वर अपने आप को सादगी में छिपा रहा है, और फिर अपने आपको प्रकट कर रहा है। समझे?

361 अब, उसने अपने आपको मसीह की मृत्यु में छिपा लिया, परन्तु अपने आपको पुनरुत्थान में प्रकट किया। ओह, प्रभु! और आदि–आदि आप कह

सकते है, हम बस... हम कह सकते... इसका कोई अन्त नही है; बस कहते रहे। परन्तु आप वही पर है।

362 नीचे तहखाने में जा कर रोशनी से अपनी आंखे मूंद लेना, सूर्य कि चमक का इन्कार करना। और यह ठीक है। और याद रखे केवल एक ही तरीका है कि आप गलत हो सकते है कि पहले सही का इन्कार करे। समझे? और अपनी आंखे खोलने को मना करे, आप अन्धकार में जीयेगे। समझे? यदि आप देखने से इन्कार कर दे, तो आप कैसे देखने वाले है। समझे? समझे? साधारण चीजों पर ध्यान दे। यह एक छोटी बात है, कि आप बिना किये छोड दे, बडी चीजे नही, जिन्हे करने—करने का आप यत्न कर रहे है। ओह, प्रभु!

363 तो फिर इधर देखे, मैं आपको बता दूं। मत... मत्ती 11:10 में, उसने कहा, "यदि तुम इसे ग्रहण कर सकते हो, तो वह यही है।" समझे? "यह वही है जिसे मेरे आगे भेजा गया।" यह सादगी थी।

364 एक दिन उसके बारे में पूछा गया, कहा, "तो फिर शास्त्री क्यों कहते है कि... "

365 वो, उसने कहा, "मनुष्य का पुत्र येरुशलम को जा रहा है। मै पापियों के हाथों सौपा जाऊंगा और वे मनुष्य के पुत्र को मार डालेंगे। और वह मरने जा रहा है और तीसरे दिन वह फिर से जी उठने वाला है।" कहा, "वहां जो दर्शन मिला इसे किसी को ना बताना।"

366 और चेले अब, इस पर सोचे, वे चेले जो यहुन्ना के साथ चले उससे बातें की उसके साथ खाया, जंगल में उसके साथ किनारे पर बैठे, फिर उन्होने कहा, "तो फिर शास्त्री क्यों कहते है कि एलिय्याह का पहले आना अवश्य है? आप कहते है, आप वहां क्रूस पर चढने जा रहे है और फिर जी उठने वाले है। तू तो मसीहा है कि सिंहासन को ले। अब शास्त्री क्यों कहते है... हमारे सारे शास्त्री यहां कहते है, वचन स्पष्ट कहता है इसके पहले कि मसीह आये, एलिय्याह का पहले आना होगा।" जी हां। समझे?

367 उसने कहा, "वह तो पहले ही आ चुका और तुम्हे मालूम नही हुआ।" अब, वह कौन था? चेले।

368 मैं यहां अब थोडा सा झटका देने जा रहा हूं, परन्तु मेरे करने का यह अर्थ नहीं है; अगले कुछ मिनटों के लिये, बस एक या दो मिनट

परन्तु निश्चित हूं कि आप समझ जायेंगे। क्या आप मुझे सुन सकते है? [सभा"आमीन"कहती है—सम्पा।]

369 देखिये! "क्यों? " वे पुरुष जो मसीह के साथ चले, "क्यों वचन पहले यह कहता है कि ऐलिय्याह को आना ही है? " और वे यहुन्ना के अपने मतपरिवर्तक थे और यहां तक की उसे जानते भी नही। "शास्त्र ने क्यों कहा, शिक्षकों ने? " आप देखना कि मेरा क्या अर्थ है? समझे? "तो फिर शास्त्र क्यो कहता है कि ऐलिय्याह को पहले आना है? " चेले जो उसके संग चले, "तो वचन क्यो कहता है कि उसे पहले आना है, इन बातों के पहले और सारी चीजो को वापस लाना? " उसने किया, इन आधा दर्जन लोगों के लिये, और कुल मिला कर यही वहां था, बस इन्ही को उसे स्वीकार करना था। यही वे जो इसे देखने के लिये ठहराये गये थे।

370 यीशु ने कहा, "वह तो पहले ही आ चुका और तुमने नही जाना। परन्तु उसने वही किया, जो पवित्र शास्त्र ने कहा कि वह करेगा। उसने उन्हे बहाल कर दिया, तुम सब जो मुझे ग्रहण करते हो और मुझ पर विश्वास करते हो। उसने ठीक वही किया जो शास्त्र ने कहा कि वह करेगा। और उन्होने उसके साथ वही किया जो उन शास्त्र ने कहा, कि वे करेंगे। वह तो आ चुका, और तुम्हें यह नही मालूम।"

371 क्या आप तैयार है? मैं आपको थोडा सा झटका दूंगा। उठा लिया जाना भी इसी प्रकार से होगा। यह इतना साधारण होगा, कोई सन्देह नही, यह वैसे ही होगा, जब तक कि किसी दिन रेपचर ना हो जायेगा और कोई इस विषय में कुछ नही जानेगा। अब, उठना नही, परन्तु केवल एक मिनट, अध्ययन करे, मैं निश्चित ही बन्द कर रहा हूं। स्वर्ग में उठा लिया जाना, इतने साधारण रीति से होगा, कि तब तक न्याय आ जायेगा और वे मनुष्य के पुत्र को देखेंगे, और वे कहेंगे, "क्या *ऐसा–ऐसा* नही होना है? और क्या ऐलिय्याह को हमारे लिये नही आना है? और क्या रेपचर नही हो जाना चाहिए था? "

372 यीशु कहेगा, "यह तो पहले ही हो गया और तुमने इसे नही जाना।" परमेश्वर सादगी में। समझे?

373 अब, इस सप्ताह में हम कुछ ज्यादा गहरी शिक्षा पर आ रहे है... ? ... अब, रेपचर पर ध्यान दे, इतने थोडे उस दुल्हन में जायेंगे! यह नही होगा...

374 अब देखिये कैसे शिक्षको इसे पाया? उनके पास लेखा चित्र है और वे बढते है, एक करोड़ लोगो को आते हुये दर्शाते है; वे सारे मेथोडिस्ट यदि यह मैथोडिस्ट प्रचारक है तो; यदि यह पेंटीकोस्टल है तो सारे पेस्तेकोस्तल आ रहे है। यह कभी भी इसे नही छुयेगा।

375 यह होगा, हो सकता है एक जैफरसनविले छोड़ेगा, कोई तो गायब हो जायेगा। वे कहेगे, "भाई, आप कभी नही... " वे बाकी के लोग नही जान पायेगे। एक होगा, जो जोर्जिया से छोड़ देगा। समझे? वहां अफ्रीका से एक छोड़ देगा। और चलिये हम कहते है कि पांच सौ लोग होगे जो रुपान्तरण में चले जायेंगे। अब ये, यह—यह कलीसिया देह नही है। यह दुल्हन है। यह कोई कलीसिया नही है। यह दुल्हन है। समझे?

376 वो—वो कलीसिया हजारों में आयेगी, परन्तु यह अगले पुनरुत्थान में होगा। "वे हजार साल वाली अवधी में नही जीयेगे।" समझे?

377 परन्तु दुल्हन में, यदि इसी मिनट में पृथ्वी पर से पांच सौ लोग चले जाये, तो संसार को कुछ भी पता नही लगेगा। यीशु ने कहा, "एक वहां खाट पर होगा, और एक चला जायेगा, एक छूट जायेगा।" यह रात का समय होगा, "वे वहां दो खेत में होंगे," पृथ्वी की दूसरी ओर, "मैं एक को ले लूँगा एक को छोड दुंगा। और जैसा यह नूह के दिनों में हुआ था, ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।"

378 सोचिये! हर चीज वैसे ही साधारण रुप में चलती रहेगी, जितनी ये हो सकती है। एक अति उत्साहित सन्देश निकल जायेगा, और पहली बात आप जानते है, कि कुछ, "यह सेवक, कही जा रहा है, वो कभी वापस नही आयेगा। वो सम्भवत है, जंगल में शिकार पर निकल गया। वो अब कभी वापस नही आयेगा। और *यह* व्यक्ति कही गया। आप जानते है, कि क्या हुआ? मैं विश्वास करता हूं, वो—वो युवा लडकी वह कही तो पकड़ ली गयी होगी, किसी ने उसे पकड कर उसे सम्भवत है, अपमानित किया होगा और नदी में फैक दिया होगा। वह किसी के साथ नही थी।" इसके आधे... हर में से निन्यानबे कहेंगे... कहना चाहूँगा, एक करोड में से एक भी इस विषय में कुछ जानेगा; देखो, जब तक कि कोई उसकी अच्छी जान पहचान का ना हो, कहते है, "लडकी गायब हो गयी है। क्यों, मैं नही समझ सकता हूँ। वह कभी भी इस तरह से नही गयी।" नही।

379 और जब वे कहते है, "वे—वे कब्रे खुल जायेगी।" ये कब्रे कैसे खुलने जा रही है? जब, मेरे—मेरे पास समय नही हैं कि मैं इसमें जाऊं, जो कि मैं चाहता था। मै इसे लेने जा रहा हूं जिससे कि आपको परमेश्वर की सादगी दर्शाऊ। और वो केल्शियम, पोटाश और हर एक चीज जब—जब... हर चीज का पदार्थ जो आप में है, जो चम्मच भर होते है। यह ठीक बात है। और यह क्या करता है, यह पीछे टूट कर आत्मा और जीवन में हो जाते है। परमेश्वर केवल बोलता है, और रेपचर आ जायेगा। यह ऐसा नही होने जा रहा है, कि स्वर्ग दूत आकर कब्र को खोद रहे है, और पुरानी लाशो को निकाल रहे है। यह क्या है? यह आरम्भ से ही पाप में जन्मा है। परन्तु एक नया वाला है, इसकी समानता में बन गया है, आप जानते है। देखा? यदि हमारे पास *यह* है, यह फिर से मर जायेगा, समझे? कोई नही... आप कहते है, "कब्रे खुल जायेगी, मरे हुये बाहर निकल आयेगे।" यह सही हो सकता है परन्तु खुलना नही, जिस प्रकार आप खुलना कहते है। समझे? यह ठीक बात है। समझे? यह इस प्रकार नही होगा।

380 यह गुप्त होगा, क्योंकि उसने कहा, "वह रात के चोर के समान आयेगा।" कि वो यह हमे पहले ही बता चुका है, रेपचर याने उठा लिया जाना।

381 तब न्याय आयेगा, पाप, महामारी, बीमारी और सारी चीजे। और लोग मृत्यु के लिये चिल्लायेंगे कि उन्हे ले ले, जब न्याय। "प्रभु, यह न्याय हमारे ऊपर क्यों है, जब कि आपने कहा है कि रेपचर पहले होगा? "

382 वह कहेगा, "यह तो पहले ही हो चुका और तुम्हे मालूम ना हो सका।" समझे? परमेश्वर स्वयं को साधारणता में छिपा रहा है। ओह, प्रभु! ठीक है। "वह सब यह पहले ही हो गया, और तुम्हे मालुम नही चल पाया।"

383 विश्वासीयो ने उसके आगमन के साधारण से चिन्ह का विश्वास क्यों नही किया?

384 वे सारी चीजो की, जो वचन ने कही जिनकी वे आशा कर रहे थे और—और बीच में ही चांद नीचे चला जायेगा... याने सूरज दिन के बीच में और सब प्रकार की चीजे होगी। ओह, यदि हम केवल... मेरे पास यहां टिप्पणिया लिखी हुयी है, देखिये यह दिखाने के लिये कि यह क्या चीजे है इस सप्ताह इन मोहरों के तोडने में इन्हे देखेंगे, जो भी है। समझे? यही है, जहां कि सब कुछ हो चुका है और आप यह नही जानते। देखिये यदि यह

है, यदि प्रभु का स्वर्गदूत इन मोहरों को तोडेगा। याद रहे, यह सात भेद भरे गर्जनों से मोहर बंद है। समझे?

385 अब, क्यो? क्या नही लोग, नम्र लोगों के झुण्ड की साधारण सी सादगी का विश्वास नही कर सकते, देखिये, और परमेश्वर के चिन्ह की आवाज का? वे क्यों नही इसका विश्वास कर सकते है? जैसे कि यह सदा से सच्चा परमेश्वर का वचन रहा है जो कि प्रकट हो रहा है। ये है, वे बहुत ही बुध्दि वाले और बहुत ही शिक्षित की लिखित वचन के सादे से रुप का विश्वास करे। वे इसमें अपना ही अनुवाद डालना चाहते है, "इसका *यह* अर्थ नही है, इसका *वह* अर्थ नही है।" समझे? इसका यह मतलब नहीं है।

386 सुनिये। मैं अब इसे जरा जल्दी से कह दूं। यहाँ तक कि वे दर्शन जो परमेश्वर ने यहाँ इस जगह में देता है, इतने गलत समझे गये। यही कारण है कि आप टेपो पर मुझे यह कहते सुनते है, "वही कहे जो टेप कहते है। वही कहे जो दर्शन कहते है।" अब, यदि आप ठीक से जगे हुये है तो, आप कुछ तो देखेंगे। समझे? मैं आशा करता हूं, कि मैं इसे अपने ही हाथों में रोके नही रखुंगा और आपको दिखाता हूँ। समझे? समझे? समझे? आप... यह— यह यहां पर है। हम अन्त में है। समझे? जी हां, श्रीमान। तेज, पढे लिखे इसमे चूक जायेंगे। साधारण दर्शन, जब वे ऐसी साधारणता में प्रकट किये जाते है, यहां तक कि वे लोगों के सिर से हो कर निकल गये। समझे?

387 क्योंकि मैने दर्शन देखे है, आपको वहां शिकार पर जाने के लिये बताया और आप जानते है, इससे लोगों ने ठोकर खायी है। और वहां परमेश्वर ने किसी विशेष उदेश्य के लिये भेजा और वापस आकर इसका अनुवाद दिया, अपनी मां के जाने के विषय में दिखाया, और इसी प्रकार की चीजे। और वापस आकर इसे पहले से बताया। और यह हुआ ठीक वैसे ही जैसा यह था, उसने कहा कि यह घटित होगा। समझे?

388 और फिर भी यहुन्ना ठीक वहां आया और स्वीकार किया। उसने कहा, "मैं मसीह नही हूं, परन्तु मैं वह आवाज हूं जो जंगल में पुकारता है।"

389 और तब वे ही चेले कहते है, "तो फिर फरीसी क्यों कहते है पवित्र लेख सिखाता है कि पहले ऐलिय्याह को आना है? " समझे? परमेश्वर की साधारणता चलती है, लोगो के सिर के ऊपर से निकल जाता है।

390 मैं यह लेने दे, और फिर बन्द करता हूं। मैं परमेश्वर की सहायता से करुंगा। देखा? देखिये। आईये इसका खुलासा करे। आपको निरंतर बताने

के लिए खेद है और फिर... देखिये। आपको रोके रखने के लिये खेद है। परन्तु, कुछ ही घंटो में हम वापस आ रहे है।

देखिये, आईये स्याही की एक साधारण सी बूंद ले।

391 हर चीज किसी उदेश्य के लिये है। आप लोग आज सुबह यहां किसी उदेश्य के लिये जमा है। मै आपके घर पर खाता हूं, चार्ली; नेली, आप लोग मेरे लिये पकाते हो, तो किसी उदेश्य के लिये। मैं... हर चीज किसी उदेश्य के लिये है, यह अराधनालय किसी उदेश्य के लिये खडा किया गया है। बिना उदेश्य और कारण के कुछ भी नही है।

392 अब आईये स्याही की एक साधारण सी बूंदे ले। क्या आप मुझे सुन सकते है? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] स्याही की एक साधारण सी बूंद ले और इसे देखे। यह क्या है? स्याही की एक बूंद। यह कहां से आयी है? ठीक है। अब आईये, स्याही की एक बूंद ले और, यह काली स्याही है। अब, यह स्याही किसी उदेश्य के लिये है। यह मेरी क्षमा लिख सकती है, एक कलम में... उस पश्चातापी से। यह मेरी क्षमा मृत्यु कक्ष से लिख सकती है। यह ठीक बात है? यह यहुन्ना 3:16 लिख सकती है और विश्वास करने के द्वारा मेरे प्राण को बचा सकती है, क्या यह ठीक बात है? ["आमीन।"] या, मेरे मृत्यु आदेश के हस्ताक्षर कर सकती है। समझे? यह एक उदेश्य के लिये है। क्या यह ठीक बात है? ["आमीन।"]

393 अच्छा इस थोड़ी सी स्याही को देखे और देखे यह कहां से आती है। अब, यह एक स्याही है। यह रसायन और आदि एक साथ मिलाये गये है, जब तक यह स्याही नही हो गयी। और यह काली है। आप इसे अपने कपडो पर टपका ले, यह इस पर दाग बना देगी।

394 परन्तु हमने एक चीज का निर्माण किया है, जो कि ब्लीच कहलाता है। आप स्त्रीयां यह ब्लीच प्रयोग करती है। भई, मैं एक बूंद स्याही की लेकर इसे ब्लीच के—के टब मे डाल देता हूं, अब स्याही का क्या हुआ? समझे? क्यों? ब्लीच बनाया गया है, खोजा और रसायनों को मिला कर बनाया है, यह रंग को इतनी बुरी तरह से तोड़ कर देता है, कि यहां तक की आप इसे ढूंढ भी नही सकते। अब जल ब्लीच का एक भाग है।

395 पानी H_2O हाईड्रोजन और आक्सीजन होता है। और हाईड्रोजन और आक्सीजन दोनो खतरनाक विस्फोटक है। और फिर हाईड्रोजन और आक्सीजन वास्तव में राख है। यही है जो यह है, यह ठीक बात है,

रसायनिक राख होते है, केवल रसायनिक राखे। अब इन्हे एक साथ रख दे, और आपको पानी मिलेगा, परन्तु इसे तोडे, आपको हाईड्रोजन और आक्सीजन मिलेगा, और फिर वैसे ही वापस चलते जाये।

396 जब इसमें हुये, आइये हम लें... और मैं नही सकता हूँ। अब हो सकता है, कोई रसायन वाला कैमिस्ट बैठा हो। और अब मैं यह कहना चाहता हूं, क्योंकि यहाँ कोई कैमिस्ट सुन रहा होगा, मैं फार्मूला नही जानता। परन्तु मैं इसकी व्याख्या अपने नम्र विधी में करना चाहता हूं, यह विश्वास करते हुये कि परमेश्वर इसमें स्वयं ही को प्रकट करेगा।

397 देखिये, मैं स्याही की एक बूंद इस ब्लीच में टपकाता हूं। क्या होता है? तुरंत ही वो काला रंग समाप्त हो जायेगा। आप इसे दोबारा नही ढूंढ सकते, यदि आपको ढूंढना पड़े तो, यह गया है। आप इसे फिर कभी नही देखेंगे। क्या हुआ? अब, आप इसमें से कुछ भी निकलता नही देखते। आप नही। आप क्यों नही पाते है? क्योंकि यह टूट गया।

398 अब विज्ञान कहेगा, "यह वापस अपने उन मूल एसिडो में चला गया।"

399 अब तेजाब कैसे आया? समझे? भाई आप कहते है, "यह कुछ खास चीजों से आया।" ठीक है। उदाहरण के लिये जैसे की, "यह वाष्प से बनता है।" यह वाष्प कहां से आती है? ठीक है, आप कहेंगे, "वाष्प अणुओं से बनती है।" यह अणु कहां से आते है? "परमाणुओं से।" यह परमाणु कहां से आते है? "इलेक्ट्रोन से।" वे कहां से आते है? "कोस्मिक प्रकाश से।" इसलिये आप देखिये आप रसायान को पीछे ढूंढते है। यदि यह तत्व है, और एक सृष्टी है, तो इसे सृष्टीकर्ता से आना चाहिये।

400 इसलिये, आप यहां संयोग से नही बैठे है, मैं आपको संयोग से बारह तीस या एक बजे नही रोक रहा हूं। "धर्मी के कदम प्रभु की ओर से तय होते है।" समझे? इसका कोई तो कारण है। कोई कारण है कि आप विश्वास करते है। कोई कारण है कि विश्वास नही करते है। जैसा कि उस स्याही के साथ–साथ है।

401 अब आईये इसका विशलेषण करे। अब पहली चीज, जो कहती है, इसके बाद जब हम वापस जाते है, वहां जहाँ अणु है। अब हम अणु को लेते है, मैं कहुंगा, एक गुना, 9 गुना अणु, 12 अणु। अब यदि यह 11 था, तो यह बाहर लाल आयेगा, परन्तु इसे काला होने के लिये 12 होना था।

402 फिर हम इसे परमाणु तक ले जायेंगे। यह परमाणु था। और 9^6 गुणा + 4^3 ये 16^{11} परमाणु के बराबर है। यदि यह 16^{12} था, तो यह बैगनी हो सकता था। समझे? तब आप इसे और आगे तोड़ते जाते है।

403 यह ये दर्शाता है वहां पीछे कुछ आरम्भ से ही था। यह केवल सामान्य ज्ञान है। यह एक सृष्टी है। तो इसका सृष्टीकर्ता होना था। और यह सृष्टीकर्ता से आया। और तब इसे तय करना था, और इन्हे इन भिन्नताओं में रखना था। अब विज्ञान परमाणु को बी 16 को 12 गुणा, 14 गुना नहीं ले सकता जो भी है, वहां इस प्रकार से, इसे बनाने के लिए। परमेश्वर को यह करना ही है।

404 और फिर इसे नीचे की ओर लाया जाता है, यहां तक कि यह परमाणु पर आ जाये, तब विज्ञान इस पर आरम्भ होता है। फिर यह अणु पर आता है, तब वे थोडी अच्छी तरह देखने लगते है। तब, यह उससे नीचे आकर किसी और चीज में बदल जाता है। तब, पहली बात यह रसायनों मे आता है, और फिर ये आपस में मिलते है।

405 अब, जब मनुष्य इसके पहले कि उसने पाप किया। मैं बन्द कर रहा हूँ, परन्तु आप चूके नही। जब मनुष्य ने पाप किया, तो उसने अपने आप को परमेश्वर से अलग कर लिया और बडी खाई को पार कर लिया, इस ओर अपने आप को मृत्यु में डाल दिया। उसने छोड़ा। वापस जाने का कोई मार्ग नही। बिल्कुल ठीक। कोई विधि नही कि वह वापस जा सके। परन्तु फिर जब उसने किया। परमेश्वर ने उसके बदले में स्वीकार किया, जो कि एक मेम्ना था या एक बकरी या एक भेड या कुछ तो, या लहू के लिये; कुछ और जो कि आदम ने कहा या—या हाबिल ने कहा, खाई के उस पार।

406 उस पार, वह परमेश्वर का पुत्र था, वह परमेश्वर की सन्तान था। वह पृथ्वी का वारिस है। वह प्रकृति पर नियन्त्रण रखता है। वह बोल कर प्रकट कर सकता है। क्यों, वह स्वयं में एक सृष्टीकर्ता है। वह परमेश्वर की सन्तान है।

407 परन्तु जब उसने पार किया, तो अपने पुत्रत्व को अलग कर लिया। वह स्वभाव से पापी है, वह शैतान के शासन के अधीन है।

408 और परमेश्वर ने बलिदान लिया। एक रसायन लहू का, परन्तु बैलों और बकरियों के लहू ने पाप को अलग नही किया। यह केवल पाप को

ढापता था, यदि मेरे हाथ पर कोई लाल निशान है, और सफेद से ढांक दूं, तो लाल निशान अब भी वही पर है। देखिये, यह अब भी वही है।

409 परन्तु परमेश्वर ने पाप के लिये स्वर्ग से एक ब्लीच भेजा। यह उसके अपने ही पुत्र का था। कि जब हमारे मान लिये जाने वाले पाप परमेश्वर के ब्लीच में डाल दिये जाते है, इसे फिर ढूंढने का यत्न करे! पाप का रंग बिचवाई करने वाले के द्वारा वापस चला जाता है, और समय के चलते, जब तक यह दोष लगाने वाले, शैतान पर प्रहार नही करता है, और न्याय के दिन तक, उस पर डाल देता है।

410 पुत्र का क्या हुआ? वह फिर से पिता के सिध्द संगती में आ जाता है, खाई के दूसरी ओर खडा है, उसके विरोध में कोई पाप याद नही किया जाता है, और नही, नही, ब्लीच का कोई भी निशान कही नही दिखाई पडता है। वो स्वतंत्र है। हल्लिलुयाह! जैसे कि वह ब्लीच, यानी वो स्याही अब वो स्याही बनी नही रह सकती है, क्योंकि इसे तोड कर फिर वापस कर दिया गया है। और जब स्वीकार किये गये पाप इसमें डुबाये जाते हैं... एक पुरुष या एक स्त्री जो यीशु मसीह के लहू में डुबा दिया गया, तो यह सारे लक्षणों को मार डालता है। और पाप का हर अणु शैतान के पास वापस चला जाता है और न्याय के दिन तक उसके ऊपर रहता है, जहां उसका अनन्त गंतव्य आग की झील में फेंक दिया जाना होगा। और खाई जुड गयी और इसे अब और कभी नही स्मरण किया जाता है। और मनुष्य परमेश्वर के पुत्र के समान न्यायोचित खडा होता है। साधारणता !

411 मूसा, बैलों बकरों के लहू के नीचे, परमेश्वर के वचन में उसके पाप स्वीकार के साथ! और परमेश्वर उस साधारण से मनुष्य को ले सका और अपने वचन उसके मुंह में डाले। और उसने यह प्रमाणित कर दिया कि वह यहोवा का दास है, क्योंकि वह वहां पर जा सकता था, और यहोवा उससे दर्शनों के द्वारा बोला। वह चला गया अपना हाथ पूर्व की ओर उठाया।

412 और, अब याद रखे परमेश्वर उस से बोला यह परमेश्वर का विचार है। परमेश्वर मनुष्य का प्रयोग करता है। परमेश्वर उससे बोला। यह ठीक बात है। उसने कहा, "जा, जो छडी तेरे हाथ में है। उसे पूर्व की और उठा और कह, 'मक्खियां!'"

413 मूसा, बकरी, भेड के लहू के नीचे, वहां गया, छडी ली, पूर्व कि ओर गया। "यहोवा यो कहता है, कि मक्खियां हो जाये!" एक मक्खी भी नही

सुनी। वापस चला गया। यह पहले ही बोल दिया गया। यह एक विचार है, अब यह बोला दिया गया, यह प्रकट कर दिया। तो फिर यह परमेश्वर का वचन है। यह मनुष्य के होठो पर आया, एक साधारण सा मनुष्य, बैल, बैल या बकरी के लहू के नीचे है।

414 पहली बात आप जानते है, एक हरी मक्खी आसपास में उडने लगी, अगली बात आप जानते है, वे पांच पोंड प्रति गज थी। यह क्या था? परमेश्वर का वचन था। जो मूसा के द्वारा बोला गया, रचियता। क्योंकि लहू के नीचे, वह परमेश्वर की उपस्थिति में खडा था और ये उसके अपने वचन उसके नही थे।

415 "यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरे वचन तुम में बने रहे, तो चाहे जो मांगोगे, वह तुम्हे दे दिया जायेगा।" कलीसिया कहां खडी है?

416 "मेढक हो जाये!" और एक छोटा पहले सारे देश में कही भी मेढक नही था। उन स्थानों में दस फुट गहरे मेढक हो गये। यह क्या था? यह परमेश्वर था, रचियेता, स्वयं को साधारण से मनुष्य में छिपा रहा है।

417 अब मैं आप से कुछ पूछना चाहता हूं। यदि बैलों या, बकरो का लहू ब्लीच के लिये प्रयोग किया गया। जो कि केवल ढांप सकता है, और मुनष्य को ऐसी स्थिती में रख सकता है कि वो परमेश्वर का सृष्टी करने वाले वचन को बोले, और मक्खियों को अस्तित्व में लेकर आये, तो क्यों यीशु मसीह के लहू के ब्लीच से ठोकर खायेगे, जो कि गिलहरी के लिये बोल सकता है या किसी चीज को अस्तित्व में ले आये?

418 आप ऐसा ना करे, सादगी पर ठोकर ना खाये। ये विश्वास करे, वह अब भी परमेश्वर है। ओह, प्रभु! पापों की क्षमा! ओह, मेरी कितनी इच्छा है कि मैं सकूं...

419 तब, मरकुस 11:22 में, "यदि तुम इस पहाड से कहो, 'हट जा' और अपने ह्रदय में संदेह ना करो, परन्तु विश्वास करो कि जो तुमने कहा है पूरा हो जायेगा, ओह, जो आपने कहा आप वो पा सकते हैं।"

420 ओह! मेरे पास तीन या चार पन्ने हैं, अब हमे छोड कर निकलना है। धन्यवाद।

421 परमेश्वर अपने आप को साधारणता में छिपा रहा है। क्या आप नही देखते? कही कुछ गडबड है। कही कुछ गडबड है। जब परमेश्वर एक वक्तव्य

(वचन) को देता है। तो वह झूठा नही हो सकता है। उसने प्रतिज्ञा दी है। समझे? वह सादगी में छिपता है। यह बहुत ही साधारण है!

422 पढे लिखे और ज्ञानवान कहते है, "ओह, यह है... ओह दूर संवेदना है (टेलीपॅथी) या कुछ। आप जानते है, यह एक... "

423 परमेश्वर अपने आप को समय की धारा में पीछे की ओर लेकर जा सकता है और आपको बताता है कि सही–सही क्या हुआ था, और आप आज क्या है, वह आपको ठीक बताता है, और आगे आप क्या होंगे। यह अब भी यीशु मसीह के ब्लीच के द्वारा है, कौन है जो एक पापी को लेकर और उसे ब्लीच कर दे, और वह परमेश्वर की उपस्थिति में खडा है।

424 "और यदि तुम मुझ में बने रहो और मेरा वचन तुम में; तुम जो चाहो मांग सकते हो और यह हो जायेगा। वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं, वह भी करेगा।"

425 "तुम मुझ पर कैसे दोष लगाते हो? क्या तुम्हारी अपनी व्यवस्था ने नही कहा, कि वे जिनके पास परमेश्वर का वचन आया, जो भविष्यद्वक्ताओ के! क्या तुमने उन्हे 'ईश्वर' नही कहा? और फिर तुम मुझ पर कैसे दोष लगा सकते हो जब मैं कहता हूं कि मैं परमेश्वर का पुत्र हूं? " वे यह देखने में असफल रहे। वे इसे देखने में असफल रहे।

426 अब, कलीसिया इन आने वाले सन्देशों में आज रात्रि के बाद से इसे देखने में असफल ना होगी। समझे? देखिये जिन दिनों में हम रह रहे हैं। स्मरण रखे, कि यीशु मसीह का लहू आप से पापों को बहुत दूर ले गया, जब कि वे, यहां तक कि परमेश्वर को स्मरण नही। यह सारे दागों को ले लेता है।

पाप ने गहरे लाल दाग, छोड दिये,
उसने धो कर हिम के समान कर दिये,

तब सिंहासन के सामने,
मैं उस में पूर्ण खडा हूं।

427 ओह प्रभु, मैं कैसे पूर्ण हो सकता हूं? मैं कैसे पूर्ण हो सकता हूं? क्योंकि लहू; ना कि मैं, मेरे और परमेश्वर के बीच लहू खडा है। मैं इसे स्वीकार करता हूं। और वह इसे डालता है... मैं पापी हूं, परन्तु वो परमेश्वर है, परन्तु वो रसायन मेरे बीच में खडा है, पाप का मारने वाला, इस लिये परमेश्वर मुझे वैसे ही सफेद देखता है, जो पानी अन्दर हैं, जो ब्लीच में है। मेरा पाप

चला गया। ये यहां तक की उसके पास नही पहूंच सकता, क्योंकि वहां पर बलिदान रखा है।

428 हमारा विश्वास कहाँ है, कि परमेश्वर के सादे से वचन का विश्वास करे? बस जो परमेश्वर ने कहा है, उसे उसके वचन के आधार पर ले। अब परमेश्वर अपने आप को साधारणता में छिपाता है, एक छोटे नम्र झुण्ड में, परन्तु इन्ही किसी दिन में, वह स्वयं को प्रकट करेगा, जैसा हमेशा उसने बीते दिनों में किया। क्या आप उससे प्रेम करते है? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।]

मैं उस से प्रेम करता हूं,
क्योंकि पहले उसने मुझ से प्रेम किया,
और मेरे उध्दार को खरीदा,
उस कलवरी के वृक्ष पर।

429 क्या आप उससे प्रेम करते है? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] ओह, वह कितना अद्भुत है? ["आमीन।"] मैं आशा करता हूँ, और मैं विश्वास करता हूं, कि सन्देश वही उत्पन्न करेगा, जो उसकी नियत करने की थी कि वह आपको उस स्थान पर ले आयेगा, कि आप आरामदायक चीजो को नही ढूंढेगे, या किसी... जब आप परमेश्वर को महानता में देखते है, तो देखो, वो कितना नम्र है और तब आप परमेश्वर को देखेंगे। उसको ना ढूंढे...

430 जब एलीशा वहां गुफा में था, तो धुंआ चला, लहू, गर्जन, बिजली; देखिये, सब प्रकार कि संवेदनाये हमारे पास थी, चेहरे पर लहू और हाथों पर और संवेदनायें और सारी चीजे। इन चीजो ने नबी को कभी भी परेशान नही किया। वह वहां तब तक लेटा रहा, जब तक उसने वह—वह धीमी आवाज को ना सुनी (यह क्या था?) वचन, तब उसने अपने मुंह को ढांपा और बाहर आया। देखिये, यही था वह।

431 स्मरण रखिये, मित्रों बडी महान चीजो को ना ढूंढे... आप कहते है, "परमेश्वर, वह बडी चीजो के लिये बोलता है, एक ऐसा समय आयेगा कि वहां *यह, वह* या *दूसरी* बडी चीजे होगी।" मैं आशा करता हूं कि मैं किस विषय में बात कर रहा हूं, आप समझ रहे है। समझे? "महान बडी चीजे, देखिये! और ओह, जब यह घटित होता है, तो यह *इस* प्रकार का महान होगा।"

432 और यह इतना नम्र होगा कि आप सारे मामले को चूक जायेंगे, बस आगे को बढते रहे। समझे? और आप पलट कर देखेंगे, और कहते है, "अच्छा, यह तो कभी नही हुआ... " देखिये, आपके सिर पर से निकल गया और यहां तक कि तुमने कभी नही देखा, पास से निकल गया, देखिये, यह कितना साधारण है। समझे? परमेश्वर सादगी में रहता है, कि अपने आप को महानता में प्रकट करे। उसे क्या महान बनाता है? क्योंकि वह स्वयं को साधारण बनाता है।

433 एक बडा, महान व्यक्ति अपने आप को साधारण नही बना सकता है; उसे तो प्रतिष्ठा ही चाहिये। समझे? परन्तु अभी भी वो प्रयाप्त बडा नही है, जब वह बहुत बडा हो जायेगा, तो वह *इस* प्रकार झुक जाता है, आप देखिये, स्वंय को नम्र कर सकता है।

434 जैसा कि उस बूढे संत ने शिकागो में कहा, "वह व्यक्ति सारी शिक्षा निकल गया।" कहा, "वो पीटा हुआ, सिर लटकाये नीचे आया। हारा हुआ और चला गया।" उसने कहा, "यदि वह जिस प्रकार वह ऊपर आया, उसे उसी प्रकार नीचे आना चाहिये था, जैसा वह ऊपर गया।" यह ठीक बात है। समझे?

435 अपने आप को नम्र करे, नम्र हो जाये। अलग बनने की कोशिश ना करे। बस यीशु से प्रेम करे। समझे? कहे, "प्रभु यदि मेरे हृदय में कोई कडवाहट है, पिता यदि कुछ गलत है, तो मैं वैसा नही होना चाहता, आप इसे निकाल दे, मैं वैसा नहीं होना चाहता। और प्रभु के दिन में, मैं उन में गिना जाना चाहता हूं। और मैं देखता हू कि दिन आ रहा है।"

436 आप देखिये ये मोहरे आरम्भ होती है, यदि परमेश्वर इन्हे हमारे लिये खोलेगा। याद रखे, केवल वही यह कर सकता है। हम उसी पर निर्भर कर रहे है। परमेश्वर आपको आशीष दे।

437 और अब मैं समझता हूं कि हमारे पास्टर के पास आपके लिये कहने को शब्द होंगे को; या उसके लिये, बल्की आपके लिए—लिये, इसके पहले कि हम दोपहर के बाद फिर से मिले। और मैं सोचता हूं कि सभा होगी... गाने की सभा साढे छ: बजे, पास्टर? और यह... [भाई नेविल कहते है, "साढे छ: बजे आरम्भ करते है।"—सम्पा।] साढे छ: और यह... ["दरवाजे छ: बजे खुलते है।"] दरवाजे छ: बजे खुलते है। गीतों की सभा साढे छ: बजे होगी।

438 और प्रभु ने चाहा आज रात्रि मैं विषय पर बोलुंगा, सात मोहरों की पुस्तक पर। और फिर सोमवार की रात्रि को, सफेद घोड़े का सवार। मंगलवार रात्रि... काले घोड़े का सवार, बुधवार रात्रि को। सलेटी घोडा, पीला घोडा। और लाल घुडसवार। और तब छठे में जाते हैं... चौथा, पांचवा और छठा और फिर रविवार की रात्रि को। अगले रविवार प्रात: चंगाई की सभा हो सकती है। मैं नही जानता।

439 अब याद रखे, हम प्रभु के लिये समर्पित है, हम खुद और कलीसिया परमेश्वर की सेवा के लिये है। परमेश्वर आपको आशीष दे।

440 मैं—मैं एक घंटा देरी से हूं। क्या आप मुझे क्षमा करेंगे? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] मैं—मैं नही देखता, मेरा करने का यह अर्थ नही है। परन्तु देखिये, मैं इस सप्ताह आप लोगों के साथ हूं, मैं—मैं फिर से छोडूगा। और मैं नही जानता, मैं कहाँ जाऊंगा; बस वहां जहां पर वो मेरी अगुवाई करेगा। और मैं हर मिनट उसके लिये लगाना चाहता हूं, जो मैं लगा सकता हूँ, क्योंकि मैं आप लोगो के साथ अनन्तता बिताना चाहता हूं।

परमेश्वर आपको आशीष दे। अब, भाई नेविल।

परमेश्वर स्वयं को साधारणता में छिपा रहा है,
फिर स्वयं को उसी में प्रकट कर रहा है HIN63-0317M

(God Hiding Himself In Simplicity, Then Revealing Himself In The Same)

सात मोहरों की श्रृंखला का प्रकटीकरण

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 17 मार्च, 1963 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया, जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org